राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | बाबाधाम जाने वाले किसी व्यक्ति को कोई...

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने संत रविदास... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 112 | पटना, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

गया जी में 6 हजार करोड़ के एकीकृत इस्पात परियोजना के लिये उद्योग विभाग एवं महाशक्ति ग्रुप के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

औद्योगिक सौगात : गया जी में लगेगा 6 हजार करोड़ का स्टील प्लांट

राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है सरकार : सम्राट

6 मुख्य बिंदु :-

- प्रस्तावित परियोजना में लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के प्रस्तावित न्यूनतम निवेश का प्रावधान है। प्रस्तावित परियोजना की उत्पादन क्षमता 1.0 से 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष होगी
- परियोजना से बिहार में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन एवं निवेश को नई गति मिलेगी। सहायक एवं लघु उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समक्ष लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में 6 हजार करोड़ रुपए के प्रस्तावित बड़े एकीकृत इस्पात की स्थापना हेतु उद्योग विभाग तथा महाशक्ति ग्रुप के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर कर उसका आदान-प्रदान किया गया। यह परियोजना गया जी जिले में स्थापित की जाएगी, जिसकी प्रस्तावित तैयार इस्पात उत्पादन क्षमता 1.0 से 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष होगी। इस निवेश के माध्यम से बिहार के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी तथा राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे : इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निवेशकों को बेहतर आधारभूत संरचना, पारदर्शी नीतियां तथा त्वरित प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे राज्य में बड़े निवेश आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्पात परियोजना के स्थापित होने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही इससे सहायक एवं लघु उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी।

परियोजना निर्धारित समय सीमा में आगे बढ़ेगी : मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी, उद्योग विभाग एवं निवेशक संस्थानों के समन्वित प्रयासों से यह परियोजना निर्धारित समय सीमा में आगे बढ़ेगी और राज्य के औद्योगिक विकास के नए अध्याय की शुरूआत करेगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, उद्योग विभाग के निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता, अन्य पदाधिकारीगण एवं महाशक्ति ग्रुप के अनमोल लोढ़ा, विष्णु नाथ सहित महाशक्ति ग्रुप के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बांकीपुर उपचुनाव : मतदान शांतिपूर्ण संपन्न, 34.30 प्रतिशत वोटिंग

- 25 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद, तीन अगस्त को मतगणना

प्रात : किरण

पटना। बिहार की राजधानी पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर गुरुवार को हुए उपचुनाव का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार, सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक चले इस मतदान में कुल 34.30 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब तीन अगस्त को मतगणना होगी। मतदान समाप्त होने के साथ ही सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। इस सीट पर मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के नीरज कुमार सिन्हा, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर और राष्ट्रीय जनता दल की रेखा गुप्ता के बीच माना जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 422 मतदान केंद्र और 162 मतदान केंद्र स्थल बनाए गए थे। विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,79,616 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 2,00,060 पुरुष, 1,79,533 महिला तथा 23 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इस उपचुनाव में कुल 25 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 23 पुरुष और दो महिला प्रत्याशी हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदान के लिए 569 कंट्रोल यूनिट, 1,146 बैलेट यूनिट और 617 वीवीपैट का उपयोग किया गया। मतदान के दौरान तकनीकी कारणों से 14 बैलेट यूनिट, सात कंट्रोल यूनिट और नौ वीवीपैट बदले गए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कुल 59 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका समय पर निपटारा कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 14 कंपनियां केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल, आठ कंपनियां बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के अलावा बड़ी संख्या में जिला पुलिस बल और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई थी। सभी 422 मतदान केंद्रों की लाइव वेबकास्टिंग कराई गई। इसके अलावा, 30 मॉडल मतदान केंद्र बनाए गए, जबकि एक मतदान केंद्र पूरी तरह महिला कर्मियों और एक केंद्र दिव्यांग कर्मियों द्वारा संचालित किया गया। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर विशेष निगरानी रखी गई। एफएसटी, एसएसटी और सीएपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में करीब 14.30 लाख रुपये मूल्य की 2,412.18 लीटर शराब, लगभग 39,200 रुपये मूल्य के मादक पदार्थ तथा 3.95 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान 2,454 व्यक्तियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई, जबकि 30 जुलाई तक प्राप्त सूचना के अनुसार 39 लोगों को गिरफ्तार अथवा निरुद्ध किया गया। आयोग ने बताया कि संपूर्ण मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतदान समाप्त होने के बाद भाजपा, जन सुराज और राजद ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। हालांकि, अब सभी की निगाहें तीन अगस्त को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं, जब यह साफ होगा कि बांकीपुर की जनता ने किस उम्मीदवार पर भरोसा जताया है।

डीएम-एसएसपी ने जताया आभार: मतदान की समाप्ति के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी पटना और वरीय पुलिस अधीक्षक पटना ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इस बार जिले में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और पिछले चुनावों की तुलना में मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकारियों ने पटना के मतदाताओं, प्रशासनिक कर्मियों, मीडिया और सिविल सोसाइटी के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

14.20 लाख नकद और मादक पदार्थ जब्त: चुनावी प्रक्रिया के दौरान अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाते हुए संयुक्त टीमों द्वारा 14,20,418 मूल्य की 2612.18 लीटर अवैध शराब, 28,000 मूल्य का 01.98 ग्राम मादक पदार्थ (ड्रग्स) और 3,98,000 नगद राशि जब्त की गई। साथ ही, चुनाव को प्रभावित करने की आशंका के तहत 2,634 असमाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई और 555 गैर-जमानती वारंटों का निष्पादन कराया गया।

मतदान के दिन 23 लोग गिरफ्तार: सोशल मीडिया पर भ्रामक व अफवाह फैलाने वाली 2,627 पोस्ट्स पर लगातार नजर रखकर उनका खंडन किया गया। आचार संहिता उल्लंघन के कुल 8 मामले दर्ज किए गए, जबकि मतदान के दिन गड़बड़ी की आशंका और अद्यतन जानकारी के आधार पर 23 व्यक्तियों को गिरफ्तार/निरुद्ध किया गया। मतदान समाप्ति के साथ ही सभी ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा में स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन, छात्रों पर कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने मकर द्वार के पास प्रदर्शन करते हुए 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस की कथित पैलेट गन कार्रवाई का विरोध किया। विपक्ष ने इस मामले में गृहमंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की और छात्रों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की मांग उठाई। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसदों ने चढ़ावा चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए और बैनर दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि छात्र आंदोलन पर पुलिस की कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले पर जवाब देने और प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की भी मांग की।

मोतिहारी में जाली नोट और 'रुपए दोगुना' ठगी गिरोह का भंडाफोड़

- बर्खास्त बीएमपी जवान समेत नौ गिरफ्तार

प्रात : किरण

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जाली नोट के कारोबार और रुपए दोगुना-तीन गुना करने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बिहार पुलिस का एक बर्खास्त बीएमपी जवान और दो बर्खास्त होमगार्ड जवान भी शामिल हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार पुलिस से बर्खास्त सिपाही बिदुर सहनी अपने साथियों के साथ जाली नोट के कारोबार, ठगी और हथियार के बल पर लूटपाट जैसी वारदातों को अंजाम देता है। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कुवारी देवी चौक पर छापेमारी कर मुख्य सरगना बिदुर सहनी को उसके दो सहयोगियों आकाश कुमार और प्रदीप कुमार जायसवाल के साथ गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से जाली नोट और नकद राशि बरामद की गई।

पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने बासमनपुर गांव में गिरोह के अन्य सदस्यों के ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान राम प्रवेश भगत, कुंदन कुमार, चंदेश्वर गिरी, अमिरी पंडित, अनिल ठाकुर और अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान अमिरी पंडित के घर से पुलिस की वर्दी के तीन पैंट, दो शर्ट और एक बेल्ट बरामद हुई, जबकि कुंदन कुमार के घर से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी मिला। पुलिस ने गिरोह के पास से 34 हजार रुपये नकद, चिल्ड्रेन बैंक ऑफ इंडिया अंकित 500 रुपये के नोट जैसे दिखने वाले चार लाख रुपये के जाली नोट, 200 और 100 रुपये के नोट के आकार में कटे सादे कागज, आठ मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिल भी जब्त की हैं।

पुलिस का कहना है कि यह गिरोह लोगों को रुपये दोगुना या तीन गुना करने का लालच देकर जाली नोट थमाता था और कई मामलों में हथियार का भय दिखाकर ठगी और लूटपाट की घटनाओं को भी अंजाम देता था। इस संबंध में मुफ्फसिल थाना में मामला दर्ज कर सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और इसके नेटवर्क की भी जांच में जुटी है।

लोकसभा में भी वंदे मातरम बिल पास

- विपक्ष बोला- यह केवल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राज्यसभा के बाद गुरुवार को लोकसभा में भी वंदे मातरम बिल पास कर दिया गया है। बिल को लेकर विपक्ष के भारी हंगामे के बीच इसे पास किया गया। इसी के साथ ही साथ सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई है। सदन की कार्यवाही 31 जुलाई सुबह 11 बजे से फिर से शुरू होगी।

इस बिल का मकसद यह है कि वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही कानूनी सुरक्षा देना है। अगर कोई वंदे मातरम का अपमान करता है तो उसे 3 साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

बिल पास होने के बाद सपा सांसद जियाउर्रहमान ने कहा कि देश में बड़ी मुस्लिम आबादी है, इसलिए उनकी भावनाओं और चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बिल के जरिए सरकार हिंदू-मुस्लिम के बीच दूरी पैदा करना चाहती है।

भाजपा सांसद विनोद तावड़े ने इस बिल को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि वंदे मातरम का सम्मान, भारत का अभिमान है।

जिस मंत्र ने, जिस जय घोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा दी, प्रेरणा दी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया, उस राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गर्व के साथ पुण्य स्मरण करना हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य है।

सरकार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय बल प्रयोग किया : खड़गे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छात्रों के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय बल प्रयोग किया और पूरे मामले पर गृह मंत्री ने सदन और देश के सामने जवाबदेही नहीं दिखाई। खड़गे ने कहा कि छात्रों और युवाओं की ताकत ही सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार की ओर से हर विषय पर कुछ चुनिंदा मंत्री ही जवाब देते हैं, जबकि जिन मंत्रियों से संबंधित विषय होता है, वे सामने नहीं आते। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की घटना के तुरंत बाद सरकार को देश के सामने पूरी सच्चाई रखनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने इस पूरे मामले पर संसद या देश के सामने विस्तृत बयान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों से सीधे संवाद करने के बजाय अन्य माध्यमों से अपनी बात रखने की कोशिश की। खड़गे ने सरकार से कई सवाल पूछते हुए कहा कि छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि छात्रों लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। आंसू गैस छोड़ने का आदेश किसने दिया, पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति किसने दी, सादे कपड़ों में छात्रों की पिटाई करने वाले लोग कौन थे, दिल्ली पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स ने किसके निर्देश पर कार्रवाई की।

हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार सरकार, विपक्ष का रवैया गैर-जिम्मेदाराना : नड्डा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को राज्यसभा में एक बार फिर हंगामे के बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान सदन के नेता और केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विपक्ष पर गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने और सार्थक बहस की बजाय सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि विपक्ष की भूमिका नकारात्मक रही है। सरकार हर विषय पर

चर्चा करने को तैयार है लेकिन विपक्ष का इस तरह से सदन नहीं चलने देना निंदनीय है। वहीं, कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने राज्यसभा में कहा कि विपक्ष चाहता है कि सदन सुचारु रूप से चले, लेकिन छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई कार्रवाई के मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह सदन में बयान दें।

प्रमोद तिवारी की इस मांग के बाद विपक्षी सांसदों ने अमित शाह सदन में आओ के नारे लगाए, जिससे सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया। विपक्षी सदस्यों के लगातार विरोध के कारण राज्यसभा की कार्यवाही शोर-शराबे के बीच चलती रही। विपक्षी सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को सदन में उठाया जिसमें गन्ना किसानों के साथ वन नेशन वन मेट्रो कार्ड की मांग की गई ।

छात्र न्याय के हकदार, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए : राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि छात्र न्याय के हकदार हैं और उनके साथ प्रदर्शन के दौरान हुई कथित बर्बरता की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का

एक वीडियो साझा करते हुए ह्यएक्सह्न पर कहा, छात्र न्याय के हकदार हैं। हमारे छात्रों के साथ हुई बर्बरता की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि दिल्ली में विद्यार्थियों के साथ हुई बर्बरता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं और उन्हें पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने यह मांग भी की थी कि उच्चतम न्यायालय की निगरानी में उच्चाधिकार-प्राप्त समिति से जांच कराई जानी चाहिए।

संसद के मानसून सत्र में नहीं पेश होगा 'वन नेशन वन इलेक्शन' बिल, जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद के मानसून सत्र में वन नेशन, वन इलेक्शन से जुड़ा संविधान संशोधन बिल पेश नहीं किया जाएगा। इस बिल की गहन जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब समिति को अपनी रिपोर्ट शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक सौंपनी होगी।

संसद का मानसून सत्र अभी जारी है। इस सत्र में सरकार द्वारा वन नेशन, वन इलेक्शन बिल लाने की चर्चा थी, लेकिन अब साफ हो गया है कि इस सत्र में इस विधेयक को सदन में पेश नहीं किया जाएगा और न ही इस पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी को अभी और समय चाहिए ताकि वह सभी पक्षों से राय ले सके और बिल के हर पहलू की बारीकी से जांच कर सके। इसी वजह से समिति का

कार्यकाल बढ़ाया गया है। समिति को शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक रिपोर्ट देने का समय दिया गया है। वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक का मकसद लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनावों को एक साथ कराना है। सरकार का तर्क है कि इससे चुनावों पर होने वाला खर्च कम होगा, प्रशासनिक मशीनरी पर बार-बार पड़ने वाला बोझ घटेगा और विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी। इस विधेयक को पिछले साल संसद में पेश किया गया था और उसके बाद इसे जांच के लिए जेपीसी को भेज दिया गया था। समिति में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद शामिल हैं। जेपीसी ने अब तक कई बैठकों में चुनाव आयोग, विधि आयोग, राजनीतिक दलों और संवैधानिक विशेषज्ञों से सुझाव लिए हैं। जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाए जाने के बाद यह तय हो गया है कि समिति अपनी रिपोर्ट मौजूदा मानसून सत्र में पेश नहीं करेगी। ऐसे में वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक पर आगे की प्रक्रिया अब शीतकालीन सत्र में रिपोर्ट आने के बाद ही शुरू हो पाएगी। बता दें कि विपक्षी दलों ने पहले ही इस बिल को लेकर कई सवाल उठाए थे। उनका कहना है कि एक साथ चुनाव कराने से क्षेत्रीय दलों को नुकसान हो सकता है और संघीय ढांचे पर असर पड़ सकता है। वहीं, सरकार का कहना है कि यह सुधार लोकतंत्र को मजबूत करेगा और देश के संसाधनों की बचत करेगा।

बैठक | पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की ऊर्जा और ईंधन आपूर्ति पर इसके असर की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई बैठक

होर्मुज संकट के बीच पीएम मोदी ने बुलाई हाई लेवल मीटिंग, ऊर्जा आपूर्ति की समीक्षा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद स्थित अपने कार्यालय में कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे। मीटिंग में शामिल अन्य मंत्रियों में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सबानंद सोनोवाल शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, यह मीटिंग पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की ऊर्जा और ईंधन आपूर्ति पर इसके असर की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई थी। होर्मुज

जलडमरूमध्य अभी बाधित है, जिसके कारण वैश्विक बाजारों में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी हो गई है और कीमतें बढ़ गई हैं।

इस क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर हमलों के कारण स्थिति और जटिल हो गई है। भारतीय नाविकों की मौत भी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है और सरकार ने ईरान और अमेरिका के साथ यह मुद्दा उठाया है। सरकार ने इस सप्ताह संसद को सूचित किया कि उसने पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद ऊर्जा सहित महत्वपूर्ण औद्योगिक इनपुट की उपलब्धता सुनिश्चित करने, इनपुट लागत के दबाव को कम करने, व्यापार को सुविधाजनक बनाने, औद्योगिक गतिविधियों का समर्थन करने और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता की रक्षा के लिए कई उपाय किए हैं। सरकार ने गैस की सुनिश्चित आपूर्ति, आयात स्रोतों में विविधता, अग्रिम खरीद और बफर स्टॉक के रखरखाव के माध्यम से उर्वरकों और अन्य आवश्यक कृषि इनपुट की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित की है। पश्चिम एशिया में हाल की भू-राजनीतिक घटनाओं ने दुनियाभर के देशों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, जिसका कच्चे तेल का आयात करने वाली उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा असर पड़ा है। इस संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिससे भारत के लिए कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया है।

हालांकि, भारत के कच्चे तेल की औसत बास्केट की कीमतें अप्रैल 2026 में 114.5 प्रति बैरल डॉलर से काफी कम होकर जुलाई 2026 (22 जुलाई तक) में 77.6 प्रति बैरल डॉलर हो गई हैं। सरकार ने बताया कि चुनिंदा पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक पर अस्थाई रूप से सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) से छूट दी गई थी। इसके अलावा, कारोबारों को मदद देने के लिए ह्यभारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल रिलीफ (एक्सपोर्ट को आसान बनाने के लिए लचीलापन और लॉजिस्टिक्स में मदद) स्कीम शुरू की गई थी।

ज्यादा माल ढुलाई, बीमा और युद्ध-जोखिम से जुड़े खर्चों को कम करने के लिए आरओडीटीईपी (एक्सपोर्ट किए गए उत्पादों पर शुल्क और टैक्स में छूट) के फायदे फिर से बहाल किए गए। साथ ही, ह्यइमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) 5.0 के जरिए लिक्विडिटी सपोर्ट भी दिया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

हर घर तिरंगा विषय पर क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला वार्ता का आयोजन

जिलाधिकारी, दरभंगा, कमांडेंट, सशस्त्र सीमा बल एवं पीआईबी के उपनिदेशक ने किया कार्यशाला का उद्घाटन

हर घर तिरंगा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और जनभागीदारी का महापर्व : जिलाधिकारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख मीडिया इकाई पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), पटना द्वारा आज दरभंगा जिला समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर परिसर में हर घर तिरंगा विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कौशल कुमार, जिलाधिकारी, दरभंगा; राजेंद्र कुमार, कमांडेंट, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी); डॉ. अमलेन्दु शेखर पाठक, साहित्यकार; लौकिक पारख, उप निदेशक, पीआईबी, पटना एवं आशीष अमन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, दरभंगा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के विभागीय कलाकार डॉ. शिप्रा एवं मनीष खंडेलवाल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके उपरांत ह्वतन के तिरंगे को झुकने ना देनाह्व सहित देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित पत्रकारों एवं अतिथियों में राष्ट्रभक्ति का उत्साह भर दिया।कार्यक्रम का विषय प्रवेश कराते हुए लौकिक पारख, उप निदेशक, पीआईबी, पटना ने ह्वहर घर तिरंगाह्व अभियान की अवधारणा की चर्चा करते हुए उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने का माध्यम है। उन्होंने मीडिया से आह्वान किया कि वह अभियान के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाए।मुख्य अतिथि कौशल कुमार, जिलाधिकारी, दरभंगा ने पीआईबी द्वारा स्थानीय मीडिया के साथ संवाद स्थापित करने की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ह्वहर घर तिरंगाह्व अभियान जनभागीदारी का एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोग अपने-अपने घर, प्रतिष्ठान एवं कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्र के प्रति अपना प्रेम प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सकारात्मक सहयोग देने का आग्रह किया।विशिष्ट अतिथि राजेंद्र कुमार, कमांडेंट, सशस्त्र सीमा बल ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय की आन, बान और शान का प्रतीक है। सीमा की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए इसका महत्व और भी अधिक है। उन्होंने बताया कि एसएसबी द्वारा इस वर्ष भी 9 से 17 अगस्त तक सभी सीमा चौकियों पर ह्वहर घर तिरंगाह्व अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। इस दौरान स्कूली बच्चों के बीच तिरंगे का वितरण, जागरूकता कार्यक्रम एवं देशभक्ति आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं राष्ट्रहित में पत्रकारिता करने का भी आग्रह किया।सम्मानित अतिथि डॉ. अमलेन्दु शेखर पाठक ने अपने संबोधन की शुरूआत मैथिली भाषा में करते हुए कहा कि ह्वहर घर तिरंगाह्व सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय एकता का अभियान है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज में जनजागरूकता के सबसे प्रभावी माध्यम हैं और राष्ट्रहित से जुड़े अभियानों को जन-आंदोलन बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मिथिला की धरती से इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिलेगा तथा यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा।

तकनीकी सत्र के दौरान पीआईबी, पटना के मीडिया एग्जीक्यूटिव श्री संदीप कपूर ने प्रजेंटेशन के माध्यम से पीआईबी की कार्यप्रणाली, मीडिया सेवाओं, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं फैक्ट चेक तंत्र पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान एक वन-टू-वन प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित पत्रकारों ने विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर इस कार्यक्रम एवं हर घर तिरंगा विषय पर अपने प्रश्न पूछे। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं उपयोगी रहा।समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कार्यशाला के आयोजन, महत्व एवं उपयोगिता के संबंध में अपने विचार लिखित फीडबैक के रूप में पीआईबी को सौंपे।

संक्षिप्त खबरें

पंचशील नगर में नाला का बैरिकेडिंग किया गया

दानापुर नगर के अंतर्गतअनुमंडलधिकारी सह प्रशासक के निर्देश का पालन करते हुए पंचशील नगर में सड़क किनारे खुले नाले को बेरिकटिंग किया गया। सड़क के किनारे लोगों के लिए दुर्घटना का आमंत्रण दे रहे नाला से बचाव को बांस बल्ले से बैरिकेडिंग किया गया। दो दिन पूर्वअनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पांडेय ने इसको लेकर कनीय अभियंता एवं नगर प्रबंधक को अविलंब खुले नाले को बेरिकटिंग करने का निर्देश दिया था। जिसको लेकर पंचशील नगर में नाला का बैरिकेडिंग किया गया। सनद हो कि पंचशील नगर में मुख्य नाला सड़क से बिल्कुल सटा हुआ है बारिश होने पर नाला का पानी सड़क पर फैल जाता है। ऐसे में नाला और सड़क का पता सही से नहीं चल पता और लोग इसके शिकार हो जाते थे। पूर्व में इसको लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रकट भी किया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाला का बेरिकटिंग किये जाने से लोगों को काफी सुविधा मिलेगा लोग दुर्घटना से बच सकेंगे।

पूर्व सैनिकों ने 100 पेड़ लगाकर शुरूआत किया

दानापुर। नगर के अंतर्गत पूर्व सैनिक संघ द्वारा हरित क्रांति,हरियाली,शुद्ध वातावरण को ध्यान में रखते हुए पौधा लगाने का कार्य किया ।आज बालाजी नगर न्यू मैनपुरा सगुना मोड दानापुर में पूर्व सैनिकों ने 100 पेड़ लगाकर शुरूआत किया। जिससे आने वाले दिनों में यहां के लोग इसका फल,फूल और शुद्ध वातावरण का लाभ मिलेगा पेड़ लगाकर ये संदेश दिया गया कि आज भी लोगों में जागरूकता फैलाने की जरूरत है ।इस संदर्भ में संघ के संयोजक अरुण फौजी ने कहा कि हर एक व्यक्ति अपने जीवन में कर्तव्य दिखाते हुए 1 पेड़ लगाने का कार्य करें ।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने कहा कि संघ द्वारा इस महीने में प्रत्येक सप्ताह पेड़ लगाने का काम किया जाएगा ,इस अवसर पर उपाध्यक्ष बी एन सिंह ,प्रवक्ता मनोज सिंह, कृष्ण सिंह , एस पी वर्मा ,संतोष कुमार सिंह, जितेन्द्र सिंह, टी एन तिवारी एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर किया गया गुरुओं का पूजन

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय शहर के सत्येंद्र नगर मुहल्ले में स्थित कला कुंज के सभाभवन में सनातनी परंपरा का महान पर्व गुरु पूर्णिमा के मौके पर औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के तत्त्वावधान में गुरु आराधना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह तथा कुशल संचालन महामंत्री धनंजय जयपुरी ने किया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ ओमप्रकाश पांडेय के आयोजकत्व में सर्वप्रथय डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र, सिन्हा कॉलेज के पूर्व गणित विभागाध्यक्ष डॉ शिवपूजन सिंह,पर्यावरणविद् एवं गुरु- शिष्य परंपरा के संवाहक डॉ रामाधार सिंह को उपस्थित लोगों ने मंचासिन कर उनकी आरती उतारी। तिलक लगाकर, अंग वस्त्र एवं पुस्तकें प्रदान कर उनकी आराधना की गयी। गुरुओं की चिरायु की कामना करते हुए उपस्थित लोगों ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किये। संबोधन के क्रम में गुरुवृंद ने सभी शिष्यों को आशीर्वाद दिया और कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा को क्रियाशील कर ही सनातन संस्कृति की परंपरा को जीवंत रखा जा सकता है, सामाजिक संरचना को उत्कृष्ट बनाया जा सकता है। जीवन में सफलता के शिखर पर पहुंचने का एकमात्र माध्यम गुरु का दिखाया हुआ मार्ग ही है। मौके पर काव्य- गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें धनंजय जयपुरी, उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी, डॉ ओम प्रकाश पांडेय, कवि अनुज बेचैन, डा सुमन लता हास्य-व्यंग्य के कवि विनय मामूली बुद्धि, शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र केसरी, गजलकार हिमांशु चक्रपाणि ने अपनी प्रस्तुतियों से गुरु आराधना में समां बांध दिया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर अरविंद पाठक निष्काम की गरिमामई उपस्थिति रही।

आर्म्स एक्ट में दोषी करार

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान के को कोर्ट ने बारूण थाना कांड संख्या -508/24, जी आर-3535/24, टीआर-2213/26 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए एक अभियुक्त को सजा सुनाई है।

जिला अभियोजन पदाधिकारी दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त निखिल कुमार नकाईन बारूण को आर्म्स एक्ट की धारा दो धाराओं 25 (1-बी) और धारा -26 में तीस-तीस महीने कारावास की सजा और पच्चीस-पच्चीस सौ रुपए जुमार्ना लगाया है। अभियोजन की ओर से 06 गवाही हुई थी।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना में रक्तदान शिविर का आयोजन

हाजीपुर। केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पूर्व मध्य रेल, पटना में चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । यह शिविर मॉडल ब्लड बैंक, जयप्रभा अस्पताल, कंकडबाग, पटना के सहयोग से आयोजित किया गया । कार्यक्रम का संपूर्ण पर्यवेक्षण डॉ. संध्या किरण, एसीएचडी/प्रशासन द्वारा किया गया । शिविर में अस्पताल के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ सहित कुल 17 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया । इस अवसर पर चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने रक्तदान को महादान बताया।

हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचा सकती है ।उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की तथा कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मानवता, सेवा और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करते हैं ।

चलायी जा रही 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा रेलवे द्वारा चलायी जा रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार करने निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

1.गाड़ी संख्या 03253/03254/03255 पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल - गया-कोडरमा- गोमो-रांची-बिलासपुर-रायपुर-नागपुर-काजीपेट के रास्ते पटना और चर्लपल्ली के मध्य चलायी जा रही स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है । गाड़ी सं. 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल अब पटना से 03.08.2026 से 16.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03254 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल अब चर्लपल्ली से 05.08.2026 से 16.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा गाड़ी सं. 03255 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल अब चर्लपल्ली से 07.08.2026 से 18.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी ।

2.गाड़ी संख्या 07091/07092 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल - डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बालाघाट-गोंदिया-बल्लारशाह-रामागुंडम-काजीपेट के रास्ते चर्लपल्ली और दानापुर के मध्य चलायी जा रही स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 07091 चर्लपल्ली-दानापुर स्पेशल चर्लपल्ली से 01.08.2026 से 26.09.2026 तक प्रत्येक शनिवार को परिचालित की जाएगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 07092 दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल दानापुर से 03.08.2026 से 28.09.2026 तक प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जाएगी ।

3.गाड़ी संख्या 05557/05558 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल - सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य चलायी जा रही स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है । गाड़ी सं. 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक स्पेशल अब रक्सौल से 04.08.2026 से 15.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 05558 लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल अब लोकमान्य तिलक से 06.08.2026 से 17.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जायेगी ।

4.गाड़ी संख्या 03230/03229 पटना-खोरधा रोड जं.-पटना स्पेशल - बख्तियारपुर-मोकामा -झाझा-आसनसोल-खड़गपुर-कटक-भुवनेश्वर के रास्ते पटना और खोरधा रोड जं. के मध्य चलायी जा रही स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है ।

गाड़ी सं. 03230 पटना-खोरधा रोड जं. स्पेशल अब पटना से 06.08.2026 से 27.08.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03229 खोरधा रोड जं.-पटना स्पेशल अब खोरधा रोड जं. से 07.08.2026 से 28.08.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी ।

श्रावणी मेला के दौरान देवघर-पटना मेमू का अशोकधाम स्टेशन पर ठहराव

हाजीपुर। श्रावणी मेला के दौरान दानापुर मंडल के अशोकधाम स्टेशन पर गाड़ी सं. 63209/63210 देवघर-पटना-देवघर मेमू का दिनांक 30.07.2026 से 28.08.2026 तक अस्थायी ठहराव प्रदान किया जा रहा है ।गाड़ी सं. 63209 देवघर-पटना मेमू 10.12/10.14 बजे अशोकधाम स्टेशन पर रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में न्यू एरा पब्लिक स्कूल, पटना के छात्र अयान राज को मिला स्वर्ण पदक तथा आर्यन राज को कांस्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांकित 18-30 जुलाई, 2026 को टॉरियन वर्ल्ड स्कूल, रांची, झारखंड में आयोजित ह्वसीबीएसई ईस्ट जोन आर्चरी चैंपियनशिप प्रतियोगिता 2026-27ह्व में न्यू एरा पब्लिक स्कूल, पटना के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। उक्त विद्यालय में वर्गः सप्तम, खंड- ह्वबह्व का छात्र अयान राज ने तीरंदाजी कम्पाउंड प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं वर्ग : दशम, खंड- ह्वसह्व का छात्र आर्यन राज ने कांस्य पदक प्राप्त कर सूबे बिहार के साथ-साथ अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है। वहीं छात्र आदित्य प्रकाश, नवम-ह्वबह्वने इंडियन राउंड में अपने उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल से उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। विद्यालय परिवार ने उक्त उदीयमान छात्र द्वैय की सराहना करते हुए उन्हें अनंत शुभकामनाएँ प्रदान की तथा उनका उत्साह वर्धन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्या, डॉ. (श्रीमती) नीना कुमार ने कहा कि- खेल मानव जीवन का एक अमूल्य धरोहर है तथा इसमें करियर की असीम संभावनाएं हैं और तीरंदाजी केवल एक क्रीड़ा नहीं बल्कि, धैर्य, अनुशासन, आत्मसंयम एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

विजेताओं को अतीव हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान करने वालों में विद्यालय के उप-प्राचार्य, मौसम श्री, डॉ. प्रिया मुकेश, सुष्मिता भट्टाचार्या, ओम नमः शिवाय सिंह, संगीता स्वरूप,अंकित अग्रवाल, अंशुमन गुप्ता, विवेक झा, दीपक कुमार, ब्रजेश शर्मा, सुमित कुमार, शशांक मिश्रा, बंटी यादव एवं संगीता सिंह का नाम अग्रगण्य है।

प्रेम यूथ फाउंडेशन में निःशुल्क इंटर्नशिप का सुनहरा मौका

प्रातः किरण संवाददाता

पटना -डिग्री के साथ अनुभव चाहिए? करियर की शुरूआत समाज सेवा से करना चाहते हैं? प्रेम यूथ फाउंडेशन में युवाओं के लिए निःशुल्क इंटर्नशिप प्रोग्राम लेकर आया है। सेवा ही संकल्प है की सोच के साथ शुरू हुआ ये प्रोग्राम उन छात्रों के लिए है जो क्लासरूम से निकलकर देश बदलना चाहते हैं।

बिल्कुल फ्री, सिर्फ जज्बा चाहिए

फाउंडेशन के संरक्षक संजय कुमार झा ने साफ किया - इस इंटर्नशिप में एक रुपया फीस नहीं। न रजिस्ट्रेशन चार्ज, न ट्रेनिंग फीस। मेंटर्स खुद छात्रों को ट्रेनिंग देंगे। फाउंडेशन का मानना है, पैसे से नहीं, जुनून से इंटर्न चुने जाते हैं।

इंटर्नशिप में क्या मिलेगा?

1. फील्ड एक्सपोजरः डिजाइन फॉर चेंज, एनजीओ प्रवंधन, आपदा प्रवंधन, साइवर सुरक्षा,जलवायु परिवर्तन , महिला सुरक्षा ,गंगा सफाई, पौधारोपण, लू राहत शरबत वितरण, रक्तदान शिविर, ग्रामीण बच्चों को पढ़ाना जैसे रियल प्रोजेक्ट

2. स्किल ट्रेनिंगः इवेंट मैनेजमेंट, सोशल मीडिया कैंपेन, फंड रेजिंग, प्रोजेक्ट रिपोर्ट लेखन, लीडरशिप

3. सर्टिफिकेटः 60 से 120 घँटे के बाद ह्वसोशल इंटर्नशिप कम्प्लीशन सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा ।

4. मेंटरशिप वाणिज्य महाविद्यालय, वीएन कॉलेज, पटना विमेंस कॉलेज के टॉपर इंटर्न्स भी मेंटर बनेंगे 5. नेटवर्कः विश्व युवक केंद्र के नेशनल प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौकाकौन कर सकता है अप्लाई? 12वीं पास से लेकर ढग्ह्व तक के छात्र-छात्राएं। वाणिज्य, आर्ट्स, साइंस, इडअ, इइअ - कोई भी स्ट्रीम चलेगा। उम्र 17 से 25 साल। बस शर्त एकः समाज के लिए कुछ करने का जज्बा।पहले बैच के इंटर्न्स ने क्या कहा? वाणिज्य महाविद्यालय की अनीसा , जो अभी सर्टिफिकेट लेकर निकली हैं, बोलीं: 1 महीने में मैंने 10 गांवों में बच्चों को बचत सिखाई। कॉलेज की पढ़ाई + फाउंडेशन की ट्रेनिंग = कॉन्फिडेंस 10 गुना। इंटरव्यू में यही अनुभव काम आया।शौरभ ने कहा, ह्वपैसे नहीं दिए, पर अनुभव अनमोल मिला। अब मैं खुद 5 जूनियर का मेंटर हूं।

कैसे करें आवेदन?

1. वॉक-इनः फाउंडेशन ऑफिस, पटना - सोमवार से शनिवार, सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे

2. डॉक्यूमेंटः मार्कशीट की फोटो कॉपी + 1 पासपोर्ट साइज फोटो + 100 शब्द में ह्वमैं समाज के लिए क्या करूंगाह्व लिखकर लाएं

3. सेलेक्शनः 10 मिनट की बातचीत। डिग्री नहीं, सोच देखी जाएगी

पदाधिकारियों का संदेश

फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा, ह्वबिहार के युवा सिर्फ नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें। ये इंटर्नशिप आपको वही बनाएगी। यहां आप शरबत भी पिलाएंगे, पेड़ भी लगाएंगे, योग भी करेंगे और लीडर भी बनेंगे।

श्रावणी मेला पर स्वास्थ्य मंत्री ने श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं

■ स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क एवं तैयार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। श्रावणी मेला के पावन अवसर पर बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत कुमार ने देश-विदेश से बाबा भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है। राज्य के सभी संबंधित जिलों में चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों, पैरामेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस एवं आवश्यक दवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभाग द्वारा 247 स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

श्रावणी मेला के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्य के 16 जिलों–बांका, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, मुजफ्फरपुर, सारण, वैशाली, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, जहानाबाद, लखीसराय, रोहतास, मधुबनी, मधेपुरा, समस्तीपुर एवं सिवान में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का संचालन किया जा रहा है। इन शिविरों में श्रद्धालुओं को 247 प्राथमिक परामर्श एवं उपचार, रक्तचाप एवं रक्त शर्करा की जांच, आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण, बेड सहित आपातकालीन चिकित्सा सुविधा तथा आवश्यकता पड़ने पर 102 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने मेला क्षेत्र में कार्यरत सभी खाद्य सामग्री विक्रेताओं एवं दुकानदारों से भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (ऋरअक) के निर्धारित मानकों के अनुरूप खाद्य सामग्री का उपयोग करने का निर्देश दिया है। विभाग ने निर्देश दिया है कि भोजन तैयार करने एवं परोसने से पहले साबुन से हाथ धोएँ, स्वच्छ पानी का उपयोग करें, भोजन को सदैव ढककर रखें, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा गीले एवं सूखे कचरे का अलग-अलग निस्तारण करें। सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराना श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य मंत्री ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या या आपात स्थिति में निकटतम स्वास्थ्य शिविर से संपर्क करें अथवा 104 स्वास्थ्य हेल्पलाइन पर जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सुविधा स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा पूरे मेला अवधि में विभाग सतत निगरानी रखते हुए हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगा।

29 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर खगौल थाना क्षेत्र के अंतर्गत चरघरवा मोड़ के निकट गुरुवार सुबह एक 29 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान जितेंद्र कुमार की पत्नी निशु कुमारी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, निशु कुमारी मूल रूप से पटना के मंदिरी रोड नंबर-27 निवासी राजकुमार महतो की पुत्री थीं। उनकी शादी वर्ष 2017 में खगौल के चरघरवा निवासी जितेंद्र कुमार से हुई थी। दंपति के दो बच्चे हैं। जितेंद्र कुमार पेशे से राजमिस्त्री हैं।बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह पड़ोस में रहने वाली उनकी भाभी ने जब घर का दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पास में काम कर रहे जितेंद्र कुमार को इसकी सूचना दी। जब परिजन और स्थानीय लोग छत के रास्ते कमरे में पहुंचे तो निशु कुमारी मृत अवस्था में मिलीं।

घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचार्एं शुरू हो गईं। कुछ लोग इसे फंदे से आत्महत्या बता रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि लो ब्लड प्रेशर के कारण गिरने से उनकी मौत हुई होगी। हालांकि, इन दावों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मामले की सूचना मिलने पर मृतका के पिता खगौल पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। खगौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मृतका के पति को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पूरे मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

चंडी ग्रिड उपकेंद्र के चालू होने से नालंदा के नौ प्रखंडों को मिलेगी बेहतर बिजली

132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन और दो 50 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर हुए ऊर्जान्वित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीटीसीएल) ने 29 जुलाई 2026 को नालंदा जिले के 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, चंडी का सफलतापूर्वक ऊर्जान्वित (चार्जिंग) कर दिया। इसके साथ ही 132 केवी डबल सर्किट चंडीझ्र हरनौत ट्रांसमिशन लाइन तथा 50 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफॉर्मर भी चालू कर दिए गए।

इस परियोजना के शुरू होने से चंडी, चैनपुर, बिरनावां, नगरनौसा, नूरसराय, भोभी, इंदौत, दियावां और थरथरी सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अधिक विश्वसनीय होगी।ऊर्जा सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अजय कुमार यादव (भा. प्र. से.) ने कहा कि राज्य में मजबूत और आधुनिक विद्युत अवसंरचना विकसित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। चंडी ग्रिड उपकेंद्र का चालू होना गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे राज्य के विकास को और गति मिलेगी।बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीटीसीएल) के प्रबंध निदेशक डॉ. नवल किशोर चौधरी (भा. प्र. से.) ने कहा कि चंडी ग्रिड उपकेंद्र के चालू होने से नालंदा जिले की ट्रांसमिशन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। इससे बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी, वोल्टेज में सुधार होगा तथा क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता की बिजली मिल सकेगी।इसके अलावा, नए ग्रिड उपकेंद्र के चालू होने से क्षेत्र में बढ़ते घरेलू, कृषि, व्यावसायिक एवं औद्योगिक विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। ट्रांसमिशन नेटवर्क पर भार का संतुलन बनेगा, जिससे ओवरलोडिंग की समस्या में कमी आएगी और भविष्य की बढ़ती बिजली मांग को भी आसानी से पूरा किया जा सकेगा।राज्य सरकार प्रदेश में विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। नए ग्रिड उपकेंद्र, ट्रांसमिशन लाइन और पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर बिजली व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है, ताकि सभी उपभोक्ताओं को सुरक्षित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

फतुहा में वृंदावन ईवी वर्ल्ड शोरूम का शुभारंभ, इलेक्ट्रिक वाहनों की मिलेगी आधुनिक रेंज

फतुहा। पर्यावरण के अनुकूल और किफायती परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फतुहा के सोनारू स्थित ओम उत्सव हॉल परिसर में ह्ववृंदावन ईवी वर्ल्डह्व शोरूम का शुभारंभ किया गया है। शोरूम में ग्राहकों के लिए आधुनिक इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा एवं स्कूटी की विभिन्न रेंज उपलब्ध कराई गई है। शोरूम का संचालन आद्विक सेलर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। संचालकों ने बताया कि यहां उच्च प्रदर्शन, कम संचालन लागत, शून्य प्रदूषण और वारंटी सपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतों और पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसे ध्यान में रखकर फतुहा क्षेत्र के लोगों के लिए यह शोरूम शुरू किया गया है। शोरूम के व्यवस्थापक राजा कुमार एवं राहुल सहगल ने ग्राहकों की सुविधा के लिए संपर्क नंबर 7004760453 एवं 6204499225 भी जारी किए गए हैं।

बाबाधाम जाने वाले किसी व्यक्ति को कोई असुविधा नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा : श्रवण

■ ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन संपर्क विभाग के मंत्री ने वेबांका में किया मुफ्त शिविर का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बाबाधाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बांका के सुईया नामक स्थान पर दीनानाथ साह शिविर का उद्घाटन किया। गोटिया धर्मशाला नाम के इस शिविर में बाबाधाम जाने वाले सभी लोगों को मुफ्त रहने, आराम करने से लेकर सभी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। मोतिहारी के रहने वाले दीनानाथ साह ने अपने स्तर से इस धर्मशाला का निर्माण कराया है। इसका उद्घाटन करने में मंत्री श्री श्रवण कुमार के साथ राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जयसवाल भी शामिल थे। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि सावन की शुरुआत हो गई है। लाखों की संख्या में लोग बैधनाथधाम बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए जाते हैं। इन सभी लोगों को रास्ते में बांका जिला में सुईया नामक स्थान पर इस धर्मशाला में उन्हें मुफ्त में विश्राम करने की सुविधा मिलेगी। यहां पीने का पानी समेत सभी जरूरी सुविधाएं श्रद्धालुओं को मिलेगी। इस सराहनीय पहल से यात्रियों को लंबी यात्रा के बीच में आरामदायक वातावरण में विश्राम करने से लेकर शौचालय, पीने का पानी समेत अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से भी श्रावणी मेला में तमाम सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। इस बार बाबाधाम जाने वाले किसी व्यक्ति को कोई असुविधा नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। सुरक्षा के भी तमाम इंतजाम किए गए हैं। इस बार मेला को नए स्तर से आयोजित किया जा रहा है।

सरकार अपने आदेश को निष्पक्ष तरीके से लागू करे, प्रदर्शनकारियों को अविलंब रिहा किया जाए : कुणाल

पटना। भाकपा माले के राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि बिहार में पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्र-युवा आंदोलन से जुड़े 26 जुलाई की शाम 6 बजे तक के सभी मुकदमे वापस लेने का सरकार ने आदेश जारी किया है, लेकिन इसके बावजूद राज्य के कई जिलों में आंदोलनकारियों को अब तक जेल में रखा गया है। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को केवल बेल पर छोड़ा जा रहा है, जबकि सरकार के आदेश के अनुसार मुकदमे वापस लेकर सभी को रिहा किया जाना चाहिए। कुणाल ने कहा कि सरकार के स्पष्ट आदेश के बावजूद छात्रों और युवाओं को जेल में रखना तथा उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करना प्रशासन के दमनात्मक रवैये को दर्शाता है।

भू माफिया पर कार्रवाई करे सरकार : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि बिहार में भाजपा की सरकार बनते ही भू माफिया सक्रिय हो गया है और पूरे राज्य में गरीबों को उजाड़ रहा है। बेगूसराय की घटना इसी का परिणाम है। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के संरक्षण में भू माफिया ने बेगूसराय जिले के सिंघौल थाना क्षेत्र के चंदवारा गांव में बुधवार को घटना को अंजाम दिया। मिली सूचना के अनुसार दिनदहाड़े 50 से अधिक बाइक सवार अपराधी पहुंचे और एक जमीन की घेराबंदी करने लगे। ग्रामीणों ने जमीन पर अपना मालिकाना हक जताते हुए जेसीबी से की जा रही घेराबंदी का विरोध किया तो बदमाश आक्रोशित हो गये। इसी बीच अपराधियों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी। गोलीबारी की इस घटना में चंदवारा गांव के चार युवकों को गोली लगी। जिससे चारों युवक जख्मी हो गए। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि भूमाफियाओं का मनोबल बढ़ा हुआ है।

वरिष्ठ पत्रकार सैय्यद इकबाल इमाम बने भोजपुरी फाउंडेशन बिहार इकाई के अध्यक्ष

पटना। भोजपुरी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित संगठन भोजपुरी फाउंडेशन ने वरिष्ठ पत्रकार सैय्यद इकबाल इमाम को बिहार इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया है। श्री इमाम, स्वर्गीय सैय्यद मोहम्मद अलाउद्दीन के पुत्र हैं तथा भोजपुर जिले के घोड़ादेई (पोस्ट-खजुरिया) के निवासी हैं। उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। भोजपुरी फाउंडेशन के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय ओझा एवं राष्ट्रीय महासचिव कुमार अनिल सिंह ने सैय्यद इकबाल इमाम बिहार अध्यक्ष के पद का दायित्व औपचारिक रूप से ग्रहण कराया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भोजपुरी फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय ओझा ने कहा कि बिहार में 1978 से ही भोजपुरी अकादमी गठित है, लेकिन भोजपुरी भाषा को अभी तक मान्यता नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को यथाशीघ्र भोजपुरी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फाउंडेशन अपने स्थापना काल से ही भोजपुरी के विकास, संवर्धन तथा संरक्षण के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार के रूप में श्री इमाम का व्यापक अनुभव भोजपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रचार-प्रसार को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार में भोजपुरी फाउंडेशन का संगठन और अधिक मजबूत होगा। राष्ट्रीय महासचिव कुमार अनिल सिंह ने कहा कि उन्हें इकबाल जी की कार्यक्षमता पर पूर्ण विश्वास है तथा उन्हें उम्मीद है कि वे आजीवन भोजपुरी भाषा के विकास एवं संवर्धन के लिए समर्पित रहेंगे। नवनियुक्त बिहार अध्यक्ष सैय्यद इकबाल इमाम ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भोजपुरी भाषा की अस्मिता, सम्मान और विकास के लिए आजीवन समर्पित भाव से कार्य करेंगे। उन्होंने भोजपुरी फाउंडेशन द्वारा इतनी बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा वे तन मन धन से भोजपुरी भाषा एवं संगठन की उन्नति के लिए सेवाभाव से कार्य करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय ओझा तथा राष्ट्रीय महासचिव कुमार अनिल सिंह को शॉल और गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर जयप्रकाश सिंह, अनुराग पाण्डेय, पंकज पासवान, राहुल कुमार, कृष्णा, सचिन आदि उपस्थित थे।

तीन वर्षों में 676 ब्लैक स्पॉट में हुआ सुधार

■ सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आईटीएमएस प्रणाली की जाएगी लागू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिए दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट्स) की पहचान कर उनका प्राथमिकता से सुधार किया जा रह है। परिवहन विभाग ने जानकारी दी कि पिछले तीन वर्षों में राज्य एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 702 ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित किया गया है। इनमें से 676 ब्लैक स्पॉट्स का सुधार कर लिया गया है। वर्तमान में 8 ब्लैक स्पॉट्स पर सुधार कार्य जारी हैं, जबकि बाकी स्थानों का काम अगस्त माह तक पूरा कर लिया जाएगा। विभाग के सचिव राज कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना कम करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। राज्य के 500 प्रमुख स्थानों पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) की स्थापना आगामी दिनों में होगी। इस आधुनिक प्रणाली से यातायात की निरंतर निगरानी संभव होगी, जिससे ओवरस्पीडिंग, लेन उल्लंघन और अन्य ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई हो सकेगी और दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा। यह मानव जीवन की रक्षा करने के साथ ही राजमार्गों पर सुगम एवं सुरक्षित यातायात करने में अहम साबित होगा। आम नागरिकों से अपील है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सुरक्षित ड्राइविंग की आदत अपनाएं।

ब्लैक स्पॉटः- सड़क का वह हिस्सा या स्थान, जहां बहुत ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं और मौतें होती हैं। आमतौर पर पिछले 3-5 सालों के आंकड़ों के आधार पर यह तय किया जाता है। जैसे- तेज मोड़, खराब डिजाइन वाला चौराहा, अंधेरा, सड़क पर गड्ढे या जहां बार-बार दुर्घटना होती है।

ब्लैक स्पॉट सुधारने के लिए पहलः ब्लैक और ग्रे स्पॉट सड़क को सुधारने के लिए साइन बोर्ड, सड़क चौड़ीकरण, अंडरपास/ओवरपास का निर्माण, सड़क की मरम्मती, फिसलन-रोधी सतह लगाना, अवैध कट बंद करना, बैरिकेडिंग और जागरूकता अभियान चलाया जाता है।

विप सभापति ने दिलीप गावित, हरजिंदर कौर, गुलवीर सिंह, मुरली श्रीशंकर और मोहम्मद बेसिल को पदक जीतने पर दी शुभकामनाएँ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के पैरा- एथलेटिक्स में दिलीप गावित के गोल्ड, हरजिंदर कौर, गुलवीर सिंह, मुरली श्रीशंकर और मोहम्मद बेसिल के सिल्वर पदक जीतने पर शुभकामनाएं दीं हैं। दिलीप गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स की पैरा-एथलेटिक्स प्रतियोगिता में इतिहास रचते हुए पुरुषों के 100 मीटर टी47 स्पर्धा में 10.71 सेकंड का रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता है, जबकि भारत के ही मोहम्मद बेसिल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में हरजिंदर कौर ने सिल्वर मेडल जीता। प्रसिद्ध भारतीय लंबी दूरी के धावक और भारतीय सेना में नायब सूबेदार गुलबीर सिंह ने 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक सिल्वर मेडल जीता है। पुरुषों की लंबी कूद में मुरली शंकर ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

नीतीश कुमार ने बाढ़ स्थित उमानाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर बिहार की सुख-समृद्धि एवं निरंतर विकास की कामना की

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने बाढ़ अनुमंडल स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के उमानाथ मंदिर में भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा राज्यवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और बिहार के निरंतर विकास की मंगलकामना की। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत हमारी अमूल्य धरोहर है। मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं समग्र विकास के लिए 100 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास योजनाओं पर कार्य कराया जा रहा है। एनडीए सरकार की प्राथमिकता है कि धार्मिक स्थलों का विकास उनकी आस्था, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराए। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के माननीय उप-नेता ललन कुमार सर्राफ, बाढ़ के पूर्व विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू सहित कई जनप्रतिनिधिगण एवं सैकड़ो कार्यकत्रा भी उपस्थित थे।

मोतीपुर में नई चीनी मिल के साथ ही खुलेगा गन्ना अनुसंधान केंद्र

ब्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर चीनी मिल को खोलने के साथ ही वहां गन्ना अनुसंधान संस्थान खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए राज्य सरकार ने चीनी मिल के 266 एकड़ भूमि वापस लेने का आदेश दिया है। इस मिल के खुलने से वहां के किसानों की खुशहाली लौटेगी। वहीं उस मिल के बंद होने के बाद बेरोजगार हुए कर्मियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। विदित हो कि बिहार सरकार ने मोतीपुर चीनी मिल की 266 एकड़ लीज भूमि को वापस अपने अधिकार में लेने का आदेश दिया है। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब इस जमीन पर एक नई चीनी मिल, गन्ना अनुसंधान संस्थान और अन्य औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है। इस मिल के पूर्व निवेशक आईपीएल के साथ करार खत्म होने के बाद न्यायालय के आदेश पर राज्य सरकार पूर्व निवेशक को 63.39 करोड़ का भुगतान कर यह 266 एकड़ जमीन वापस ले रही है, जिससे यहाँ नए सिरे से निवेश का रास्ता साफ हो गया है।

बांकीपुर उपचुनाव : मतदान संपन्न, सियासी दलों के अपने-अपने दावे

बांकीपुर में रिकॉर्ड जीत दर्ज करेगी भाजपा : सरावगी

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले - कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा की रिकॉर्ड मतों से जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान मिले रुझानों, स्थानीय लोगों की प्रतिक्रियाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक से स्पष्ट है कि बांकीपुर की जनता ने एक बार फिर विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व के पक्ष में मतदान किया है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि बांकीपुर हमेशा से विकास और राष्ट्रहित की राजनीति का समर्थन करने वाली विधानसभा रही है। इस बार भी मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और बिहार की एनडीए सरकार के विकास कार्यों पर अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान लोगों में भाजपा के प्रति व्यापक उत्साह देखने को मिला और मतदाताओं ने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह खारिज कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव अभियान में जुटे सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और एनडीए के सहयोगी दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ घर-घर पहुंचकर जनता के बीच पार्टी की उपलब्धियों और विकास के संकल्प को पहुंचाया। यही मेहनत भाजपा की ऐतिहासिक जीत का आधार बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि मतगणना के दिन भाजपा उम्मीदवार रिकॉर्ड मतों से विजयी होंगे और बांकीपुर की जनता एक बार फिर कमल खिलाकर विकास की राजनीति को मजबूत करेगी।

जनता ने विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व के पक्ष में दिया स्पष्ट संकेतः मंगल

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मंगल पांडेय ने कहा कि बांकीपुर जनता ने एक बार फिर विकास और सुशासन की राजनीति पर अपना विश्वास जताया है। मतदान के दौरान जिस तरह का शांतिपूर्ण वातावरण देखने को मिला, वह लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। इसके लिए जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और चुनाव ड्यूटी में लगे सभी कर्मियों को बधाई। श्री पांडेय ने कहा कि बांकीपुर लंबे समय से एनडीए का मजबूत गढ़ रहा है। उपचुनाव में भी मतदाताओं का रुझान यह संकेत दे रहा है कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से संतुष्ट है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने जाति और भ्रम की राजनीति को नकारते हुए विकास, स्थिरता और सुशासन को प्राथमिकता दी है।

प्रशांत किशोर राजग उम्मीदवार के लिए कोई चुनौती नहीं : ललन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में मुंगेर से जनता दल यूनाइटेड से सांसद और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। ललन सिंह बांकीपुर विधानसभा के मतदाता हैं। मतदान करने के बाद उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के जीत का दावा किया और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए प्रशांत किशोर कोई चुनौती नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि प्रशांत किशोर कोई चुनौती नहीं हैं। प्रशांत किशोर पिछले विधानसभा चुनाव में भी तीर मार रहे थे। इस बार भी उनके जीत की कोई संभावना और उम्मीद नहीं है। प्रशांत किशोर मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते हैं। बिहार की धरती ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करती है, जो हवाबाजी में विश्वास करता हो। दूसरी ओर प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया है कि यह चुनाव भाजपा नहीं बल्कि पुलिस लड़ रही है। उन्होंने कहा है कि पटना पुलिस मतदाताओं और जनसुराज के कार्यकताओं को डरा-धमका रही है।

राजद उम्मीदवार ने जीत का दावा किया

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता ने जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव जनता लड़ रही है और इस बार इलाके में परिवर्तन होगा। उन्होंने भाजपा पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के लिए यह चुनाव जनता लड़ रही है। भाजपा ने तो बस साजिश ही साजिश मचा रखी है। यह चुनाव जनता लड़ रही है और इस बार परिवर्तन होकर रहेगा। उन्होंने जीता का दावा किया है।

निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा प्रशासन : प्रशांत किशोर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरुवार को मतदान के बीच जन सुराज के संस्थापक एवं पार्टी प्रत्याशी प्रशांत किशोर ने प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। मतदान केंद्र के बाहर मीडिया से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि प्रशासन जन सुराज के कार्यकताओं के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई कर रहा है, जबकि भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया जा रहा। प्रशांत किशोर ने कहा कि चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू है और सभी राजनीतिक दलों को उसका पालन करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन बार-बार केवल जन सुराज के समर्थकों को हटाने और हिरासत में लेने की कार्रवाई कर रहा है, जबकि भाजपा के कार्यकताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने प्रशासन से भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ भी समान कार्रवाई करने की मांग की। जन सुराज प्रमुख ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर उनके एजेंटों और समर्थकों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि जहां-जहां जन सुराज के कार्यकताओं ने अपने सहायता केंद्र लगाए हैं, वहां कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहन शर्मा और बबलू शर्मा सहित कुछ कार्यकताओं को पुलिस अपने साथ ले गई है, जिससे स्थानीय समर्थकों में भय का माहौल है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बुधवार रात से ही उनके समर्थकों को घरों से उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता में भाजपा होने का मतलब यह नहीं है कि प्रशासन एकतरफा कार्रवाई करे।

बांकीपुर की जनता ने एनडीए के पक्ष में किया मतदान, जीत का भरोसा : अशरफ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं बिहार विधान परिषद सदस्य अशरफ अंसारी ने कहा कि संपन्न हुए बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मतदान में जनता ने भारी उत्साह के साथ लोकतंत्र के महापर्व में भाग लिया। मतदान के दौरान मतदाताओं का रुझान स्पष्ट रूप से एनडीए के पक्ष में दिखाई दिया है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर की जनता ने विकास, सुशासन और स्थिरता के पक्ष में मतदान किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा एनडीए के राष्ट्रीय नेताओं के प्रयासों से बिहार विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

अशरफ अंसारी ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने पूरी मजबूती और समर्पण के साथ एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया। चिराग पासवान की बिहार के युवाओं, गरीबों और आम जनता के हितों के प्रति प्रतिबद्धता को जनता का व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया है। जनता के आशीर्वाद से एनडीए की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने शांतिपूर्ण एवं सफल मतदान के लिए बांकीपुर की जनता, सभी मतदाताओं और चुनाव प्रक्रिया में लगे सभी कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सभी महिला थानों में बनेंगे एक एंटी ट्रैफिकिंग इकाई : डीजीपी

■ विश्व एंटी ट्रैफिकिंग दिवस के मौके पर पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को डीजीपी विनय कुमार ने किया संबोधित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में साइबर क्राइम से भी ज्यादा खतरनाक और तेजी से बढ़ता अपराध मानव तस्करी है। मानव तस्करी के मामले साइबर अपराध से तीन गुणा अधिक दर्ज होते हैं। इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की जरूर है। हर जिले में मौजूद महिला थानों में ही एक एंटी ट्रैफिकिंग इकाई की स्थापना करने की आवश्यकता है। हर जिले में मानव तस्करी के खिलाफ सेल विकसित किया जाए। ये बातें डीजीपी विनय कुमार ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस (30 जुलाई) के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का विषय ट्रैप्ड बिहाइंड द स्कैम रखा गया था। पुलिस महकमा के अंतर्गत साआईडी के कमजोर वर्ग इकाई की तरफ से यह कार्यक्रम आयोजित की गई थी। डीजीपी ने कमजोर वर्ग इकाई को इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कर भेजने के लिए कहा। इसके तहत सभी जिलों में मौजूद महिला थानों में कम से कम दो इकाई का गठन किया जाए, एक इकाई मानव तस्करी के खिलाफ काम करे और दूसरी इकाई महिला एवं बच्चों के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले को देखें। दोनों इकाईयों की कमान इंस्पेक्टर रैंक के पदाधिकारी संभाले। जबकि, महिला थाने की कमान डीएसपी रैंक के अधिकारी के पास होनी चाहिए।

बिहार देश में पहला राज्य है, जहां सभी जिलों में इस तरह के मामले देखने के लिए डीएसपी (स्पेशल क्राइम) का पद सृजित हैं और इन पर पदाधिकारी की तैनाती भी है। परंतु यह व्यवस्था नाकाफी है, क्योंकि मानव तस्करी अपराध के आयाम तेजी से बदल रहे हैं और इसके पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और विकराल होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर कोई गायब बच्चा तीन महीने तक नहीं मिलता है, तो इन मामलों को एंटी ट्रैफिकिंग इकाई में ट्रांसफर कर दिया जाए। डीजीपी श्री कुमार ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से जब गुमशुदा बच्चों को सामान्य अपहरण वाले अपराध की श्रेणी में रखते हुए इनकी तफ्तीश शुरू की गई है, तब से इसमें काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। 2020 में सामान्य अपहरण के 8 हजार मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर 24 हजार से अधिक हो गई। यानी पिछले 5 वर्षों में 3 से 4 गुणा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इनकी बरामदगी दर 70 फीसदी है। ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों या महिलाओं की रिकवरी दर कम है। यह गंभीर चिंता का विषय है। इनका विवरण अब केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर से तैयार ह्यवात्सल्य पोर्टलह्ल पर अपलोड करना अनिवार्य हो गया है।

डीजीपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों से कहा कि बच्चा या महिलाओं के अपहरण या गुमशुदगी के मामलों को बेहद संवेदनशीलता के साथ सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हल करने की जरूरत है। इनकी जांच के लिए मानसिकता बदलने की भी जरूरत है।

अगर ऐसे 10 से 15 मामलों लगातार सजा हो जाए, तो इन अपराध पर अंकुश लगाने में काफी मदद मिलेगी। वरीय पदाधिकारियों को खासतौर से इन मामलों पर संज्ञान लेने और अपराधियों को सजा दिलाने पर फोकस करनी चाहिए। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन करते हुए एडीजी (कमजोर वर्ग) कासे एस अनुपम ने कहा कि राज्य के 1200 थानों को वात्सल्य पोर्टल से जोड़ दिया गया है। सभी थानों को गुमशुदा बच्चों की पूरी जानकारी प्राथमिकता के आधार पर तुरंत इस पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। इससे बच्चों को खोजने में आसानी होगी। इस कार्यक्रम के दौरान एडीजी (सीआईडी) पारसनाथ, डीआईजी (कमजोर वर्ग) आमिर जावेद समेत अन्य मौजूद थे।

श्रेष्ठ कार्य करने वालों को मिला सम्मान

इस दौरान डीजीपी ने ऑपरेशन नया सवेरा 3.0 और ट्रैफिकिंग के चंगुल से नाबालिगों समेत अन्य को मुक्त कराने में श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों के कप्तानों को सम्मानित भी किया गया। संबंधित जिलों के एसपी के प्रतिनिधि के तौर पर वहां के डीएसपी (स्पेशल क्राइम) ने पुरस्कार ग्रहण किए। पटना जिला पहले स्थान पर रहा, यहां 56 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। दूसरे स्थान पर सहरसा रहा।

बिहार में तैयार हो रही आपदा सेनानियों की फौज : युवा आपदा मित्र के रूप में 7 महीने में ट्रेंड हुए 10 हजार से अधिक युवा

■ राष्ट्रीय युवा आपदा मित्र योजना में युवाओं को दी जा रही आपदा प्रबंधन संबंधी सात दिवसीय ट्रेनिंग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। किसी भी आपदा में लोगों को त्वरित सहायता प्रदान करने की मंशा से राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तेजी से कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत बिहार में अभी तक 19 हजार से भी अधिक युवा आपदा मित्र तैयार किए जा चुके हैं। इनमें अकेले जनवरी 2026 से जुलाई 2026 के बीच 10233 युवाओं को आपदा के समय राहत पहुंचाने और बचाव संबंधी प्रशिक्षित दिया गया है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने संगठित, प्रशिक्षित और समर्पित युवा स्वयंसेवी नेटवर्क तैयार करने की दिशा में एक अभियान शुरू किया है। इसके तहत राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, नेहरू युवा केंद्र संगठन एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवकों का चयन कर उन्हें सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर अनुशासन, टीम भावना, त्वरित निर्णय क्षमता, नेतृत्व और समन्वय जैसे गुणों पर आधारित है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि राज्य में ऐसे आत्मविश्वासी स्वयंसेवक तैयार किया जाय जो कठिन परिस्थितियों में भी संयम रखते हुए लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने में सक्षम हो। प्राधिकरण के वरीय सलाहकार श्री अशोक कुमार शर्मा का कहना है कि बिहार जैसे आपदा-प्रवण राज्य में युवाओं का प्रशिक्षित नेटवर्क अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बाढ़, वज्रपात, अग्निकांड और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान स्थानीय स्तर पर सबसे पहले सहायता पहुंचाने वाले यही युवा होंगे। उनकी भूमिका केवल आपदा आने के बाद तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वे अपने क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने, सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देने और समुदाय को तैयार करने में भी योगदान देंगे।

संक्षिप्त खबरें

विधिक सेवा समिति के सचिव ने उपकारा का किया निरीक्षण, सुविधाओं की ली जानकारी

बेनीपुर(दरभंगा)। उपकारा बेनीपुर में बंदियों को मिल रही सुविधाओं और विधिक सेवाओं की स्थिति जानने के लिए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सह अनुमंडल विधिक सेवा समिति के सचिव रोहित कुमार गुप्ता ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनके भोजन, स्वास्थ्य, रहने की व्यवस्था सहित अन्य समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही जेल मैनुअल के अनुसार व्यवस्थाओं के संचालन और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सहायता की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत संचालित जेल लीगल ऐड क्लिनिक और बंदियों के परिजनों के लिए बनाए गए मुलाकात क्षेत्र में दी जा रही विधिक सुविधाओं का भी जायजा लिया।निरीक्षण के समय उपकारा में 242 पुरुष और 12 महिला बंदी बंद थे। एक महिला बंदी के साथ रह रहे बच्चे की बेहतर देखभाल को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान जेल विजिटिंग अधिवक्ता मोहम्मद हैदर अली, अमोल कुमार झा, कारा अधीक्षक वीरेंद्र कुमार राय, उपाधीक्षक विनोद कुमार सहित विधिक सेवा समिति के कर्मी मौजूद रहे।

सनातन संस्था की ओर से देशभर में 81 स्थानों पर, जबकि समस्तीपुर में गुरुपूर्णिमा महोत्सव संपन्न

समस्तीपुर। संपूर्ण विश्व पर मंडरा रहे तीसरे विश्वयुद्ध के संकट, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और प्राणघातक प्रतिस्पर्धा के कारण समाज में छाई निराशा; ऐसी अत्यंत भीषण और अस्थिर परिस्थिति से समाज को उबारने के लिए अब केवल भौतिक उपाय पर्याप्त नहीं हैं। आज दिशाहीन हुए समाज को एक बार फिर प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर आधारित रामराज्य की नितांत आवश्यकता है। परंतु, यह रामराज्य केवल राजनीतिक या भौतिक प्रयासों से साकार नहीं होगा, बल्कि इसके लिए समाज को साधना और गुरुचरणों के सुदृढ़ आध्यात्मिक अधिष्ठान की आवश्यकता है। जब समाज की आध्यात्मिक श्रद्धा प्रत्यक्ष सुशासन में परिवर्तित होती है, तभी सच्चे अर्थों में रामराज्य का उदय होता है, ऐसा ओजस्वी प्रतिपादन सनातन संस्था के श्री संजय सिंह ने किया। सनातन संस्था की ओर से समस्तीपुर में अत्यंत भावपूर्ण वातावरण में आयोजित गुरुपूर्णिमा महोत्सव में वे बोल रहे थे। इस वर्ष संस्था की ओर से मराठी, हिंदी, गुजराती, कन्नड़, अंग्रेजी, तेलुगु, मलयालम आदि विविध भाषाओं में देशभर में 81 स्थानों पर तथा बिहार में समस्तीपुर एवं हाजीपुर में स्थानों पर यह महोत्सव संपन्न हुआ। आगामी विश्वयुद्ध और आपत्काल की आशंका को देखते हुए, हिंदुओं से प्राथमिक उपचार, अग्निशमन और स्व-रक्षा प्रशिक्षण लेने का आवाहन संस्था की ओर से किया गया। इस महोत्सव के आरंभ में श्री व्यासपूजन और प.पू. भक्तराज महाराज जी का प्रतिमापूजन (गुरुपूजन), सनातन संस्था और संस्था के संस्थापक सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवले जी के कार्य पर आधारित लघुचित्रपट (डॉक्यूमेंट्री), सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवले जी के संदेश का वाचन, धर्मरक्षकों और हिंदुनिष्ठों का सत्कार, स्व-रक्षा की आसान पद्धतियों का प्रात्यक्षिक (डेमो), रामराज्य की स्थापना का संकल्प और भावपूर्ण नामजप किया गया। गुरुपूर्णिमा के निमित्त सनातन संस्था की ओर से मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम इन भाषाओं में ऑनलाइन गुरुपूर्णिमा महोत्सव का लाभ देश-विदेश के हजारों श्रद्धालुओं ने लिया।

मुजफ्फरपुर को मिली नई सौगात 12.31 लाख की लागत से बनेगा आम्रपाली ऑडिटोरियम

मुजफ्फरपुर।। शहरवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए नगर निगम, मुजफ्फरपुर क्षेत्र में बनने वाले आम्रपाली ऑडिटोरियम का मंगलवार को भव्य शिलान्यास किया गया। इस परियोजना पर लगभग 12.31 लाख की अनुमानित लागत खर्च की जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम की महापौर निर्मला देवी साहू ने किया। समारोह में सशक्त स्थायी समिति के सदस्य, विधान पार्षद बंशीधर बृजवासी, स्थानीय वार्ड पार्षद तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर महापौर निर्मला देवी साहू ने कहा कि यह परियोजना सरकार की सकारात्मक पहल और दूरदर्शी सोच का परिणाम है।उन्होंने राज्य सरकार, प्रशासनिक अधिकारियों और शहरवासियों का आभार जताते हुए कहा कि मुजफ्फरपुर के लिए यह एक ऐतिहासिक शुरूआत है। महापौर ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ऑडिटोरियम स्थानीय कलाकारों, सांस्कृतिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराएगा। इससे शहर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, शैक्षणिक आयोजनों और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

योग्य लाभुकों को राशन कार्ड में नाम जोड़ने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी को दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड में राशन कार्ड सूची में बड़े पैमाने पर विसंगतियों को लेकर स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अमरजीत ठाकुर ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन सौंपकर जांच की मांग की है।अमरजीत ठाकुर ने बताया कि विभूतिपुर में कई अत्यंत गरीब और योग्य परिवारों का नाम राशन कार्ड से काट दिया गया है। साथ ही, कई पात्र लाभार्थियों के बच्चों के नाम भी सूची में दर्ज नहीं किए गए हैं, जिससे वे सरकारी अनाज से वंचित हैं। दूसरी ओर, बिचौलियों की मिलीभगत से कई संपन्न और अपात्र लोगों के नाम सूची में जोड़ दिए गए हैं। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अयोग्य लोगों के नाम हटाने और वास्तविक जरूरतमंदों को तत्काल राशन कार्ड से जोड़ने की गुहार लगाई है।

डीएम ने हराही पोखर का किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने आज शहर के तीन प्रमुख तालाबों के सौंदर्यीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लेने के क्रम में हराही पोखर का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने हराही पोखर में चल रहे बोल्डर पिचिंग कार्य का विस्तार से अवलोकन किया तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से अब तक किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की और परियोजना के निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण होने की स्थिति की समीक्षा की। बुडको के परियोजना निदेशक अभय कुमार एवं कार्य कर रहे संवेदक को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा प्रत्येक कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि हराही पोखर, गंगासागर एवं दिग्घी सहित शहर के तालाबों का सौंदर्यीकरण शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं नागरिकों के लिए बेहतर सार्वजनिक स्थल विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

डॉक्टर से बदसलूकी पर ग्रामीण चिकित्सकों में आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के टभका में डॉ. चंदन कुमार के साथ हुए दुर्व्यवहार के विरोध में ग्रामीण चिकित्सक संघ ने गुरुवार को एकजुट होकर कड़ी निंदा की है और दोषी द्वारा सार्वजनिक माफी न मांगने तक उसके परिवार का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इस फैसले को लागू करने के लिए 5 सदस्यीय निष्पादन समिति का गठन किया गया है। निष्पादन समिति में अवधेश राय, विजय कुमार राम, प्रमोद कुमार महतो, दीपक कुमार झा, तपेश्वर राय को शामिल किया गया है।वहीं अध्यक्ष डॉ. श्री नारायण यादव ने चिकित्सकों के सम्मान के साथ समझौता न करने की प्रतिबद्धता जताई है। मौके पर प्रखंड सचिव विष्णु देव प्रसाद सिंह, उमेश झा,घूरन महतो, डॉ राजकुमार राकेश, डॉ. महादेव प्रसाद यादव, बबलू कुमार, राकेश कुमार, प्रमोद कुमार, मिथिलेश कुमार, अर्जुन दास सहित क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीण चिकित्सक मौजूद थे।

एमएसयू का आमरण अनशन तीसरे दिन समाप्त,15 सूत्रीय मांगों पर प्रशासन का आश्वासन

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। सरकारी डिग्री कॉलेज, बेनीपुर में छात्रहित से जुड़ी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर मिथिला स्टूडेंट यूनियन द्वारा चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन आमरण अनशन गुरुवार को तीसरे दिन सकारात्मक वार्ता के बाद समाप्त हो गया। कॉलेज इकाई अध्यक्ष प्रशांत मिश्र एवं छात्र नेता राहुल झा ने कॉलेज प्रशासन, अनुमंडलीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ हुई वार्ता के बाद जूस पीकर अनशन समाप्त किया। वार्ता में कॉलेज प्राचार्य, अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान छात्रों की सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रशासन की ओर से मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का आश्वासन दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने कॉलेज परिसर के समीप स्थित ट्रांसफार्मर को शीघ्र हटाने की दिशा में कार्रवाई करने की बात कही, ताकि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मिथिला स्टूडेंट यूनियन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज ने कहा कि संगठन हमेशा छात्र हित, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहा है। उन्होंने आंदोलन को छात्रों की एकजुटता की जीत बताया।वहीं विश्वविद्यालय अध्यक्ष गौतम झा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल आंदोलन करना नहीं, बल्कि महाविद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक माहौल और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त किया गया है, लेकिन मांगों के क्रियान्वयन की लगातार निगरानी की जाएगी। मौके पर घनश्याम ठाकुर, राजा बाबू, अभिषेक यादव, शिवम शिबू, विक्की मिश्र, शुभम मिश्र, वर्षा कुमारी, रमेश बाबा, गोपाल झा, मो. आदिल, निशु यादव, रौनक ठाकुर, विकास यादव, शिवम झा सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

समस्तीपुर पॉलिटेक्निक में यादों का संगमः जुटे 50 पूर्व छात्र

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। समस्तीपुर के कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पॉलिटेक्निक में 30 जुलाई 2026 को पूर्ववर्ती छात्र-छात्रा सम्मेलन (एल्यूमनी मीट) का सफल आयोजन हुआ। सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विभूतिपुर विधायक अजय कुमार, समस्तीपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक कुमार मंडल और संस्थान के प्राचार्य डॉ. आफताब अंजुम ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।कार्यक्रम में देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सफल लगभग 50 पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। विधायक अजय कुमार ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया, जबकि डॉ. दीपक कुमार मंडल ने युवाओं को ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. आफताब अंजुम ने घोषणा की कि नए छात्रों को वरिष्ठों के अनुभवों का लाभ दिलाने के लिए अब हर साल इस मीट का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पूर्व छात्रों ने अनुभव साझा किए और गायन की प्रस्तुति देकर माहौल को खुशनुमा बना दिया।

केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा ने बांटी 8 लाख की आपदा राहत, 38 भूमिहीनों को दिया जमीन का पर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

केवटी(दरभंगा)।केवटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने गुरुवार को जनहित और आपदा प्रबंधन से जुड़े दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शिरकत की। विधायक ने अंचलाधिकारी रणधीर रमन की उपस्थिति में दो पीड़ित परिवारों को आपदा राहत के तहत 4-4 लाख रुपये के चेक सौंपे, साथ ही 38 भूमिहीन परिवारों के बीच जमीन के पर्चे वितरित किए।तालाब में डूबने से हुई थी दो बच्चों की मौत, मिला मुआवजा हाल ही में केवटी प्रखंड के अंतर्गत दो अलग-अलग गांवों में तालाब में डूबने से दो बच्चों का असामयिक निधन हो गया था। इनमें केवटी माधोपट्टी पंचायत के गंज रघौली निवासी मंजू देवी के 15 वर्षीय पुत्री चंदा कुमारी और खिरमा बिनवारा निवासी सोनीया देवी के 12 वर्षीय पुत्री दीपिका कुमारी शामिल थे। इस दुखद घटना के बाद सरकार की आपदा राहत योजना के तहत विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने दोनों पीड़ित माताओं को ढांढस बंधाया और उनके बीच 4-4 लाख रुपये (कुल 8 लाख रुपये) की सहायता राशि के चेक प्रदान किए।38 भूमिहीनों के चेहरे खिले, मिला सरकारी जमीन का पर्चा इसके तुरंत बाद, विधायक ने प्रखंड क्षेत्र के 38 निर्भूमि (भूमिहीन) व्यक्तियों के बीच सरकारी जमीन के पर्चे का वितरण किया। पर्चा मिलने से इन गरीब और असहाय परिवारों को अपना पक्का आशियाना बनाने का कानूनी अधिकार मिल गया है। विधायक ने कहा कि सरकार हर गरीब को छत देने के लिए प्रतिबद्ध है और कोई भी योग्य व्यक्ति इस योजना से वंचित नहीं रहेगा।मौके पर कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूद कार्यक्रम के दौरान केवटी पूर्वी के भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार यादव, स्वप्न कुमार मिश्र, श्रवण मिश्र, विनोदानंद झा, भैरव झा, करुणानंद मिश्र, पप्पू मिश्र, रमनजी मिश्र, संतोष साहू और डॉ. विनोद कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति परखी

● लंबित मामलो के शीघ्र निष्पादन, जलापूर्ति, बाढ़ नियंत्रण एवं खरीफ योजनाओं की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहयोग पोर्टल, आरटीपीएस, सेवाझ्संवादझ्र समाधान, विभिन्न विभागों के लंबित मामलों तथा विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सेवाझ्र संवादझ्र समाधान पोर्टल, उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी), डीसी प्रमाण-पत्र, न्यायालयों में लंबित वाद, मुख्यमंत्री जनता दरबार, ऑनलाइन जिला जनता दरबार, सीपीजीआरएएमएस, ई-कम्प्लायंस एवं अन्य लंबित मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में खरीफ 2026-27 के तहत बीज एवं प्रत्यक्षण वितरण की प्रगति, हर घर नल का जल योजना, नए चापाकलों की स्थापना, चापाकलों की मरम्मत, टैंकर संचालन, पेयजल उपलब्धता तथा छूटे हुए टोलों में नई जलापूर्ति योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा पश्चिमी कोशी नहर, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल तथा स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन द्वारा संचालित कटाव निरोधक एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति का भी आकलन किया गया। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

पति ने पत्नी की गला काटकर की निर्मम हत्या, सिर धड़ से किया अलग

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी (दरभंगा)। मनीगाछी प्रखंड के बाजितपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जतुका पैकटल पंचायत के विधिपुर गांव में गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। स्व. गुरुशरण चौपाल के पुत्र रामसुफल चौपाल उर्फ कारी चौपाल पर अपनी पत्नी प्रमीला देवी (35) की गला काटकर निर्मम हत्या करने का आरोप है। हत्या के बाद आरोपी पति फरार हो गया। मृतका के आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले पुत्र प्रकाश चौपाल ने बताया कि रात में उसकी मां पिता के कमरे में गई थी। देर रात मां की चीख सुनाई दी, लेकिन बाहर से दरवाजा बंद होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका। सुबह परिजनों ने दरवाजा खोला तो कमरे में प्रमीला देवी का सिर धड़ से अलग पड़ा मिला। सूचना मिलते ही बाजितपुर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। एफएसएल, तकनीकी और स्वान दस्ता टीम ने मौके से खून से सना हंसुआ, टेंगाड़ी तथा एक मोबाइल फोन जब्त कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बेनीपुर एसडीपीओ बासुकीनाथ झा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच के निर्देश दिए। पुलिस हत्या के कारणों की पड़ताल कर रही है तथा फरार आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। मृतका के मायके पक्ष के लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

25 वर्ष पुराने आर्म्स एक्ट मामले में तीन दोषियों को एक-एक वर्ष की सजा

दरभंगा। सिविल कोर्ट दरभंगा के अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी नवम कुमार रितेश की अदालत ने एक 25 वर्ष पुराने आर्म्स ऐक्ट के मामले में तीन जूर्मियों को एक वर्ष की कारावास और दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा गुरूवार को सुनाई है।अदालत ने 13 अप्रैल 2001 को कमतौल थाना में संस्थित कांड सं. 33/01 का बिचारण वाद सं.274/24 की सूनवाई पुरी कर गुरवार को कमतौल थानाक्षेत्र के पुणहद निवासी मो.हासीम उर्फ छोटक के पुत्र मो. वाहिद ,लालचंद दास का पुत्र हलखोरी दास और विशो दास को आर्म्स ऐक्ट की धारा 25(1- बी),में एक वर्ष का कारावास और धारा 26 में एक वर्ष का कारावास तथा क्रमशः एक एक हजार रुपया अर्थ दंड की सजा सूनाई है।अर्थथदंड नही जमा करने पर तीनो दोषियों को 15दिनों का अतिरिक्त कारावास भूगतना पड़ेगा।अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे अभियोजन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि कमतौल पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंचायत चूनाव में गड़वड़ी फैलाने की संभावना को लेकर एम सी सी के उग्रवादि छूपे हुए हैं। सूचना पर पहूंची पुलिस दल को देख तीन लोग भागने लगे।जिसे खदेड़कर पकरा गया तो उनके पास से दो देशी पिस्ट और जिन्दा कारतूस बरामद की गई थी।यह मामला विगत 25 वर्षों से न्यायालय में लंबित चल रहा था।एसीजेएम कुमार रितेश की अदालत ने न्याय निर्णय कर मामले को निष्पादित कर दिया है।अभियूक्तों की सभी सजायें साथ-साथ चलेगी।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में मीडिया निभाए अहम भूमिका : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की मीडिया इकाई पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), पटना द्वारा गुरुवार को दरभंगा समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर परिसर में ह्लहर घर तिरंगाह्व विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला ह्लवार्ताह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी कौशल कुमार, एसएसबी कमांडेंट राजेंद्र कुमार, साहित्यकार डॉ. अमलेन्दु शेखर पाठक, पीआईबी पटना के उप निदेशक लौकिक पारख तथा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशीष अमन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। केंद्रीय संचार ब्यूरो के कलाकारों ने स्वागत एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। उप निदेशक लौकिक पारख ने ह्लहर घर तिरंगाह्व अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मीडिया से इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि यह अभियान जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण है और स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक नागरिक को अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहिए।एसएसबी कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने बताया कि 9 से 17 अगस्त तक सीमा चौकियों पर व्यापक स्तर पर ह्लहर घर तिरंगाह्व अभियान चलाया जाएगा। वहीं डॉ. अमलेन्दु शेखर पाठक ने पत्रकारों को राष्ट्रीय चेतना और जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बताते हुए अभियान को जन-आंदोलन बनाने की अपील की। तकनीकी सत्र में पीआईबी के मीडिया एग्जीक्यूटिव संदीप कपूर ने पीआईबी की कार्यप्रणाली, डिजिटल प्लेटफॉर्म और फैक्ट चेक तंत्र की जानकारी दी। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें पत्रकारों ने विशेषज्ञों से संवाद किया। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय संचार ब्यूरो, दरभंगा के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भैरवा श्रावणी मेला में डीजे व ध्वनि विस्तारक यंत्र पर रहेगा प्रतिबंध

मधुबनी। भैरवा श्रावणी मेला-2026 के दौरान विधि-व्यवस्था, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने के उद्देश्य से अनुमंडल दंडाधिकारी, बेनीपट्टी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत बलहा घाट से भैरवा स्थित उगना महादेव मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है।जारी आदेश के अनुसार, श्रावणी मेला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु बलहा घाट सहित विभिन्न स्थानों से जल लेकर उगना महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।प्रतिबंध 2 अगस्त 2026 के अपराह्न से 28 अगस्त 2026 के पूर्वाह्न तक प्रभावी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर इसकी अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। इस अवधि में निर्धारित मार्ग पर किसी भी प्रकार के डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के संचालन की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, यह आदेश सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विधि-व्यवस्था संधारण में प्रतिनियुक्त कर्मियों के आधिकारिक कार्यों पर लागू नहीं होगा।अनुमंडल प्रशासन ने संबंधित अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, थानाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों को आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं चौकीदारों के माध्यम से ढोल पिटवाकर आमजन को इसकी जानकारी देने को कहा गया है।जिला प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से जारी आदेश का पालन करने, प्रशासन का सहयोग देने तथा भैरवा श्रावणी मेला-2026 को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

भारत-नेपाल सीमा पर 10 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ नेपाली नागरिक गिरफ्तार

● एसएसबी की कार्रवाई में होंडा हॉर्नेट बाइक भी जब्त, जयनगर थाना को सौंपा गया मामला

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर की बाह्य सीमा चौकी बेतौन्हा ने 10 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक होंडा हॉर्नेट मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपी एवं बरामद सामग्री को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए जयनगर थाना को सुपुर्द किया जा रहा है।एसएसबी को 29 जुलाई को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि भारत से नेपाल की ओर मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर विशेष गश्ती दल ने बेतौन्हा गांव के समीप सीमा स्तंभ संख्या 268/17 के पास सघन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान भारत से नेपाल की ओर जा रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को होंडा हॉर्नेट मोटरसाइकिल सहित रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। बरामद पदार्थ की जांच डॉग स्क्वाड तथा ड्रग डिटेक्शन किट से कराई गई, जिसमें उसके ब्राउन शुगर होने की पुष्टि हुई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह मादक पदार्थ भारत के जोगिया गांव से किसी अज्ञात व्यक्ति से लेकर नेपाल के सिरहा जिले के कल्याणपुर स्थित अपने घर ले जा रहा था। आरोपी नेपाल के मधेश प्रदेश के सिरहा जिला अंतर्गत मिचैर्या थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव का निवासी है। एसएसबी ने बरामद ब्राउन शुगर, मोटरसाइकिल तथा गिरफ्तार आरोपी को विधिसम्मत कार्रवाई के लिए जयनगर थाना को सौंप दिया है।48वीं वाहिनी के कमांडेंट ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों, अवैध शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकने के लिए एसएसबी पूरी सतर्कता और प्रतिबद्धता के साथ अभियान चला रही है। आधुनिक तकनीक, सुदृढ़ आसूचना तंत्र तथा बिहार पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से भविष्य में भी तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

आम्रपाली ज्वेलर्स लूटकांड में बड़ा खुलासा, गलाया हुआ सोना, पिस्टल और कारतूस बरामद, चार गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र के चर्चित आम्रपाली ज्वेलर्स लूटकांड में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए गिरोह के तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से करीब पांच लाख रुपये मूल्य का गलाया हुआ सोना, भारी मात्रा में लूटे गए सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, एक देसी पिस्टल, छह जिंदा कारतूस, एक बाइक और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है। पुलिस का दावा है कि गिरोह किसी अन्य बड़े ज्वेलरी शोरूम में डकैती की तैयारी कर रहा था। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर डीएसपी सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल लगातार कार्रवाई कर रहा है। इससे पहले इसी मामले में 29.5 लाख रुपये की लूटी गई ज्वेलरी के साथ चार अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक की गई कार्रवाई में गिरोह के नेटवर्क और लूट के माल को ठिकाने लगाने के तरीके का भी खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के मास्टरमाइंड मिथिलेश और अजीत ने वारदात के दौरान लाइनर की भूमिका निभाई थी, जबकि जितेंद्र ने पूरे गिरोह को हथियार उपलब्ध कराए थे। पूछताछ में यह भी पता चला कि आम्रपाली ज्वेलर्स से लूटे गए जेवर बेचकर अपराधियों ने एक स्विफ्ट डिजायर कार खरीदी थी। इसी कार का इस्तेमाल किसी दूसरी बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि लूटे गए जेवर वैशाली के एक ज्वेलरी कारोबारी प्रशांत को बेचे गए थे। इसके बाद सोने को एक होलसेल व्यापारी मुकेश की दुकान पर ले जाकर गलवा दिया गया, ताकि उसकी पहचान पूरी तरह खत्म की जा सके और लूट के माल को आसानी से खपाया जा सके। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ और जिला पुलिस ने देवरिया से मिथिलेश को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ तीन जिलों में डकैती और आर्म्स एक्ट के पांच गंभीर मामले दर्ज हैं। वहीं जितेंद्र पर साहेबगंज थाना क्षेत्र में चार आपराधिक मामले और अजीत पर धोखाधड़ी व शराब तस्करी के कई केस दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से संगठित अपराध के इस नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और आने वाले दिनों में मामले में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

जीविका की बदौलत बदल रही है महिलाओं की किस्मत : जिलाधिकारी

● नाबार्ड ने दिया पशु सखी दीदियों को 832874 रु का चेक

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में संगम जीविका महिला विकास स्वालंबी सहकारी समिति लिमिटेड का वार्षिक आम सभा का आयोजन शहर के एक निजी होटल में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पदाधिकारी सुब्रतकुमार गौरव, उप विकास आयुक्त निशांत सिहारा, प्रशिक्षु आईएएस सौरभ कुमार और डीडीएम नाबार्ड सुमन प्रभा और डीपीएम जीविका के साथ में सीएलएफ की दीदियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान नाबार्ड द्वारा 832874 का चेक पशु सखियों के लिए दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जीविका दीदियों ने वार्षिक आमसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 कुल लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि विगत वित्तीय वर्ष में करीब 20 लाख रुपए का मुनाफा हुआ है। वही तकरीबन 20 करोड़ रुपए संगम से जुड़ी दीदियों के बीच में वितरित किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अधिकारी ने कहा कि जीविका की बदौलत महिलाएं अपनी किस्मत बदल रही है,ग्रामीण परिवेश में रहते हुए छोटे से आर्थिक सहयोग से एक बड़ा समूह महिलाओं के लिए काफी कारगर साबित हो रहा है। मुजफ्फरपुर जिले की महिलाएं सरकार से जुड़ी हर योजना का लाभ लेकर आगे बढ़ रही है।. जिसमें जीविका का अहम योगदान है। जीविका से जुड़कर महिला स्वरोजगार करते हुए स्वावलंबी बन रही है साथ ही अपने परिवार को भी आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत कर रही है। वही उप विकास आयुक्त ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए जीविका सरकार की हर योजनाओं को हर घर तक पहुंचा रही है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिससे स्वच्छता को लेकर अलग-अलग कचरा पेटी के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर महिलाओं की जांच भी की गई और उद्योग विभाग द्वारा उद्योग आधार के लिए भी पंजीयन के लिए महिलाओं को जानकारी दी गई। इस अवसर पर मंच संचालन मास्टर बुक कीपर मीना देवी ने किया।

ईओयू की बड़ी कार्रवाई, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ससुराल पर तड़के छापा

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुरः आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामले में गुरुवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए सासाराम में पदस्थापित लघु जल संसाधन विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अरविंद कुमार चौधरी के मुजफ्फरपुर स्थित ससुराल समेत राज्य के छह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। तड़के करीब 7 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई से काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के स्पीकर चौक इलाके में हड़कंप मच गया। ईओयू की विशेष टीम ने पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी। तलाशी के दौरान एक कमरा बंद मिलने पर अधिकारियों ने विशेष चाबी मंगवाकर ताला खुलवाया और कमरे में रखे दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की। अधिकारियों ने संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को खंगाला। ईओयू के अनुसार, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अरविंद कुमार चौधरी पर अपनी ज्ञात आय के वैध स्रोतों से लगभग 1.20 करोड़ रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इसी मामले में पटना, सासाराम, बांका और मुजफ्फरपुर सहित कुल छह ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पटना स्थित ठिकानों से लग्जरी फ्लैटों से संबंधित दस्तावेज, भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, महंगी ब्रांडेड घड़ियां तथा कई जमीनों के कागजात मिलने की जानकारी सामने आई है। वहीं, मुजफ्फरपुर स्थित ससुराल में तलाशी अभियान जारी है और अधिकारियों को यहां से भी महत्वपूर्ण साक्ष्य मिलने की उम्मीद है। फलहाल ईओयू की टीम जब्त किए गए दस्तावेजों और संपत्तियों का सत्यापन कर रही है। जांच पूरी होने के बाद मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

ट्रैवल व्यवसायी पर ताबड़तोड़ फायरिंग, जमीन विवाद में सुपारी देकर हमला कराने का आरोप

मुजफ्फरपुर। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात गोलीबारी की सनसनीखेज घटना सामने आई। झपहां इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने ट्रैवल व्यवसायी मोहम्मद नियाज पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल नियाज को इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, नेउरा गांव निवासी मोहम्मद नियाज देर रात अपनी कार से सतपुरा स्थित अपने ठिकाने की ओर जा रहे थे। इसी दौरान झपहां में दो पेट्रोल पंपों के बीच सुनसान मोड़ पर बाइक सवार दो हमलावरों ने उनकी कार को रोक लिया। इसके बाद बदमाशों ने पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में कई गोलियां कार में लगीं, जबकि कुछ गोलियां नियाज के शरीर में जा धंसीं। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। अस्पताल में इलाजरत मोहम्मद नियाज ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि घटना से कुछ घंटे पहले ही उनका अपने पट्टीदारों के साथ जमीन विवाद को लेकर झगड़ा और मारपीट हुई थी। उनका आरोप है कि उसी रंजिश में पेशेवर शूटरों को सुपारी देकर उन पर जानलेवा हमला कराया गया। हालांकि, इस आरोप की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और कार पर लगे गोली के निशानों की भी जांच की जा रही है। अहियापुर के अपर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि घायल का फर्दबयान दर्ज कर लिया गया है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस टीम पर हमला, चालक की वर्दी फाड़ी और 30 ग्राम सोने की चेन लूटने का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में पुलिस पर हमले का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल पर तैनात चालक शिकायत मिलने के बाद मौके पर पहुंचा तो उस पर ही हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की, उसकी वर्दी फाड़ दी और गले से करीब 30 ग्राम की सोने की चेन भी छीन ली। घटना के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सिकंदरपुर थाना में तैनात ईआरवी चालक संतोष कुमार ने अहियापुर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया कि रात करीब 8:39 बजे टैब पर इवेंट मिलने के बाद वह पुलिस वाहन लेकर शेखपुर ढाब पहुंचे थे। वहां पहले से मौजूद लोगों ने पुलिस टीम को देखते ही हमला बोल दिया। संतोष कुमार का आरोप है कि हमला पूरी योजना के तहत किया गया। मारपीट के दौरान उनकी वर्दी फाड़ दी गई और उन्हें अंदरूनी चोटें आईं। पीड़ित चालक ने अहियापुर थाना क्षेत्र के शेखपुर ढाब निवासी रमेश सहनी, राजेश सहनी और सुरेंद्र सहनी को नामजद आरोपित बनाया है। तीनों आपस में भाई बताए गए हैं। इसके अलावा कुछ अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि हमले में कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। प्राथमिकी में संतोष कुमार ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान उनके गले से करीब 30 ग्राम की सोने की चेन भी छीन ली गई। हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई। अहियापुर थानाध्यक्ष शरत कुमार ने बताया कि पुलिसकर्मी के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। नामजद और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी चल रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर बिहार में मौसम हुआ सुहावना 24 घंटे में 11.6 मिमी बारिश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार में लगातार हो रही बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा स्थित जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र द्वारा जारी 30 जुलाई की मौसम रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में 11.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जिससे तापमान में गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत तथा दोपहर 2 बजे 80 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार वाष्पोत्सर्जन 6.8 मिलीमीटर रहा, जबकि पुरवा दिशा से 16.8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार वर्षा और तेज पुरवा हवा के कारण लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। लगातार हो रही बारिश का लाभ धान सहित खरीफ फसलों को मिलने की संभावना है, हालांकि किसानों को खेतों में जलनिकासी की व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी गई है।

श्रावणी मेला ऐप के प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के बीच होगी रील प्रतियोगिता

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रद्धालुओं को श्रावणी मेला के दौरान डिजिटल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित श्रावणी मेला ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मुजफ्फरपुर नगर निगम द्वारा डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के लिए रील प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स, यूट्यूबर्स, इंस्टाग्राम एवं फेसबुक क्रिएटर्स, व्लॉगर्स तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के तहत दोपहर 12:30 बजे नगर भवन (सिटी पार्क के समीप) में श्रावणी मेला ऐप का लाइव डेमो प्रस्तुत किया जाएगा। इसके उपरांत नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के साथ संवाद करेंगे तथा प्रतियोगिता की आधिकारिक घोषणा करेंगे। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों को श्रावणी मेला ऐप की विशेषताओं एवं श्रद्धालुओं को उपलब्ध सुविधाओं पर रचनात्मक रील तैयार कर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करनी होगी। विजेताओं का चयन रील पर प्राप्त व्यूज, लाइक्स एवं शेयर के आधार पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 5,000, 3,000 एवं 2,000 की पुरस्कार राशि, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 प्रतिभागियों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। नगर आयुक्त श्री ऋतुराज प्रताप सिंह ने कहा कि, श्रावणी मेला ऐप श्रद्धालुओं को एक ही मंच पर सुरक्षित, सरल एवं सुविधाजनक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मुजफ्फरपुर नगर निगम की एक महत्वपूर्ण पहल है। सोशल मीडिया आज जन-जागरूकता का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। हमें विश्वास है कि डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स अपनी रचनात्मकता के माध्यम से इस ऐप की उपयोगिता को लाखों श्रद्धालुओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जन्मदिन पर नेत्रदान का संकल्प लेकर निशा कुमारी ने दिया समाज को प्रेरक संदेश

मुजफ्फरपुर। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय और फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया की जिला संयोजक निशा कुमारी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नेत्रदान का संकल्प लेकर एक प्रेरणादायी मिसाल पेश की है। उन्होंने अपने विशेष दिन को केवल उत्सव तक सीमित न रखते हुए समाज के लिए एक ऐसा संदेश दिया, जो कई लोगों के जीवन में नई रोशनी ला सकता है। निशा कुमारी ने कहा कि हमारी आंखें हमारे जीवन के बाद भी किसी जरूरतमंद व्यक्ति की अंधेरी दुनिया में उजाला भर सकती हैं। उन्होंने युवाओं से आगे आकर नेत्रदान जैसी सामाजिक पहल से जुड़ने और मानवता की सेवा में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की। समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली निशा कुमारी अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पूर्व में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भी प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं। वे विभिन्न सामाजिक अभियानों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का कार्य लगातार करती रही हैं। उनके इस निर्णय की स्थानीय लोगों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी कदम बताया। लोगों का कहना है कि यदि अधिक से अधिक युवा इस तरह की पहल करेंगे तो नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अनेक दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में नई रोशनी आएगी।

29 साल बाद आया फैसला, भुटकुन शुक्ला हत्याकांड में दीपक सिंह को उम्रकैद

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। वैशाली जिले के बहुचर्चित भुटकुन शुक्ला हत्याकांड में करीब 29 साल बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (दशम) सर्वेश कुमार मिश्रा की अदालत ने मामले के दोषी दीपक सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सजा सुनाए जाने के साथ ही लंबे समय से लंबित इस चर्चित हत्याकांड का न्यायिक पटाक्षेप हो गया। भुटकुन शुक्ला बाहुबली छोटन शुक्ला और लालगंज के पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला के भाई थे। उनकी 16 जुलाई 1997 को वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के खंजाहाचक गांव स्थित पैतृक आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में उनके करीबी और बॉडीगार्ड रहे दीपक सिंह का नाम सामने आया था। अदालत ने सुनवाई के दौरान उसे दोषी करार दिया और अब उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोषी दीपक सिंह मूल रूप से मुजफ्फरपुर जिले के पारू का रहने वाला है। वह पहले भी कई संगीन मामलों में आरोपित रह चुका है। पिछले वर्ष मुजफ्फरपुर पुलिस ने उसे 14 वर्ष पुराने बैंक प्रबंधक लालबहादुर सिंह हत्याकांड में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोप है कि पारू के सरमस्तपुर स्थित उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के तत्कालीन प्रबंधक लालबहादुर सिंह की हत्या कर उनके शव को बैंक के कैश केबिन में गमछे के फंदे से लटका दिया गया था। पुलिस जांच में दीपक सिंह और संजय सिंह की संलिप्तता सामने आने के बाद दोनों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। दीपक लंबे समय तक फरार रहा, जिसके चलते अदालत ने उसके खिलाफ कुर्की का आदेश जारी किया था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। बाद में बिहार एसटीएफ ने उसे उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गिरफ्तार कर पारू पुलिस के हवाले किया था। पुलिस के अनुसार दीपक सिंह भुटकुन शुक्ला गिरोह का शार्प शूटर रहा है और लंबे समय तक जेल में भी रह चुका है। उसकी मां मुखिया है। पुलिस का दावा है कि मुजफ्फरपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी समेत कई जिलों में उसका आपराधिक नेटवर्क सक्रिय रहा है। करीब तीन दशक पुराने इस चर्चित हत्याकांड में आए फैसले को न्यायिक प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अदालत के इस निर्णय के बाद एक लंबे समय से लंबित मामले का अंत हो गया।

इंटर की छात्रा के अपहरण व दुष्कर्म के प्रयास मामले में दो दोषी करार

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र की एक इंटरमीडिएट छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के प्रयास के चर्चित मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट (संख्या-1) ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश धीरेंद्र मिश्रा ने मामले की सुनवाई के बाद दोनों आरोपितों को दोषी करार दिया है। अब अदालत 13 अगस्त को सजा के बिंदु पर सुनवाई करेगी। विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र कुमार ने अदालत में छह गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्य प्रस्तुत किए। अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए कोर्ट ने वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के मनौरा निवासी बिट्टू कुमार और मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहां निवासी रोहित कुमार को दोषी ठहराया। मामले के अनुसार, पीड़िता के पिता ने 1 नवंबर 2023 को गायघाट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उनकी बेटी 30 अक्टूबर 2023 को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने गई थी, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान जारंग चौक पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से खुलासा हुआ कि छात्रा का अपहरण किया गया था। बरामद होने के बाद पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपित रोहित उसे सरैयागंज स्थित एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। वहीं, दूसरे आरोपित बिट्टू कुमार ने उसे भगवानपुर इलाके में करीब ढाई महीने तक बंधक बनाकर रखा। सभी गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने दोनों आरोपितों को दोषी करार दिया। अब 13 अगस्त को विशेष पॉक्सो कोर्ट दोनों दोषियों की सजा पर अंतिम फैसला सुनाएगी।

एमआईटी मुजफ्फरपुर बना बिहार का पहला रैगिंग-मुक्त तकनीकी संस्थान, आयुक्त ने की ऐतिहासिक घोषणा

मुजफ्फरपुर। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए आयोजित ओरिएंटेशन एवं इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने एक नई पहचान हासिल की। कार्यक्रम में तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने एमआईटी, मुजफ्फरपुर को बिहार का पहला ह्लरैगिंग-मुक्त तकनीकी संस्थानह्व घोषित किया और परिसर में रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति लागू करने की घोषणा की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के डॉ. मनोज कुमार ने अतिथियों, नवप्रवेशी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का स्वागत किया। इस अवसर पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक-4 प्राप्त करने वाले राघव झुनझुनवाला, पूर्वी अनुमंडल के एसडीओ आनंद उत्सव

तथा आयुक्त के सचिव संदीप शेखर प्रियदर्शी सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। एमआईटी के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) एम.के. झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान में आईआईटी और एनआईटी की तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण एवं अनुशासित शैक्षणिक माहौल तैयार किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण और मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। अपने प्रेरक संबोधन में आईएएस अधिकारी राघव झुनझुनवाला ने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, निरंतर सीखने और असफलताओं से घबराए बिना आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सफलता तुलना से नहीं, बल्कि स्वयं को लगातार बेहतर बनाने से मिलती है। मुख्य अतिथि गिरिवर दयाल सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कहा कि निकट भविष्य में एमआईटी को विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। उन्होंने छात्रावासों में बेहतर भोजन, आरओ पेयजल, रिमेडियल कक्षाओं, सांस्कृतिक गतिविधियों और विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की भी घोषणा की। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि संस्थान में रैगिंग करने वाले किसी भी छात्र के खिलाफ कठोर प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी के साथ उन्होंने परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूआत की। इसके तहत प्रत्येक नवप्रवेशी छात्र-छात्रा एक पौधा लगाएगा और पूरे चार वर्षों तक उसकी देखभाल करेगा।

केन्द्र तथा राज्य सरकार की नाकामियों के खिलाफ पदयात्रा करेगी भाकपा

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मुजफ्फरपुर जिला परिषद् की बैठक मिठनपुरा स्थित जिला कार्यालय चन्द्रशेखर भवन में अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल को महंगाई तथा बेरोजगारी बढ़ाने वाला बताते हुए सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का आह्वान किया। बैठक में केन्द्र तथा राज्य की डबल इंजन सरकार की नाकामियों तथा वादाखिलाफी के खिलाफ आगामी 6-15 अगस्त 2026 तक जिला के सभी प्रखंडों में पदयात्रा की तैयारी का समीक्षा किया गया। पदयात्रा के दौरान कमरतोड़ महंगाई, अप्रत्याशित बेरोजगारी, किसानों के फसल का एमएसपी की गारंटी, श्रमिकों के अधिकार पर हमला के खिलाफ राजनीतिक अभियान चलाया जाएगा साथ ही पार्टी के आह्वान पर 01 सितम्बर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित बदलाव संभव है रैली में जनभागीदारी सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में बिहार विधान परिषद् के आगामी चुनाव में तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान विधान पार्षद प्रो० संजय कुमार सिंह की जीत सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाया गया। बैठक को विधान पार्षद प्रो० संजय कुमार सिंह, जिला सचिव रामकिशोर झा, जगदीश प्रसाद गुप्ता, भिखारी प्रसाद यादव, सुनील ठाकुर, मदन मोहन सिंह, अजित कुमार, कुमार गौरव, शैलेन्द्र कुमार, नगीना प्रसाद, जकी अहमद आदि पार्टी नेताओं ने संबोधित किया। बैठक के दौरान पार्टी नेता भिखारी प्रसाद यादव के जीवन वृतांत पर प्रकाशित पुस्तक ह्न हरसेर एक दौर, एक नेतृत्व का विमोचन राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय तथा विधान पार्षद प्रो० संजय कुमार सिंह द्वारा किया गया।

गन्ने में प्रजातीय विकास एवं ब्रिडर बीज उत्पादन कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा छवानीया फार्म पर गन्ने में प्रजातीय विकास एवं ब्रीडर बीज उत्पादन कार्यक्रम विषय पर फील्ड डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गन्ना किसान, वैज्ञानिक और अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने किया। इस दौरान संस्थान द्वारा विकसित गन्ने की नई प्रजातियों और ब्रीडर बीज उत्पादन की तकनीकों का खेत में प्रदर्शन किया गया।फील्ड डे में किसानों को बीज शोधन, उन्नत किस्मों की बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई और कीट-व्याधि नियंत्रण की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बोलते हुए कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने कहा कि बिहार के गन्ना किसानों की आय तभी बढ़ेगी जब हम नई, अधिक उपज देने वाली और रोग प्रतिरोधी प्रजातियों को अपनाएंगे। विश्वविद्यालय का गन्ना अनुसंधान संस्थान इसी उद्देश्य से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि शोध प्रयोगशाला से निकलकर सीधे खेत तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के साथ मिलकर गन्ना उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह ने कहा कि इस फील्ड डे में हमने को 4 नई गन्ना प्रजातियों की विशेषताएं बताईं जो कम पानी और कम उर्वरक में भी अच्छी पैदावार देती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि अगले 2-3 साल में इन उन्नत किस्मों को जिले-दर-जिले किसानों तक पहुंचाया जाए। कार्यक्रम के अंत में किसानों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद सत्र हुआ। किसानों ने नई किस्मों की उपलब्धता, बीज की कीमत और तकनीकी सहायता को लेकर सुझाव भी दिए गये।

मुजफ्फरपुर के राज आर्यन नाइजीरिया में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के युवा शतरंज खिलाड़ी एवं पीएमसीएच, पटना के एमबीबीएस छात्र राज आर्यन 31 जुलाई को नाइजीरिया के लिए रवाना होंगे। वे 1 से 8 अगस्त 2026 तक अबुजा में आयोजित ऋक्र्रढ वर्ल्ड एमेच्योर रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज आर्यन इससे पूर्व एशियन एमेच्योर रैपिड शतरंज चैंपियनशिप (अंडर-1700) में स्वर्ण पदक जीतकर बिहार और देश का गौरव बढ़ा चुके हैं। वे अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने दिवंगत नाना स्वर्गीय देव लाल पासवान एवं नानी श्रीमती निर्मला देवी को देते हैं। राज बताते हैं कि उनके नाना का सपना आज भी उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, जबकि उनकी नानी निरंतर उनका हौसला बढ़ाते हुए यही कामना करती हैं कि वे अपने परिवार, बिहार और देश का नाम इसी तरह विश्व पटल पर रोशन करते रहें। राज आर्यन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ह्यउत्कर्ष छात्रवृत्तिह्ण के लाभार्थी हैं।

छात्र-नौजवानों व माले कार्यकताओं ने शहर में निकाला संकल्प मार्च

मुजफ्फरपुर। ऐतिहासिक छात्र-युवा आंदोलन और गिरफ्तार छात्र-नौजवानों की रिहाई के बाद आइसा व इंकलाबी नौजवान सभा के आह्वान पर शहर में छात्र-युवा संकल्प मार्च निकाला गया। राज्यस्तरीय संकल्प दिवस के तहत मार्च में छात्र-नौजवानों के साथ माले कार्यकर्ता भी शामिल थे। हरिसभा चौक स्थित माले कार्यालय से निकला जुलूस क्लब रोड, पानी टंकी चौक, हाथी चौक, छोटी कल्याणी, कल्याणी चौक , हरिसभा चौक से गुजरा। झंडा-बैनर व पोस्टर से लैस छात्र-युवा नारे लगा रहे थे कि सरकार अखबार में आंदोलनकारियों को दुर्दांत अपराधी की तरह लुकआउट नोटिस-फोटो जारी करने के लिए माफी मांगे, पुलिस की लाठी-गोली से घायल सभी आंदोलनकारियों को मुआवजा दे, बिहार के विश्वविद्यालयों में 300 प्रतिशत फीस वृद्धि वापस ले,शिक्षा का निजीकरण बंद हो तथा प्राइवेट विश्वविद्यालय अधिनियम वापस लिया जाए, एनटीए को भंग किया जाए, डिग्री कॉलेजों को विश्वविद्यालय से अलग करने वाला विधेयक वापस लिया जाए सहित लाठी-गोली की सरकार नहीं चलेगी व ऐतिहासक छात्र आंदोलन जिन्दाबाद। संकल्प मार्च में आइसा और नौजवान सभा के नेता व कार्यकर्ता विवेक कुमार, अजीत कुमार, गुड्डू कुमार, ऋतुराज कुमार, अनुपमा कुमारी, रंगीला कुमारी, कंचन कुमारी , आंचल कुमारी, अंकुश कुमारी, सौरभ कुमार सुमन, राजा कुमार, महिला संगठन ऐपवा की चिंता कुमारी, गीता देवी, माले जिला सचिव जितेन्द्र यादव, ऐक्टू जिला सचिव मनोज यादव, पार्टी जिला कमिटी सदस्य रामबालक सहनी, रामबली मेहता, संजय दास, विजय गुप्ता, नीलकमल, विनोद कुमार , किसान नेता प्रेमलाल राय, खेत मजदूर नेता होरिल राय, वीरेन्द्र पासवान, राजेश साह, रामचंद्र दास , ललित राय, नंदलाल पासवान, संजय राय सहित बडी.संख्या में छात्र-नौजवान शामिल थे।इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि छात्र-नौजवानों का आंदोलन शैक्षणिक सुधार, रोजगार और लोकतांत्रिक अधिकार व बेहतर समाज के लिए जारी रहेगा।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

हिंदी और उर्दू साहित्य के इतिहास में यदि किसी लेखक ने जनसाधारण के जीवन, संघर्ष, पीड़ा, आशा और यथार्थ को सबसे अधिक प्रामाणिकता के साथ अभिव्यक्त किया है, तो वह नाम है मुंशी प्रेमचंद। वे केवल एक महान कथाकार या उपन्यासकार ही नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा के संवेदनशील चितेरे, युगद्रष्टा साहित्यकार और सामाजिक चेतना के अग्रदूत थे। हिंदी साहित्य में उनका स्थान इतना ऊँचा है कि उन्हें उपन्यास सम्राट तथा आधुनिक हिंदी कहानी का जनक कहा जाता है। मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के निकट स्थित लमही ग्राम में हुआ था। उनका वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उनके पिता मुंशी अजायबराय डाक विभाग में कार्यरत थे तथा माता आनंदी देवी धार्मिक और संवेदनशील स्वभाव की थीं। बाल्यकाल आर्थिक अभावों और पारिवारिक कठिनाइयों में बीता। मात्र सात वर्ष की आयु में माता तथा चौदह वर्ष की आयु में पिता का निधन हो जाने से उनके जीवन में संघर्षों का दौर प्रारंभ हो गया। प्रेमचंद की प्रारंभिक शिक्षा उर्दू और फारसी भाषा में हुई। बचपन से ही उन्हें पढ़ने का गहरा शौक था। किशोरावस्था में उन्होंने उर्दू साहित्य के अनेक प्रसिद्ध उपन्यास पढ़ लिए थे। आर्थिक परिस्थितियाँ कठिन होने के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी। मैट्रिक उत्तीर्ण करने के बाद वे शिक्षक बने और नौकरी करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की। बाद में वे शिक्षा विभाग में उप-निरीक्षक (डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स) के पद तक पहुँचे। प्रेमचंद का साहित्यिक जीवन राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत था। प्रारंभ में वे नवाब राय नाम से उर्दू में लिखते थे। उनका पहला चर्चित कहानी संग्रह सोजे-वतन 1908 में प्रकाशित हुआ, जिसमें देशभक्ति की प्रबल भावना व्यक्त की गई थी। अंग्रेजी सरकार ने इसे राष्ट्रवादी साहित्य मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया और इसकी प्रतियाँ जब्त कर लीं। इसके बाद उनके मित्र एवं जमाना पत्रिका के संपादक मुंशी दयानारायण निगम की सलाह पर उन्होंने प्रेमचंद नाम से लेखन आरंभ किया और यही नाम अमर हो गया। मुंशी प्रेमचंद ने हिंदी साहित्य को कल्पना और तिलिस्म की दुनिया से निकालकर यथार्थ की धरती पर स्थापित किया। उन्होंने किसानों, मजदूरों, दलितों, स्त्रियों, निम्न एवं मध्यम वर्ग के संघर्षों को अपनी रचनाओं का केंद्र बनाया। उनका साहित्य समाज का दर्पण है, जिसमें तत्कालीन भारत की गरीबी, शोषण, सामाजिक विषमता, जातिगत भेदभाव, सामंती व्यवस्था और औपनिवेशिक दमन का यथार्थ चित्रण मिलता है। उनकी कहानियाँ मानवीय संवेदनाओं की अमूल्य धरोहर हैं। ईदगाह, पूस की रात, कफन, बड़े भाई साहब, गुल्ली-डंडा, ठाकुर का कुआँ, नमक का दरोगा, दो बैलों की कथा और पंच परमेश्वर जैसी कहानियाँ आज भी पाठकों के हृदय को स्पर्श करती हैं। इन कहानियों में जीवन का यथार्थ, नैतिकता, मानवीय करुणा और सामाजिक संदेश अद्भुत रूप से समाहित है। उपन्यास के क्षेत्र में प्रेमचंद का योगदान अतुलनीय है। सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि और गोदान उनके प्रमुख उपन्यास हैं। इनमें गोदान को हिंदी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ यथार्थवादी उपन्यास माना जाता है। किसान होरी के माध्यम से उन्होंने भारतीय ग्रामीण जीवन और कृषक समाज की पीड़ा को अमर रूप प्रदान किया। प्रेमचंद केवल साहित्यकार ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुधारक भी थे। वे आर्य समाज के विचारों से प्रभावित थे और सामाजिक कुरीतियों के विरोधी थे। उन्होंने विधवा-विवाह का समर्थन किया तथा स्वयं बाल-विधवा शिवरानी देवी से विवाह कर समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया। उनके साहित्य में नारी सम्मान, सामाजिक न्याय और मानवीय समानता की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। साहित्यकार के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा अद्वितीय थी। वे लेखक, संपादक, वक्ता और चिंतक थे। उन्होंने हंस, जागरण तथा माधुरी जैसी पत्रिकाओं के माध्यम से साहित्य और समाज को नई दिशा प्रदान की। उनके साहित्य ने आगे चलकर यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, नागार्जुन, मुक्तिबोध और अनेक प्रगतिशील लेखकों को प्रेरित किया।

बाल विवाह: बदलती सोच के बावजूद चुनौती बरकरार है

दिव्या कुमारी

बिहार के ग्रामीण इलाकों में पिछले एक दशक के दौरान बाल विवाह को लेकर तस्वीर बदली जरूर है, लेकिन पूरी तरह नहीं। आज भी अनेक गांवों में ऐसी लड़कियां हैं, जिनकी उम्र किताबों, खेल के मैदान, सपनों और आत्मनिर्भर बनने की होती है, लेकिन उनके हाथों में स्कूल बैग की जगह विवाह की जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं। यह केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं है, बल्कि ऐसा फैसला है जो एक लड़की के स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक अवसर, आत्मविश्वास और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ प्रभावित करता है। किसी लड़की का जीवन केवल उसकी उम्र से तय नहीं होता, बल्कि उसकी सामाजिक स्थिति, परिवार की आर्थिक परिस्थितियाँ, जाति, शिक्षा, रहने का स्थान और उपलब्ध अवसर भी उसके भविष्य को आकार देते हैं। यही कारण है कि बाल विवाह का असर हर लड़की पर एक जैसा नहीं पड़ता। जो लड़की पहले से ही गरीबी, सामाजिक भेदभाव और सीमित संसाधनों के बीच जीवन जी रही होती है, उसके लिए बाल विवाह अवसरों के लगभग सभी दरवाजे एक साथ बंद कर देता है। हालांकि पिछले दस वर्षों में बिहार में बाल विवाह की स्थिति में काफी सुधार देखने को मिला है। जो बदलाव गांवों में दिखाई देता है, वह आंकड़ों में भी दर्ज हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ठञ्लर-4, 2015-16) के अनुसार बिहार में 20 से 24 वर्ष की आयु की 39.1 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष की आयु से पहले हो चुका था। वहीं 2019-21 में यह आंकड़ा घटकर 29.9 प्रतिशत रह गया। यानी लगभग 9 प्रतिशत अंकों की कमी दर्ज की गई। यह बदलाव उम्मीद जगाता है, लेकिन यह भी सच है कि बिहार अब भी उन राज्यों में शामिल है जहाँ बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। बिहार में बाल विवाह की दर में आई कमी के पीछे कुछ कारण भी हैं। पिछले कुछ वर्षों में लड़कियों की शिक्षा पर बढ़ता जोर, विद्यालयों तक बेहतर पहुंच, मुख्यमंत्री साइकिल योजना, पोशाक योजना, छात्रवृत्ति योजनाएं, किशोरी समूहों की सक्रियता, स्वयं सहायता समूहों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान, पंचायतों की भागीदारी और बाल विवाह निषेध कानून के बारे में बढ़ती जानकारी ने समाज की सोच को धीरे-धीरे बदलना शुरू किया है। कई गैर-सरकारी संगठनों ने भी गांवों में किशोरियों और उनके अभिभावकों के साथ लगातार संवाद कर यह समझाने का प्रयास किया कि जल्दी विवाह किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं की शुरूआत है। ग्रामीण बिहार में अब पहले की तुलना में माता-पिता की सोच भी बदल रही है। पहले जहां बेटी की शादी को सबसे बड़ी जिम्मेदारी माना जाता था, वहीं अब धीरे-धीरे उसकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता को भी उतना ही महत्वपूर्ण समझा जाने लगा है। अनेक परिवार अब अपनी बेटियों को इंटरमीडिएट, स्नातक और व्यावसायिक शिक्षा तक पढ़ाना चाहते हैं। इसके अलावा सरकारी नौकरियों, स्वास्थ्य सेवाओं, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, स्वयं सहायता समूहों और निजी क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने भी इस सोच को और मजबूत किया है। यही कारण है कि कई परिवार अब लड़कियों की शादी 20 वर्ष या उससे अधिक आयु में करने को प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर या कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़ी हो सके। लेकिन यह बदलाव हर गांव, और हर परिवार तक एक जैसा नहीं पहुंचा है। जिन परिवारों पर गरीबी, सामाजिक भेदभाव और संसाधनों की कमी का दबाव सबसे अधिक है, वहां बाल विवाह का खतरा आज भी ज्यादा दिखाई देता है। ठञ्लर-5 के आंकड़े भी बताते हैं कि बाल विवाह की दर सबसे अधिक आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवारों, कम शिक्षित अभिभावकों और सामाजिक रूप से वंचित समुदायों में देखने को मिलती है।

भारत में दुग्ध उत्पादन की नई तस्वीर

देश के लाखों छोटे और सीमांत किसान तथा पशुपालक प्रतिदिन दूध बेचकर अपनी आय अर्जित करते हैं। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकारें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालन को आधुनिक बनाने तथा डेयरी उद्योग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी दिशा में बिहार सरकार भी श्वेत क्रांति को नई गति देने का प्रयास कर रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, उन्नत नस्ल के पशु, पशुपालकों का प्रशिक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा डेयरी अवसंरचना को मजबूत बनाया जा रहा है। नालंदा स्थित बिहारशरीफ डेयरी परियोजना परिसर में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही एवं लस्सी प्लांट, कॉमफेड संचालित पेट्रोल पंप तथा सुधा कैफेटेरिया का शिलान्यास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल दूध उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। पिछले कुछ दशकों में देश ने जिस प्रकार दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, उसे श्वेत क्रांति की सबसे बड़ी सफलता माना जाता है। दूध केवल पोषण का स्रोत नहीं बल्कि करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आजीविका का आधार भी है। देश के लाखों छोटे और सीमांत किसान तथा पशुपालक प्रतिदिन दूध बेचकर अपनी आय अर्जित करते हैं। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकारें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालन को आधुनिक बनाने तथा डेयरी उद्योग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी दिशा में बिहार सरकार भी श्वेत क्रांति को नई गति देने का प्रयास कर रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, उन्नत नस्ल के पशु, पशुपालकों का प्रशिक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा डेयरी अवसंरचना को मजबूत बनाया जा रहा है। नालंदा स्थित बिहारशरीफ डेयरी परियोजना परिसर में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही एवं लस्सी प्लांट, कॉमफेड संचालित पेट्रोल पंप तथा सुधा कैफेटेरिया का शिलान्यास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल दूध उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। इसी सोच के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए अलग फेडरेशन बनाने की घोषणा की गई है। बकरी के दूध के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था विकसित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत खुलेंगे। इसके साथ ही प्रत्येक प्रखंड में प्रधानमंत्री पशु जन औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां पशुपालकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी भारत की दुग्ध क्रांति की शुरूआत वर्ष 1970 में ऑपरेशन फ्लड से हुई थी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की इस महत्वाकांक्षी योजना ने देश को दूध के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। आज भारत विश्व के कुल दुग्ध उत्पादन में लगभग एक चौथाई से अधिक योगदान देता है। बढ़ती जनसंख्या और पोषण की जरूरतों को देखते हुए दुग्ध उत्पादन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। डेयरी क्षेत्र भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा उपक्षेत्र बन चुका है और इसका योगदान कई पारंपरिक कृषि फसलों से भी अधिक हो गया है। यदि राज्यों की बात करें तो भारत में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन राजस्थान में होता है। राजस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपनी स्थिति मजबूत की है। यहां का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 3 करोड़ 80 लाख टन के आसपास पहुंच चुका है। राज्य में बड़ी संख्या में गाय और भैंसों का पालन होता है तथा डेयरी सहकारी समितियों का मजबूत नेटवर्क किसानों को बाजार उपलब्ध कराता है। दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। यहां का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 3 करोड़ 70 लाख टन के आसपास है। उत्तर प्रदेश में भैंसों की संख्या देश में सबसे अधिक है और यही राज्य की सबसे बड़ी ताकत है। बड़ी ग्रामीण आबादी और पारंपरिक पशुपालन व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश को दुग्ध उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया है।

तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश आता है। राज्य का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 2 करोड़ 10 लाख टन है। पिछले कुछ वर्षों में यहां दुग्ध सहकारी समितियों का विस्तार, उन्नत नस्लों का विकास तथा पशुपालन योजनाओं के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चौथे स्थान पर गुजरात है, जहां अमूल मॉडल ने पूरे देश के लिए मिसाल पेश की है। गुजरात का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 90 लाख टन है। यहां सहकारी डेयरी आंदोलन ने लाखों किसानों, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। अमूल की सफलता ने भारतीय डेयरी क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाई है। पांचवें स्थान पर आंध्र प्रदेश है, जहां सालाना लगभग 1 करोड़ 80 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। आधुनिक डेयरी फार्म, उन्नत पशुपालन और सरकारी सहायता ने राज्य को तेजी से आगे बढ़ाया है। छठे स्थान पर महाराष्ट्र है, जहां वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 50 लाख टन है। राज्य में निजी और सहकारी दोनों प्रकार की डेयरियां सक्रिय हैं और दुग्ध प्रसंस्करण उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। सातवें स्थान पर पंजाब है। यहां सालाना लगभग 1 करोड़ 40 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। उच्च उत्पादकता वाली भैंसों और वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों के कारण पंजाब की प्रति पशु दूध उत्पादन क्षमता देश में सबसे अधिक मानी जाती है। आठवें स्थान पर हरियाणा है, जहां लगभग 1 करोड़ 30 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन होता है। मुर्रा भैंस जैसी उत्कृष्ट नस्लों ने हरियाणा को डेयरी क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाई है। नौवें स्थान पर बिहार आता है। बिहार का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 30 लाख टन के आसपास पहुंच चुका है और इसमें लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। कॉमफेड और ह्लसुधाह्व ब्रांड की सफलता ने राज्य के डेयरी क्षेत्र को नई दिशा दी है। सरकार की नई योजनाओं से आने वाले वर्षों में बिहार देश के अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्यों में और मजबूत स्थान बना सकता है। दसवें स्थान पर पश्चिम बंगाल है, जहां सालाना लगभग 80 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। राज्य में छोटे पशुपालकों की बड़ी संख्या डेयरी क्षेत्र को मजबूती प्रदान करती है। दुग्ध उत्पादन केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं है। इससे दही, घी, मक्खन, पनीर, लस्सी, आइसक्रीम, मिठाइयों और अनेक मूल्यवर्धित उत्पादों का विशाल उद्योग जुड़ा हुआ है। इस उद्योग से करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक होने के कारण डेयरी क्षेत्र महिला सशक्तिकरण का भी प्रभावी माध्यम बन गया है। आज भारत में कृत्रिम गभार्धान, उन्नत

पहाड़ियों के बीच रहस्यमयी शिवधाम : बालेश्वर महादेव मंदिर

कहीं शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ माना जाता है, कहीं उससे जुड़ी प्राचीन कथाएं लोगों की आस्था को और भी मजबूत बनाती हैं। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित बालेश्वर महादेव मंदिर भी ऐसा ही एक स्थान है, जो आस्था और रहस्य दोनों का अद्भुत संगम है। सीकर जिले के नीमकाथाना उपखंड मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर पहाड़ियों और हरियाली के बीच स्थित यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि अपने अनसुलझे रहस्य के कारण भी लोगों को आकर्षित करता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को स्वयंभू और अनंत माना जाता है। कहा जाता है कि इसकी गहराई आज तक कोई नहीं माप सका है। करीब 400 वर्ष पहले इस शिवलिंग की गहराई जानने के लिए खुदाई करवाई गई थी। लगभग 12.5 फीट नीचे तक खुदाई होने के बाद भी इसका अंतिम छोर नहीं मिला। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया और खुदाई रोकनी पड़ी। तभी से यह शिवलिंग अंतहीन माना जाता है और इसे भगवान शिव की अद्भुत लीला के रूप में देखा जाता है। सावन महीने और महाशिवरात्रि के समय इस मंदिर में हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं। साल भर में लगभग 6 से 7 लाख श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा में भगवान शिव का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के लगभग हर क्षेत्र में शिव मंदिरों की अपनी अलग-अलग कथाएं, रहस्य और चमत्कार प्रचलित हैं। कहीं शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ माना जाता है, कहीं उससे जुड़ी प्राचीन कथाएं लोगों की आस्था को और भी मजबूत बनाती हैं। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित बालेश्वर महादेव मंदिर भी ऐसा ही एक स्थान है, जो आस्था और रहस्य दोनों का अद्भुत संगम है। सीकर जिले के नीमकाथाना उपखंड मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर पहाड़ियों और हरियाली के बीच स्थित यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि अपने अनसुलझे रहस्य के कारण भी लोगों को आकर्षित करता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को स्वयंभू और अनंत माना जाता है। कहा जाता है कि इसकी गहराई आज तक कोई नहीं माप सका है। करीब 400 वर्ष पहले इस शिवलिंग की गहराई जानने के लिए खुदाई करवाई गई थी। लगभग 12.5 फीट नीचे तक खुदाई होने के बाद भी इसका अंतिम छोर नहीं मिला। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया और खुदाई रोकनी पड़ी। तभी से यह शिवलिंग अंतहीन माना जाता है और इसे भगवान शिव की अद्भुत लीला के रूप में देखा जाता है। सावन महीने और महाशिवरात्रि के समय इस मंदिर में हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं। साल भर में लगभग 6 से 7 लाख श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। पहाड़ियों के बीच स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत अनुभव कराता है। राजस्थान के सीकर जिले का यह क्षेत्र अरावली पर्वतमाला के निकट स्थित है। नीमकाथाना से लगभग 10 किलोमीटर दूर पहाड़ियों के बीच बसे इस मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और मनमोहक है। मंदिर के चारों ओर हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम दिखाई देता है। बरसात के मौसम में यहां का दृश्य और भी मनोहारी हो जाता है। पहाड़ियों से बहती ठंडी हवा और आसपास फैली हरियाली श्रद्धालुओं के मन को शांति प्रदान करती है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यह किसी शहर के शोर-शराबे से दूर, प्रकृति की गोद में स्थित है। इसलिए यहां आने वाले भक्त केवल पूजा ही नहीं करते बल्कि आध्यात्मिक शांति का अनुभव भी करते हैं। पहाड़ियों के बीच स्थित होने के कारण यहां का वातावरण हमेशा ठंडा और सुखद रहता है। सावन के महीने में जब भक्त कांवड़ लेकर जलाभिषेक करने आते हैं, तब पूरा क्षेत्र भक्ति और उत्साह से भर जाता है। बालेश्वर महादेव मंदिरह्व का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। मंदिर परिसर में स्थापित गणेश प्रतिमा के नीचे प्राकृत भाषा में लिखा एक शिलालेख मौजूद है, जो इस मंदिर की प्राचीनता को दशार्ता है। इतिहासकारों और स्थानीय परंपराओं के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण सूर्यवंशी राजाओं द्वारा करवाया गया था। हालांकि मंदिर के निर्माण की सटीक तिथि का उल्लेख नहीं मिलता है, लेकिन माना जाता है कि यह मंदिर कई शताब्दियों पुराना है। समय के साथ इस मंदिर का कई बार जीर्णोद्धार भी किया गया। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के सहयोग से मंदिर की संरचना को सुरक्षित रखा गया है। मंदिर के पुजारी पंडित कौशलदत्त शर्मा के अनुसार, यहां स्थापित शिवलिंग को भगवान शिव के बालस्वरूप के रूप में पूजा जाता है। इसी कारण इस मंदिर का नाम ह्लबालेश्वर महादेवह्व पड़ा। ह्लबालेश्वर महादेव मंदिरह्व का सबसे बड़ा आकर्षण यहां स्थापित शिवलिंग है, जिसे स्वयंभू शिवलिंग माना जाता है। हिन्दू धर्म में स्वयंभू शिवलिंग का विशेष महत्व होता है। स्वयंभू का अर्थ होता है, जो स्वयं प्रकट हुआ हो। माना जाता है कि ऐसे शिवलिंग किसी मनुष्य द्वारा स्थापित नहीं किए जाते हैं, बल्कि वे प्राकृतिक रूप से धरती से प्रकट होते हैं। बालेश्वर महादेव का शिवलिंग भी इसी प्रकार का माना जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह शिवलिंग स्वयं धरती से प्रकट हुआ था और तभी से यहां भगवान शिव की पूजा की जा रही है। इस शिवलिंग की विशेषता यह है कि इसकी गहराई का आज तक पता नहीं चल पाया है। यही कारण है कि इसे अनंत शिवलिंग कहा जाता है। लगभग 400 वर्ष पहले मंदिर के पुजारियों और स्थानीय लोगों के मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि आखिर इस शिवलिंग की गहराई कितनी है। इस रहस्य को जानने के लिए उन्होंने शिवलिंग के आसपास खुदाई करवाने का निर्णय लिया। कई मजदूरों और कारीगरों की मदद से खुदाई का काम शुरू किया गया। खुदाई करते-करते लगभग 12.5 फीट तक जमीन खोदी गई, लेकिन आश्चर्य की बात यह थी कि शिवलिंग का आधार अब भी दिखाई नहीं दिया। जब खुदाई और गहराई तक करने की तैयारी चल रही थी, तभी अचानक वहां मधुमक्खियों का बड़ा झुंड आ गया। मधुमक्खियों ने मजदूरों और लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद लोग इसे भगवान शिव का संकेत मानकर डर गए और खुदाई तुरंत रोक दी गई। तब से यह मान्यता प्रचलित हो गई कि यह शिवलिंग अंतहीन है और इसकी गहराई मापना संभव नहीं है। मंदिर के पीछे एक और रहस्य मौजूद है, जो लोगों को आश्चर्य में डाल देता है। यहां एक गुलर के पेड़ की जड़ में एक कुंड स्थित है। इस कुंड से लगातार पानी निकलता रहता है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि इस कुंड के पानी का स्रोत आज तक कोई नहीं जान पाया है। वैज्ञानिकों और स्थानीय लोगों ने कई बार यह जानने की कोशिश की कि आखिर इस पानी का स्रोत क्या है, लेकिन इसका स्पष्ट उत्तर आज तक नहीं मिल सका।

गुजरात का नया समुद्री सपना

कांतिलाल मांडोत

भारत का समुद्री इतिहास सदियों पुराना रहा है। प्राचीन काल से ही गुजरात के बंदरगाह व्यापार और समुद्री गतिविधियों के प्रमुख केंद्र रहे हैं। लोथल जैसे ऐतिहासिक बंदरगाह इस बात के प्रमाण हैं कि गुजरात की पहचान समुद्र से जुड़ी रही है। आज जब भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत उद्योग को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसी सोच के साथ गुजरात सरकार ने गुजरात शिपबिल्डिंग एवं शिप रिपेयर पॉलिसी-2026 लागू की है। यह केवल एक औद्योगिक नीति नहीं बल्कि राज्य को विश्वस्तरीय समुद्री विनिर्माण केंद्र बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। लगभग 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाले इस प्रोजेक्ट से गुजरात की अर्थव्यवस्था, रोजगार, निर्यात और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। गुजरात पहले से ही भारत का सबसे लंबा समुद्री तट रखने वाला राज्य है। लगभग 2340 किलोमीटर लंबी तटरेखा, आधुनिक बंदरगाहों का मजबूत नेटवर्क, विकसित औद्योगिक आधार और व्यापार के अनुकूल वातावरण ने इसे देश के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री राज्यों में शामिल किया है। यही कारण है कि जहाज निर्माण उद्योग के विस्तार के लिए गुजरात को सबसे उपयुक्त स्थान माना जा रहा है। नई नीति इसी प्राकृतिक और औद्योगिक क्षमता का लाभ उठाने का प्रयास है। इस नीति के तहत पोरबंदर जिले के कुछडी क्षेत्र में एक मेगा ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। कुल 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश में लगभग 23,700 करोड़ रुपये निजी निवेश के रूप में आएंगे, जबकि लगभग 3,300 करोड़ रुपये साझा समुद्री और भूमि आधारित आधारभूत ढांचे के विकास पर खर्च किए जाएंगे। केंद्र और राज्य सरकार दोनों इस परियोजना को वित्तीय सहयोग प्रदान करेंगे। यह निवेश केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके आसपास अनेक सहायक उद्योगों और सेवा क्षेत्रों का भी विकास होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता दो इंटीग्रेटेड मेगा शिपबिल्डिंग पार्कों का निर्माण है। इन पार्कों में अत्याधुनिक शिपयार्ड, मरीन उपकरण निर्माण इकाइयां, परीक्षण केंद्र, अनुसंधान संस्थान, लॉजिस्टिक्स सुविधाएं तथा कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे जहाज निर्माण की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी और उद्योगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे उत्पादन लागत कम होगी, समय की बचत होगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी बढ़ेगी। नई नीति का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य राज्य की जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 50 लाख डेडवेट टनेज से अधिक करना है। वर्तमान समय में वैश्विक व्यापार का अधिकांश हिस्सा समुद्री मार्ग से होता है। जहाजों की बढ़ती मांग को देखते हुए यदि भारत अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाता है तो विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम होगी और निर्यात के नए अवसर भी पैदा होंगे। गुजरात इस दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनने की क्षमता रखता है। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ रोजगार के रूप में सामने आएगा। सरकार का लक्ष्य पांच लाख से अधिक युवाओं को कौशल विकास और क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण देना है। जहाज निर्माण एक ऐसा उद्योग है जिसमें इंजीनियर, तकनीशियन, वेल्डर, मशीन ऑपरेटर, डिजाइन विशेषज्ञ, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञ और प्रबंधन से जुड़े हजारों पेशेवरों की आवश्यकता होती है। इसके साथ-साथ परिवहन, होटल, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सेवा क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसका सीधा लाभ स्थानीय युवाओं और छोटे व्यवसायों को मिलेगा। गुजरात मैरीटाइम बोर्ड इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है। इसमें विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ब्रेकवाटर, फ्लोटिंग क्रेन, हेवी लिफ्ट जहाज, ड्रेजिंग, हार्बर बेसिन, नेविगेशन चैनल, सड़क संपर्क, बिजली, जलापूर्ति और आधुनिक संचार व्यवस्था जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह आधारभूत ढांचा भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा, जिससे लंबे समय तक उद्योगों को लाभ मिल सके। सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अनेक वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों की भी घोषणा की है।

पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को नमन, 30 पूर्व सैनिक व 10 वीर नारियां सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शहर के भिखारी ठाकुर आर्ट गैलरी सह प्रेक्षागृह में आयोजित शौर्य संबंध पूर्व सैनिक रैली देशभक्ति, सम्मान और सैनिकों के अदम्य साहस की भावनाओं से सराबोर रही। कार्यक्रम में झारखंड एवं बिहार सब एरिया के मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके परिजनों को सम्मानित करते हुए कहा कि बिहार की धरती वीरों की भूमि है। यहां के सैनिकों ने राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा में सदैव अद्वितीय योगदान दिया है और भारतीय सेना के इतिहास में उनका योगदान स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। उन्होंने सेना और सैनिकों के अटूट रिश्ते को रेखांकित करते हुए कहा कि इच्छक एक नारा नहीं, सदैव सैनिकहृदय केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारतीय सेना की परंपरा और रेजीमेंटल भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सैनिक वर्दी में रहते हुए ही नहीं, बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी जीवनभर राष्ट्र सेवा और अनुशासन के प्रतीक बने रहते हैं। मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने वीर नारियों और शहीदों के परिवारों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनका त्याग केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का बलिदान है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सब एरिया, बिहार राज्य सैनिक बोर्ड, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय एवं नागरिक प्रशासन के समन्वय से पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा उनके पुनर्वास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व सैनिकों से डिजिटल सेवाओं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एक-दूसरे तक पहुंचाने तथा युवाओं को सेना में भर्ती होकर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों और वीर नारियों का सम्मान करना समाज का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिक केवल सीमाओं के प्रहरी नहीं, बल्कि अनुशासन, त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति के जीवंत प्रेरणास्रोत हैं, जिनसे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बिहार राज्य पूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय के माध्यम से 80 वर्ष से अधिक आयु के 30 पूर्व सैनिकों को 24-24 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई है, जबकि शहीद सैनिकों के आश्रितों को भी अनुग्रह अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र वाजपेयी ने कहा कि भारतीय सेना का अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण ही देश की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने वीर सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा समाज उनके त्याग का सदैव ऋणी रहेगा। इस समारोह में सेना के जवानों ने बैंड और म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट के साथ राष्ट्रगान का धुन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी एवं अवकाश प्राप्त कर्नल मनीष कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस मैक्स लाइफ के अधिकारियों ने सैनिक परिवारों को बैंकिंग सेवाओं, पेंशन, बीमा एवं सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा उनका लाभ उठाने की अपील की। बिहार रेजीमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल सुधीर रंजन ने सैनिक परिवारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारतीय सेना अपने प्रत्येक सैनिक और उसके परिवार के साथ सदैव मजबूती से खड़ी है। समारोह के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 30 पूर्व सैनिकों को 24-24 हजार रुपये का सम्मान चेक, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया, जबकि 10 वीर नारियों को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र वाजपेयी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार, उप विकास आयुक्त लक्ष्मण तिवारी, जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल (अवकाश प्राप्त) मनीष कुमार, लेफ्टिनेंट कर्नल एस. मोहंती, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के जितेंद्र कुमार, राकेश खालको, धीरज कुमार सहित सारण प्रमंडल के तीनों जिलों के बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियां, सैनिक परिवार, प्रशासनिक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति, सम्मान और सैनिक गौरव की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी

सारण में डेंगू के केवल 8 मरीज, फिर भी हाई अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग, फॉगिंग, जांच और विशेष वार्ड की पूरी व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बरसात के मौसम में डेंगू के बढ़ते खतरे को देखते हुए सारण जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। हालांकि राहत की बात यह है कि वर्ष 2026 में अभी तक जिले में डेंगू के केवल 8 मरीज ही सामने आए हैं। लेकिन इसके बावजूद संभावित संक्रमण को रोकने के लिए सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर बचाव एवं नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम तथा ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से फॉगिंग कराई जा रही है। साथ ही सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में जांच किट, दवाइयों और उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी (एमओआईसी) एवं प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधकों (बीएचएम) को आवश्यक दिशा- निर्देश जारी किया गया है। क्योंकि डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में शत- प्रतिशत फॉगिंग कराने, संदिग्ध मरीजों की तत्काल जांच तथा उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि डेंगू से घबराने के बजाय सतर्क रहें और अपने घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने दें। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीडीसीओ) डॉ. भूपेंद्र कुमार ने बताया कि बरसात के मौसम में डेंगू फैलने की आशंका अधिक रहती है। ऐसे में जागरूकता और समय पर बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि डेंगू की जांच एवं इलाज की पूरी व्यवस्था जिले में उपलब्ध है तथा सभी अस्पतालों में अलग से डेंगू वार्ड बनाए गए हैं। प्रभावित इलाकों में नियमित रूप से फॉगिंग कराई जा रही है, ताकि मच्छरों की संख्या पर नियंत्रण रखा जा सके। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े डीबीबीडीसी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि डेंगू विश्व स्तर पर गंभीर बीमारी बन चुका है। हर वर्ष लाखों लोग इसकी चपेट में आते हैं। उन्होंने बताया कि डेंगू मादा एडीज मच्छर के काटने से होता है, जो गंदे नहीं बल्कि साफ पानी में पनपता है। इसलिए घरों की छत, कूलर, गमले, टायर, पानी की टंकियों और अन्य बर्तनों में पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि डेंगू के दौरान मरीज के शरीर में प्लेटलेट्स तेजी से कम हो सकते हैं, इसलिए बुखार आने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए। वीडीसीओ सह डेंगू की जिला नोडल पदाधिकारी सुमन कुमारी ने बताया कि सदर अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए 10 बेड का विशेष वार्ड तैयार किया गया है। इसके अलावा जिले के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 5- 5 बेड सुरक्षित रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन लोगों को लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। समय पर जांच, चिकित्सकीय परामर्श और साफ-सफाई से इस बीमारी पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष-2023 में जिले में 883 डेंगू मरीज मिले थे। वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर 213 रह गई, जबकि वर्ष 2025 में केवल 91 मरीज सामने आए। वर्ष 2026 में अभी तक मात्र 8 मरीजों की पुष्टि हुई है। विभाग के अनुसार यह सभी मरीज मूल रूप से सारण जिले के निवासी हैं, लेकिन संक्रमण दूसरे जिले अथवा राज्य में होने के बाद यहां इलाज के लिए पहुंचे हैं। वर्तमान में सोनपुर में 2, सदर प्रखंड में 2, मकेर, जलालपुर, एकमा और दरियापुर में 1-1 मरीज उपचाराधीन हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि विभागीय सतर्कता, नियमित फॉगिंग, जनजागरूकता और त्वरित उपचार व्यवस्था के कारण जिले में डेंगू के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

मिठाई दुकान का ताला तोड़ गैस सिलिंडर एवं बर्तन की चोरी

पानापुर (सारण)मंगलवार की रात चोरों ने थाना क्षेत्र के सतजोड़ा बाजार स्थित एक मिठाई दुकान का ताला तोड़ दो गैस सिलिंडर, एक बड़ा गैस चूल्हा, मिक्सर मशीन, मोबाइल चार्जर सहित दुकान के बर्तनों की चोरी कर ली।पीड़ित दुकानदार चकिया गांव निवासी वीरबहादुर कुमार रावत को इस चोरी का पता तब लगा जब वह सुबह में अपनी दुकान खोलने पहुंचा।दुकान के गायब सामान देख उसके होश उड़ गये। चोरों ने बगल स्थित मनोज कुमार सिंह के खाद दुकान, अजय चौरसिया के जेनरल स्टोर एवं मनोज कुशवाहा के इलेक्ट्रोनिक्स दुकान के भी ताले तोड़ने का प्रयास किए लेकिन वे अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाये।बाजार के दुकानदारों ने बताया कि चोरी की यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद है।इस मामले में पीड़ित दुकानदार के आवेदन के आलोक में पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है.थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 600 लीटर कच्चा स्प्रिट बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

परसा। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करों द्वारा लगातार शराब की तस्करी की जा रही है इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर प्रसाद पुलिस में सगुनी फुलवरिया नहर के पूरे छपरा के समीप 20 लीटर वाले प्लास्टिक के पेट के 30 डिब्बे में झाड़ी में छुपा कर रखे गए 600 कच्चा स्प्रिट को जप्त कर लिया. वही पुलिस देख एक शराब तस्कर भागने लगा जिसको पुलिस बल ने खरीद कर पकड़कर थाना लाया गया. पूछताछ के बाद बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए गुरुवार छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया गया गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान थाना क्षेत्र के पूरे छपरा गांव निवासी स्वर्गीय राम अयोध्या सिंह का पुत्र नागेंद्र सिंह बताया जाता है।

सारण में विगत 24 घंटे में 62 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर।वरीय पुलिस अधीक्षक विनीतबकुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण,निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 29 जुलाई को विशेष अभियान चलाया गया।इस अभियान में कुल-62 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें वारंट में 21, शराब कारोबार में 11, शराब सेवन में 7, आई टी एक्ट में 8,हत्या के प्रयास में 3,धोखाधड़ी में 3, एनडीपीएस, एक्ट में 2,चोरी में 1, गृहभेदन में 1, खनन में 1तथा अन्य कांडो में 4 अभियुक्त शामिल है ।वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-58 वाहनों से 75,500 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-813 लीटर, मोटरसाईकिल-01, ब्लूटूथ डिवाईस-03, स्मैक-20.71 ग्राम, मोबाईल-09, आधार कार्ड-02, एडमिट कार्ड-02, वॉकीटॉकी-02, बैटरी वॉकीटॉकी-01, हेडफोन-01, चार्जर वॉकीटॉकी-02, कार-01, नगद राशि-60,490 रुपए, पीला बालू ट्रैक्टर-02 एवं अपहृता-03 बरामद किए गए।

प्रेमी युगल का मंदिर में हुआ विवाह, ग्रामीणों की पहल और परिवारों की सहमति बनी मिसाल

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा प्रखंड के बगौड़ा शिवाले स्थित शिव मंदिर में गुरुवार को एक प्रेमी युगल का विवाह पूरे हिंदू रीति-रिवाज और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न कराया गया। वर्षों से प्रेम संबंध में रहे युवक और युवती के रिश्ते को ग्रामीणों की पहल तथा दोनों परिवारों की सहमति मिलने के बाद भगवान भोलेनाथ को साक्षी मानकर सात फेरे दिलाए गए। इस अनोखी पहल की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक-युवती एक ही गांव के निवासी हैं और लंबे समय से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। दोनों विवाह करना चाहते थे, लेकिन सामाजिक परिस्थितियों के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। जब ग्रामीणों और गांव के बुद्धिजीवियों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने दोनों परिवारों से बातचीत कर उन्हें विवाह के लिए राजी किया। कई दौर की चर्चा के बाद दोनों परिवारों ने सहमति दे दी। इसके बाद ग्रामीणों ने शादी की पूरी जिम्मेदारी अपने हाथों में ली। सभी ने मिलकर वरमाला, विवाह का जोड़ा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। बगौड़ा शिवाले स्थित शिव मंदिर को सजाया गया, जहां पंडित ने विधि-विधान से विवाह की सभी रस्में संपन्न कराईं। भगवान भोलेनाथ को साक्षी मानकर वर-वधू ने सात फेरे लिए और युवक ने युवती की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी जीवनसंगिनी बनाया। विवाह समारोह में युवती की मां, बहन सहित दोनों परिवारों के सदस्य तथा गांव के कई सम्मानित लोग उपस्थित रहे। विवाह के बाद नवदंपती ने माता-पिता, बुजुर्गों और उपस्थित ग्रामीणों का आशीर्वाद लिया। सभी ने उनके सुखद एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अनोखे विवाह की खबर आसपास के गांवों में फैलते ही लोगों के बीच इसकी चर्चा शुरू हो गई। चौक-चौराहों और बाजारों में लोग ग्रामीणों की इस पहल की सराहना करते नजर आए। लोगों का कहना है कि प्रेम संबंध को परिवारों की सहमति और सामाजिक स्वीकृति के साथ विवाह का रूप देना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है, जिससे आपसी समझ, सहमति और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा मिलता है।

विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के खिलाफ राजेन्द्र कॉलेज शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों ने किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। प्रस्तावित बिहारविश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के विरोध में गुरुवार को राजेन्द्र कॉलेज परिसर में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों द्वारा प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में फुसटाब के प्रदेश उपाध्यक्ष सह एमएलसी प्रो विरेन्द्र नारायण यादव ने भाग लेते हुए शिक्षकों से आह्वान किया कि प्रस्तावित कानून शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय के स्वायत्तता के साथ खिलाफ है। अतः विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मियों को सजग रहने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि बिहार में विश्वविद्यालयों के संचालन के लिए बना 50 साल पुराना कानून अब बदलने वाला है। सरकार आगामी मानसून सत्र में नया विधेयक लाने की तैयारी कर रही थी लेकिन शिक्षकों एवं प्रतिनिधियों के दबाव में तत्काल इसे स्थगित किया गया।

इस नए विधेयक के पास होते ही बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 और पटना विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। इनकी जगह ह्यबिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026ह्ण प्रभावी होगा। इसका प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। प्रस्तावित कानून में कॉलेज शिक्षकों के लिए कड़े नियम हो सकते हैं।

उनकी सेवा शर्तें सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों जैसी होगी। अगर यह ड्राफ्ट बिना किसी बदलाव के लागू होता है, तो कॉलेज शिक्षकों के चुनाव लड़ने और किसी राजनीतिक दल का सदस्य बनने पर पूरी तरह रोक लग सकती है। इसके अलावा, कॉलेजों के यूनिवर्सिटी से अलग होने पर कॉलेज शिक्षकों के यूनिवर्सिटी प्रोफेसर बनने की संभावनाओं पर भी असर पड़ सकता है। ड्रॉफ्ट में कोई संशोधन नहीं हुआ तो नए कानून के लागू होने के बाद राज्य के सभी विश्वविद्यालय एक ही एक्ट के तहत आ जाएंगे। वर्तमान में अलग-अलग विश्वविद्यालयों के लिए अलग व्यवस्थाएं हैं। हालांकि, जो विशेष विश्वविद्यालय किसी विशेष उद्देश्य के लिए बने हैं, वे अपने पुराने नियमों से ही संचालित होंगे। लोक भवन ने इस विधेयक का प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार कर उच्च शिक्षा विभाग को भेज दिया है।

इस मौके पर प्राचार्य प्रो संजय कुमार उपस्थित थे। राजेन्द्र कॉलेज में हुए इस प्रदर्शन में एमएलसी प्रो वीरेंद्र नारायण यादव के साथ कॉलेज शिक्षक संघ के सचिव डॉ प्रशांत कुमार सिंह, शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के हरिहर मोहन के साथ कॉलेज के सभी शिक्षक एवं कर्मी शामिल हुए।

शहर में Blinkit की धमाकेदार एंट्री, अब मिनटों में घर पहुंचेगा रोजमर्रा का सामान: राखी गुप्ता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शहरवासियों को अब रोजमर्रा की खरीदारी के लिए बाजारों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। देश की अग्रणी क्विक कॉमर्स कंपनी इ/ल्ल/३ ने गुरुवार को छपरा में अपनी सेवाओं का औपचारिक शुभारंभ कर दिया। इसके साथ ही शहर के लोग अब मोबाइल ऐप के माध्यम से किराना, फल-सब्जियां, डेयरी उत्पाद, दवाइयां तथा दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं घर बैठे ही कम समय में मंगा सकेंगे। शहर में इ/ल्ल/३ के शोरूम एवं सेवा केंद्र का उद्घाटन पूर्व महापौर राखी गुप्ता, समाजसेवी वरुण प्रकाश तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि इ/ल्ल/३ जैसी आधुनिक त्वरित डिलीवरी सेवा के शुरू होने से छपरा भी तेजी से डिजिटल और स्मार्ट शहरों की श्रेणी में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली में समय सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है और ऐसी सेवाएं लोगों का समय बचाने के साथ उनकी सुविधा को भी बढ़ाएंगी। Blinkit शोरूम का उद्घाटन करते हुए पूर्व महापौर राखी गुप्ता ने बताया कि ग्राहक मोबाइल ऐप के जरिए कुछ ही क्लिक में ऑर्डर कर सकते हैं। कंपनी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की तेज डिलीवरी, भरोसेमंद सेवा और बेहतर ग्राहक अनुभव उपलब्ध कराना है। साथ ही इस सेवा से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि छपरा में सेवा शुरू होने के साथ ही शहर अब उन प्रमुख शहरों की सूची में शामिल हो गया है, जहां क्विक कॉमर्स की सुविधा उपलब्ध है। इससे उपभोक्ताओं को खरीदारी का तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। उद्घाटन समारोह में वीरेंद्र कुमार, सुपन बिहारी, संजय मिश्रा, राजीव सोनी, जयंत कुमार, संजय कुमार बालाजी, चुनना जी, प्रशांत कुमार, चंदन कुमार, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. अमित चौधरी, श्रीराम सेवा के कृष्ण कन्हैया मिश्रा, इ/ल्ल/३ के सीनियर मैनेजर अभिषेक सिंह, एचआर हेड सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं शहरवासी उपस्थित रथे । कार्यक्रम में सभी ने छपरा में आधुनिक ई-कॉमर्स सेवाओं के विस्तार का स्वागत करते हुए इसे शहर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

मोबाइल वाहन द्वारा परिवार नियोजन की दी गयी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)प्रखंड के भोरहा पंचायत में गुरुवार को आशा कार्यकर्ताओ एवं फैसिलेटर को परिवार नियोजन के बारे में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।जननी एवं मोबियस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आकार परियोजना के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन बिसीएम परवेज रजा एवं जननी के जिला क्षेत्र समन्वयक पवन कुमार ने किया।जननी के क्षेत्र समन्वयक पवन कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर की आशा कार्यकताओं को परिवार नियोजन के लाभों और इससे संबंधित स्थायी एवं अस्थायी उपायों की जानकारी को सरल और सुगम भाषा में आम जनता तक पहुंचाने के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि लोगों को छोटे परिवार के फायदे के विषय में जागरूक किया गया वही दो बच्चों के जन्म के बीच अंतराल रखने की आवश्यकता और इससे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में जानकारी साझा की गयी।बाद में मोबाइल वैन टेलीविजन वीडियो के माध्यम से घर घर जाकर महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया एवं स्थायी एवं अस्थायी साधन का वितरण किया गया।

इस मौके पर एएनएम सुमन प्रिया, सीएचओ सरोज कुमार , गीता देवी ,सब्या प्रवीण सहित अन्य आशा कार्यकर्त्ता उपस्थित थी।

लिखित परीक्षा में ब्लूटूथ डिवाइस से कदाचार का प्रयास विफल कर 03 गिरफ्तार

छपरा सदर। 29 जुलाई को बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग, बिहार पटना द्वारा आयोजित गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक अनुदेशक के पद पर लिखित परीक्षा का संचालन सारण जिला के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर किया जा रहा था। परीक्षा के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निदेशानुसार परीक्षा केंद्रों पर कदाचार रोकने हेतु सघन जांच अभियान चलाया गया।इसी क्रम में नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छपरा के जगलाल राय कॉलेज राउजा परीक्षा केंद्र पर परीक्षा के दौरान वीक्षक द्वारा एक परीक्षार्थी राज कुमार को प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से कदाचार करते हुए पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त परीक्षार्थी परीक्षा में अवैध सहायता प्राप्त कर रहा था।

सांसद रूडी के प्रयास से हुआ आयुष्मान कार्ड का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय प्रखंड के पिरारीडीह पंचायत के पट्टीशीतल शिक्षक मुन्ना सिंह के आवास पर सांसद राजीव प्रताप रूडी के सहयोग से एल. एन. जी पेट्रोनेट और रूरल युथ कोऑडिनेशन अमनौर के द्वारा 279 आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया ।ज्ञात हो कि इसी स्थान पर कुछ दिन पहले सांसद रूडी के निर्देश पर ही उनके टीम द्वारा लोगो का निशुल्क पंजीकरण किया गया था वही अब कार्ड बन जाने पर लोगो को सांसद रूडी के निर्देश पर उसी स्थान पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश कुमार सिंह मुखिया पप्पू सिंह पंकज सिंह के द्वारा वितरण किया गया इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश कुमार सिंह और वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक सिंह ने कहा की सांसद रूडी हमेशा लोगो के जनहित के कार्य करते रहते है और सभी लोगो तक सरकारी लाभ पहुँचे इसके लिए गाँव गाँव कैंप लगाकर निशुल्क कार्ड बनाया जा रहा है और वितरण किया जा रहा है और सभी समाज के लोग को विपरीत परिस्थिति मे इसका लाभ मिल रहा है इस अवसर पर जीतेन्द्र सिंह सुबोध सिंह अमन तिवारी मोनू सिंह सुमंत बाबा विकास सिंह उमेश महतो आरायण अशोक सिंह सहित बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित थे सभी लोगो ने इस कार्य के लिए सांसद राजीव प्रताप रूडी को धन्यवाद दिया।

समरसता संकल्प अभियान के तहत पुजारी बबुआ जी महाराज सम्मानित

डोरीगंज। संतशिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 (माघ पूर्णिमा) तक समरसता संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से गुरु रविदास के समरसता, समानता एवं सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। पार्टी के निर्देशानुसार गुरुपूर्णिमा के अवसर पर जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को चिरांद स्थित रशिक शिरोमणि मंदिर (अयोध्या मठिया) के पुजारी बबुआ जी महाराज को भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष हरेश्वर सिंह ने अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

जेपी विश्वविद्यालय ने जारी की द्वितीय मेधा सूची, 1 से 6 अगस्त तक होगा नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय (जेपीयू) प्रशासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2026-30 में नामांकन को लेकर अधिसूचना जारी की है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार द्वितीय मेधा सूची 31 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

इस सूची में चयनित अभ्यर्थी 1 अगस्त से 6 अगस्त 2026 तक संबंधित महाविद्यालयों में अपना नामांकन करा सकेंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण प्रकोष्ठ (डीएसडब्ल्यू) की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार अभ्यर्थियों को नामांकन के समय डाउनलोड किया गया आवेदन पत्र, अलॉटमेंट लेटर, मैट्रिक एवं इंटर की अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र, विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र (एसएलसी/सीएलसी), आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। आरक्षित वर्ग, दिव्यांग एवं ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को संबंधित प्रमाण-पत्र भी साथ लाना अनिवार्य होगा।

नामांकन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से करना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के भीतर नामांकन नहीं कराने वाले अभ्यर्थियों की सीट स्वतः रिक्त मानी जाएगी और उसे आगामी मेधा सूची के अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी चयनित छात्रों से अपील की है कि वे समय-सीमा का पालन करते हुए निर्धारित प्रक्रिया पूरी करें तथा किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट एवं हेल्पडेस्क से संपर्क करें। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राणा विक्रम सिंह के हस्ताक्षर से जारी इस अधिसूचना में नामांकन प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया है।

इसुआपुर के बीडीओ ने तीसरे दिन भी काली पट्टी बांधकर किया कार्य, अधिकारियों की सुरक्षा की उठाई मांग

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। सारण जिले में विधि-व्यवस्था ड्यूटी के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के दो अधिकारियों पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में बिहार ग्रामीण विकास सेवा संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर इसुआपुर के बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह ने गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बांह पर काली पट्टी बांधकर अपने सरकारी दायित्वों का निर्वहन किया। सांकेतिक विरोध के बावजूद प्रखंड कार्यालय में सभी सरकारी कार्य सामान्य रूप से संचालित होते रहे।जिससे आम लोगों को सरकारी सेवाओं में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। बीडीओ ने बताया कि 25 जुलाई को सारण में विधि-व्यवस्था संधारण के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के दो अधिकारियों पर हुए हिंसक हमले में दोनों अधिकारी घायल हो गए थे। इस घटना के बाद राज्य भर के ग्रामीण विकास अधिकारियों में आक्रोश व्याप्त है। इसी के विरोध में बिहार के सभी प्रखंडों में अधिकारी काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण एवं सांकेतिक विरोध जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को अक्सर संवेदनशील परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है। ऐसे में उन पर होने वाले हमले न केवल उनका मनोबल कमजोर करते हैं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। इसलिए अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। बीडीओ ने बताया कि यह आंदोलन पूरी तरह सांकेतिक है और इसका उद्देश्य केवल अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना है। विरोध प्रदर्शन के दौरान सभी सरकारी कार्यालयों में कार्य सामान्य रूप से जारी हैं। ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। बिहार ग्रामीण विकास सेवा संघ ने सारण की घटना की कड़ी निंदा करते हुए राज्य के मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा ग्रामीण विकास अधिकारियों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

विकास की राजनीति नहीं, विकास की प्रतिबद्धता जरूरी जनहित के लिए आगे आएं सभी पार्षद : महापौर

- छपरा को नई पहचान देने का समय, जनप्रतिनिधि और जनता मिलकर लिखें विकास की नई इबारत : लक्ष्मी नारायण गुप्ता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा नगर निगम के महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने शहर के समग्र विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, पार्षदों एवं नागरिकों से सकारात्मक सोच और आपसी सहयोग के साथ आगे आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर आम नागरिकों तक विकास का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की रचनात्मक भागीदारी और सहयोग आवश्यक है। महापौर ने कहा कि नगर निगम की बोर्ड बैठक लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण मंच है, जहां शहर के विकास से जुड़े बड़े निर्णय लिए जाते हैं। सड़क निर्माण, नाला निर्माण, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित योजनाएं बोर्ड की स्वीकृति के बाद ही आगे बढ़ती हैं। ऐसे में बैठकों में बार-बार होने वाले हंगामे और व्यवधान से विकास कार्य प्रभावित होते हैं, जिसका सीधा नुकसान शहर की जनता को उठाना पड़ता है।उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी विकास योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए बोर्ड की स्वीकृति आवश्यक होती है। इसलिए जनहित के मुद्दों पर राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय लेना समय की आवश्यकता है। विकास कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न करना शहर के हित में नहीं है। महापौर ने छपरावासियों से भी भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने वार्ड पार्षदों से विकास कार्यों में सहयोग करने का आग्रह करें, ताकि नगर निगम की बैठकों में स्वस्थ, शांतिपूर्ण और सकारात्मक वातावरण बने तथा जनहित की योजनाओं को समय पर स्वीकृति मिल सके। उन्होंने कहा कि छपरा नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। यदि सभी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत मतभेद और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर एकजुट होकर कार्य करें, तो शहर का विकास और अधिक तेज गति से होगा। महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि जनता और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक सहयोग से छपरा नगर निगम विकास के नए आयाम स्थापित करेगा तथा शहर को बेहतर आधारभूत सुविधाओं से युक्त एक आदर्श नगर के रूप में विकसित करने का लक्ष्य शीघ्र पूरा किया जाएगा।

चेहल्लुम और स्वतंत्रता दिवस पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

शांति समिति की बैठक में अधिकारियों ने दिए सौहार्द और सुरक्षा के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो (आरा)। अनुमंडल कार्यालय सभागार में गुरुवार को चेहल्लुम पर्व एवं आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय ने की। बैठक में दोनों आयोजनों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर व्यापक चर्चा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि चेहल्लुम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं शांति समिति के सदस्यों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को समय पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने, सरकारी भवनों की साफ-सफाई, ध्वजारोहण कार्यक्रम की व्यवस्था तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी शम्भु भरद्वाज, पीरो बीडीओ अशोक कुमार, पीरो सीओ रवि कुमार, चरपोखरी सीओ प्रिंस प्रकाश, चरपोखरी बीडीओ कुमार विमलादित्य, तरारी बीडीओ कुंदन कुमार, तरारी सीओ राणा अक्षय प्रताप सिंह, पीरो एमओ समदर्शी पासवान, चरपोखरी एमओ अंशु कुमार दीपक, तरारी एमओ धर्मवीर कुमार भारती सहित अनुमंडल के सभी संबंधित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शौच करने गए युवक की पोखर में डूबने से मौत

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के संदेश थाना क्षेत्र के कोरी गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप शौच करने गए युवक की पोखर में डूबने से मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक संदेश थाना क्षेत्र के भटौली गांव निवासी शिवजी महतो का 21 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार है। वह पेशे से किसान था। इधर, मृतक के चचेरे भाई अभिषेक कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह कोरी गांव स्थित पोखर के किनारे शौच करने गए थे। जहां पानी छूने के दौरान उनका पैर फिसल गया और वह पोखर में गिरकर डूब गए। तब वहां मौजूद दो लड़कों द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकल गया। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई में बड़ा था। उसकी शादी दो वर्ष पूर्व हुई थी। लेकिन उसे कोई संतान नहीं था। उसके परिवार में मां संजू देवी, पत्नी सुगंधा देवी एवं एक पुत्री कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। उसकी मां संजू देवी, पत्नी सुगंधा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बच्चों के बीच में विवाद में दंपति को पीटा

आरा। जिले के आयर थाना क्षेत्र के आयर दलित टोला में गुरुवार की सुबह बच्चों के बीच हुए विवाद में दंपति की पिटाई कर दी गई। इससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल से सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में आयर थाना क्षेत्र के आयर दलित टोला गांव निवासी गोधन राम एवं उसकी पत्नी कविता देवी शामिल है। इधर, गोधन राम ने बताया कि उनके बच्चे एवं पड़ोसी के बच्चों के बीच झगड़ा हुआ था। इसे लेकर जब पड़ोसी के पास इसकी शिकायत करने गए तो उनके बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद उक्त पड़ोसी द्वारा दोनों दंपति की लाठी-डंडे से पिटाई कर दी गई।

मानव उत्थान में भारतीय मनोविज्ञान की भूमिका पर दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

आरा। वीकेएसयू के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मानव उत्थान में भारतीय मनोविज्ञान की भूमिका विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. यशवंत कुमार ने की। संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंध तथा आधुनिक जीवन में भारतीय मनोविज्ञान की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. यशवंत कुमार ने कहा कि वर्तमान समय तीव्र प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, भौतिकवाद, तकनीकी निर्भरता और सामाजिक विघटन का दौर है। ऐसे माहौल में व्यक्ति आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक चुनौतियों से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मनोविज्ञान इन समस्याओं का समग्र, संतुलित और मानवीय समाधान प्रस्तुत करता है। इसके सिद्धांत व्यक्तित्व विकास, आत्मनियंत्रण और समाज में सकारात्मक मूल्यों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. वाचस्पति दूबे ने कहा कि भारतीय चिंतन ह्यवसुधैव कुटु बक और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सार्वभौमिक आदर्शों पर आधारित है। इन मूल्यों से व्यक्ति में सहिष्णुता, सहयोग, सहानुभूति और वैश्विक बंधुत्व की भावना विकसित होती है, जो मानव कल्याण और विश्व शांति की आधारशिला है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीतिका ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों से श्रीमद्भगवद्गीता के कर्मयोग के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी जीवन को सही दिशा देने में सक्षम है। संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा भारतीय मनोविज्ञान के विभिन्न आयामों पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम का समापन गुरु-परंपरा के महत्व, भारतीय संस्कृति के मूल्यों के संरक्षण और ज्ञान की सतत परंपरा को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ। आयोजन में विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इंटर स्पॉट नामांकन में सीबीएसई व आईसीएसई छात्रों को भी मौका, 5 से 11 अगस्त तक आवेदन

- 12 अगस्त तक ओएफएसएस पोर्टल पर डेटा अपडेट करना होगा अनिवार्य

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने इंटरमीडिएट सत्र 2026-28 में स्पॉट नामांकन को लेकर नया निर्देश जारी किया है। इसके तहत सीबीएसई, आईसीएसई सहित अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य बोर्डों से उत्तीर्ण छात्रों को भी स्पॉट नामांकन में शामिल होने का अवसर दिया गया है। समिति ने स्पॉट एडमिशन की तिथियों का विस्तार करते हुए राज्य के सभी प्लस-टू एवं इंटरस्तरीय शिक्षण संस्थानों में रिक्त सीटों पर 5 अगस्त से 11 अगस्त तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। बोर्ड के अनुसार, इच्छुक छात्र-छात्राएं संबंधित विद्यालयों एवं कॉलेजों में उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर स्पॉट नामांकन करा सकेंगे। विभिन्न संकायों में उपलब्ध सीटों की जानकारी ओएफएसएस (OFSS) पोर्टल के आवश्यक सूचनाएं कॉलम में उपलब्ध रहेगी। संस्थानों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने परिसर में कम से कम तीन प्रमुख स्थानों पर रिक्त सीटों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करें, ताकि विद्यार्थियों को सही जानकारी मिल सके। समिति ने स्पष्ट किया है कि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मेधा सूची में चयनित ऐसे छात्र, जिन्होंने स्लाइड-अप विकल्प चुना था लेकिन आवंटित नए संस्थान में अंतिम रूप से नामांकन नहीं कराया, उनका पूर्व नामांकन स्वतः रद्द माना जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों को यदि वर्ष 2028 की इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा में शामिल होना है तो उन्हें स्पॉट एडमिशन के तहत पुनः ऑनलाइन आवेदन कर नामांकन कराना होगा। अन्यथा वे परीक्षा में शामिल होने के पात्र नहीं होंगे।नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी शिक्षण संस्थानों को प्रतिदिन नामांकित विद्यार्थियों का विवरण ओएफएसएस पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य होगा। अंतिम रूप से सभी डेटा 12 अगस्त तक पोर्टल पर अपलोड करना होगा। समिति ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर डेटा अपडेट नहीं होने की पूरी जिम्मेदारी संबंधित संस्थान के प्रधानाचार्य की होगी। बोर्ड ने तकनीकी कारणों से छूटे पुराने नामांकनों को भी इसी अवधि में अपडेट करने का निर्देश दिया है। साथ ही अल्पसंख्यक एवं अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित 10+2 आवासीय विद्यालयों को भी अपने नामांकन संबंधी सभी आंकड़े निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर दर्ज करने के लिए कहा गया है। बोर्ड ने उम्मीद जताई है कि इस व्यवस्था से रिक्त सीटों पर पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से नामांकन पूरा हो सकेगा और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इंटर में प्रवेश का अवसर मिलेगा।

स्वाभिमान भारत मंच ने बड़हरा थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी को किया सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। स्वाभिमान भारत मंच, बड़हरा भोजपुर की ओर से गुरुवार को बड़हरा थाना परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामाकांत सिंह, जिलाध्यक्ष राजेश दंत तिवारी एवं सदस्य संतोष सिंह संटू ने बड़हरा की थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।मौके पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामाकांत सिंह ने कहा कि समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों को त्वरित न्याय दिलाने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि बड़हरा थाना पुलिस के नेतृत्व में क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की दिशा में सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। संस्था की ओर से यह सम्मान उनके कार्यों के प्रति सम्मान और प्रोत्साहन का प्रतीक है।जिलाध्यक्ष राजेश दत तिवारी ने कहा कि सामाजिक संगठनों और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय से समाज में सकारात्मक माहौल बनता है। उन्होंने आम लोगो से भी पुलिस का सहयोग करने और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की।सम्मान प्राप्त करने के बाद थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने स्वाभिमान भारत मंच के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें अपने दायित्वों का और अधिक निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बड़हरा थाना पुलिस क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।इस अवसर पर स्वाभिमान भारत मंच के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

पीजी सेमेस्टर प्रथम में नामांकन के लिए आवेदन छह अगस्त तक भर सकेंगे ऑनलाइन फॉर्म

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीकेएसयू के स्नातकोत्तर (पीजी) सत्र 2026-28 में नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो रही है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने पीजी प्रथम सेमेस्टर (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि घोषित कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जुलाई से 6 अगस्त तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा के बाद किसी भी परिस्थिति में आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार पीजी के सभी विभागों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में संचालित स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2026-28) में नामांकन के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से लिए जाएंगे। अभ्यर्थियों को वीकेएसयू के समर्थ पोर्टल पर जाकर निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन करना होगा। आवेदन पत्र भरते समय सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, अंकपत्रों एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सही विवरण दर्ज करने की सलाह दी गई है। किसी भी प्रकार की त्रुटि से नामांकन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों से आवेदन जमा करने से पहले सभी जानकारियों की सावधानीपूर्वक जांच करने का अनुरोध किया है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त आवेदनों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद मेधा सूची जारी कर नामांकन की अगली प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवेदन की अंतिम तिथि के बाद पोर्टल पर किसी प्रकार का संशोधन अथवा नया आवेदन स्वीकार नहीं होगा। इस वर्ष विश्वविद्यालय के 22 विषयों में लगभग 6900 सीटों पर नामांकन होना है। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश राय ने बताया कि सभी विभागाध्यक्षों, अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए आवश्यक निर्देश भेज दिए गए हैं। इससे नामांकन प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पूरी की जा सकेगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि अंतिम समय में तकनीकी परेशानी से बचने के लिए समय रहते आवेदन कर लें। नामांकन से संबंधित सभी सूचनाएं एवं आगे की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद विषयवार मेधा सूची प्रकाशित कर चयनित अभ्यर्थियों का नामांकन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराया जाएगा।

बीसीआई का सख्त निर्देश: सभी लॉ कॉलेजों की होगी जांच, छह सप्ताह में वीकेएसयू समेत सभी विश्वविद्यालयों को देनी होगी रिपोर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार सहित देशभर के विधि महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने सख्त रुख अपनाया है। बीसीआई ने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) सहित सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीन संचालित सभी लॉ कॉलेजों का छह सप्ताह के भीतर भौतिक निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों में किसी भी प्रकार की कमी मिलने पर संबंधित कॉलेज की संबद्धता निलंबित अथवा समाप्त करने तक की कार्रवाई की जा सकती है। बीसीआई के निर्देश के अनुसार निरीक्षण केवल कागजी अभिलेखों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विशेषज्ञ टीम कॉलेजों का मौके पर जाकर सत्यापन करेगी। टीम यह जांच करेगी कि कॉलेजों में पूर्णकालिक योग्य शिक्षक उपलब्ध हैं या नहीं, नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं या नहीं, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, इंटरनेट, मूट कोर्ट, लीगल एड क्लिनिक, छात्र सुविधाएं तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक संसाधन निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं या नहीं। बीसीआई ने स्पष्ट किया है कि नियमित एलएलबी पाठ्यक्रम के नाम पर सप्ताहांत, इवनिंग अथवा शिफ्ट आधारित कक्षाओं का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे सभी प्रबंध तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों के अनुसार विधि पाठ्यक्रम में प्रतिदिन कम से कम पांच घंटे तथा सप्ताह में 30 घंटे शिक्षण कार्य अनिवार्य है। किसी भी कॉलेज में इन मानकों का उल्लंघन मिलने पर उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की नियुक्ति, उनकी योग्यता, उपस्थिति, वेतन भुगतान, छात्र-शिक्षक अनुपात, भवन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और आधारभूत संरचना की भी विस्तृत जांच होगी। यदि किसी कॉलेज में आवश्यक सुविधाओं का अभाव पाया जाता है तो विश्वविद्यालय उसकी रिपोर्ट बीसीआई को भेजेगा और संबद्धता समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बीसीआई ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि तीन कार्यदिवस के भीतर प्रत्येक विश्वविद्यालय एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर उसकी जानकारी उपलब्ध कराए। इसके बाद छह सप्ताह के भीतर सभी संबद्ध लॉ कॉलेजों का निरीक्षण कर समेकित रिपोर्ट बीसीआई को भेजना अनिवार्य होगा। आरा स्थित वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अधीन संचालित विधि महाविद्यालयों में भी इस आदेश के अनुपालन की तैयारी शुरू होने की संभावना है। विश्वविद्यालय स्तर पर निरीक्षण टीमों का गठन कर सभी लॉ कॉलेजों की आधारभूत सुविधाओं, शैक्षणिक गुणवत्ता और बीसीआई मानकों के अनुरूप व्यवस्था का मूल्यांकन किया जाएगा। इस कार्रवाई से विधि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आने तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन स्थलों सहित सभी सार्वजनिक स्थानों की होगी व्यापक सफाई

प्रात: किरण संवाददाता

जगदीशपुर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरूवार को नगर पंचायत जगदीशपुर कार्यालय के सभागार मे बोर्ड बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य पार्षद संतोष कुमार यादव एवं संचालन कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार यादव ने की।मुख्य पार्षद ने कहा कि 15 अगस्त को होने वाले झंडोत्तोलन कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए नगर क्षेत्र के सभी झंडोत्तोलन स्थलों, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौक-चौराहों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही पूरे नगर क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर कचरा निष्पादन, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई एवं अन्य आवश्यक सफाई कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएँ।बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी स्वच्छता कर्मी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई कार्य का निष्पादन करें, ताकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर की स्वच्छ एवं आकर्षक छवि प्रस्तुत हो सके। समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से आवास योजना का हो क्रियान्वयन बैठक में मुख्य पार्षद संतोष कुमार यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि योजना के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिलना नगर पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्य पार्षद ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि लाभार्थियों के आवेदन, सत्यापन एवं स्वीकृति सहित सभी प्रक्रियाओं को पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि यदि आवास योजना के नाम पर नगर पंचायत कार्यालय का कोई भी संबंधित कर्मी पैसे की मांग करता है, तो उसे किसी भी परिस्थिति में पैसा न दें तथा इसकी सूचना तत्काल नगर पंचायत प्रशासन को दें।इसके साथ ही लाभुकों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने योजना की राशि प्राप्त कर ली है, लेकिन अब तक आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है या अधूरा छोड़ रखा है, वे अविलंब निर्माण कार्य पूरा करें। अन्यथा संबंधित लाभुकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की गई एवं तत्संबंधित कैमियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक मे उप मुख्य पार्षद धनुपरा देवी, वार्ड पार्षद नरगीश खातुन, बजरंगी सिंह अन्नपूर्णा देवी, शोभा देवी, रंजीत कुमार, सुनीता देवी, गोविंद कुमार, अनीता देवी, अजीता देवी, सुनील कुमार, रूस्तम अली, अनवारूल हक, सूमीत्रा देवी, कशीश सोनी, जरीना खातुन सहित विभिन्न कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

एसबी कॉलेज, आरा में एनसीसी नामांकन प्रक्रिया संपन्न, छात्र-छात्राओं में दिखा उत्साह

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। सहजानंद ब्रह्मर्षि (एस.बी.) कॉलेज, आरा में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के नए शैक्षणिक सत्र के लिए गुरुवार को नामांकन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। देशसेवा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने की भावना के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने एनसीसी में शामिल होने के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लिया। नामांकन प्रक्रिया 5वीं बिहार बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित की गई। बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पुनीत श्रीवास्तव की देखरेख में एसएम, जीसीआई एवं पीआई स्टाफ ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं लिखित परीक्षा के आधार पर किया गया। चयन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन करते हुए योग्य विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने चयन प्रक्रिया में शामिल छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति की पाठशाला है। उन्होंने कहा कि आज के युवा देश का भविष्य हैं और वे अपनी मेहनत, समर्पण तथा अनुशासन के बल पर भारत का गौरव बढ़ा सकते हैं।कॉलेज की एनसीसी अधिकारी (सीटीओ) डॉ. श्वेता गौरव ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। इससे युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, टीम भावना तथा राष्ट्रसेवा का भाव विकसित होता है। उन्होंने चयनित कैडेटों को नियमित प्रशिक्षण लेकर महाविद्यालय और राज्य का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान कर्नल पुनीत श्रीवास्तव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, समर्पण और देशसेवा के मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने के साथ-साथ सेना एवं अन्य क्षेत्रों में बेहतर अवसर भी प्रदान करती है। नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सफल वातावरण में संपन्न हुई। डॉ धनंजय प्रसाद राय, डॉ आदित्य कुमार आनंद ,डॉ वेंकटेश चौधरी, राकेश कुमार, डॉ अशोक तिवारी सहित मौजूद रहें।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

- गड़हनी थाना क्षेत्र के धमनिया रेलवे क्रॉसिंग के समीप गुरुवार की सुबह घटी घटना

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरा-सासाराम रेलखंड पर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के धमनिया रेलवे क्रॉसिंग के समीप गुरुवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। घटना को लेकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के गड़हनी नगर पंचायत शांति नगर वार्ड नंबर-2 निवासी सुनील ठाकुर का 30 वर्षीय पुत्र गुड्डू ठाकुर है। वह पेशे से सैलून संचालक था। जानकारी के अनुसार गुड्डू ठाकुर का धमनिया रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ घर है। वह एक घर में सोए थे। उठने के बाद जब दूसरे घर में जाने के लिए रेलवे लाइन पार कर रहे थे। इस दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद जब परिजन बाहर निकले तो उन्होंने देखा कि वह रेलवे लाइन पर मृत अवस्था में पड़ा है। तब उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी रूबी देवी व दो पुत्री महिमा, संतोषी एवं में पुत्र अभिषेक है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। उसकी पत्नी रूबी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

40 लीटर देसी महुआ शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भोजपुर जिले के बबुरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 लीटर देसी महुआ शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बबुरा थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर बबुरा थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। इस दौरान 40 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की गई। मौके से किशनदेव चौधरी, पिता लूटमैन चौधरी, तथा संजय कुमार, पिता किशनदेव चौधरी, दोनों निवासी बबुरा थाना क्षेत्र, जिला भोजपुर, को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर लिया है तथा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति किन-किन क्षेत्रों में की जानी थी। बबुरा थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि जिले में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में शराब तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही इस मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण, बिक्री या तस्करी की सूचना मिले तो इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई कर शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

सुधा डेयरी के एमडी अमित कुमार सुमन जेडसी में निर्विरोध सदस्य निर्वाचित

आरा। इंडियन डेयरी एसोसिएशन, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता द्वारा आयोजित आईडीए, ईजेड-2026 के जेडसी चुनाव में शाहाबाद दुग्ध संघ, आरा के प्रबंध निदेशक अमित कुमार सुमन ह्रासदस्य (पेशेवर और योजनाकार) के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए है। श्री सुमन की इस उपलब्धि पर दुग्ध संघ और क्षेत्र के डेयरी उद्योग से जुड़े लोगों में हर्ष की लहर है। यह पहली बार है जब शाहाबाद दुग्ध संघ के किसी पदाधिकारी को आईडीए के पूर्वी क्षेत्र की जेडसी में इस महत्वपूर्ण पद पर निर्विरोध चुना गया है। वर्तमान में अमित कुमार सुमन शाहाबाद दुग्ध संघ के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में संघ ने दूध संकलन, उत्पाद गुणवत्ता, किसानों की आय वृद्धि और आधुनिक डेयरी प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पेशेवर प्रबंधन और योजनाबद्ध विकास के उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें जेडसी में यह दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर श्री सुमन ने कहा: आईडीए, ईजेड की जेडसी में सदस्य के रूप में चुने जाने पर मैं आभारी हूं। मेरा प्रयास रहेगा कि पूर्वी क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों, विशेषकर बिहार के किसानों को आईडीए के संघ के माध्यम से बेहतर तकनीक, बाजार और नीतिगत सहयोग मिले। सहकारिता को मजबूत कर हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में और योगदान दे सके, यही मेरा लक्ष्य है।

इंडो-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त बैठक

बगहा। भारत-नेपाल सीमा पर आंतरिक सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर गंडक बराज स्थित एसएसबी कैंप परिसर में भारत और नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा क्षेत्र में संयुक्त पेट्रोलिंग भी की। बैठक में नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ), नेपाल पुलिस, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) तथा बिहार पुलिस के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान सीमा क्षेत्र में देश विरोधी गतिविधियों, आंतरिक सुरक्षा, मादक पदार्थ एवं अन्य सामानों की तस्करी, अवैध हथियारों की आवाजाही तथा सीमा पार होने वाले अपराधों की रोकथाम को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय बढ़ाने तथा सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान पर भी सहमति बनी। बैठक के उपरांत गंडक बराज और भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में संयुक्त पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने सीमा क्षेत्र का निरीक्षण कर संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी तथा सीमा पर सतर्कता बढ़ाने का संदेश दिया।

कथित फर्जी मेडिकल रिपोर्ट पर अदालत सख्त

बगहा। चौतरवा थाना क्षेत्र के लगुनाहा गांव में 12 जुलाई को हुई मारपीट के मामले में एसीजेएम प्रथम कीर्ति प्रसाद की अदालत ने कथित गलत मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हत्या के प्रयास की धारा जोड़ने के मामले को गंभीरता से लेते हुए सूचक और कांड के विवेचनाधिकारी के विरुद्ध न्यायसंगत कार्रवाई का आदेश दिया है। साथ ही जेल भेजे गए चारों आरोपियों को जमानत प्रदान कर दी गई। जानकारी के अनुसार, लगुनाहा गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। घटना के बाद मैनेजर प्रसाद की ओर से चौतरवा थाना कांड संख्या 248/26 तथा सिकंदर सोनी की ओर से कांड संख्या 249/26 दर्ज कराया गया। कांड संख्या 248/26 में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 जोड़ते हुए दूसरे पक्ष के इश्वरी प्रसाद, सिकंदर सोनी, शत्रुघ्न सोनी और सोनू कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, दूसरा घायल

आरा। जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के सहगी गांव में गुरुवार की दोपहर युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का स्थानीय सीएचसी में इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के सहगी गांव निवासी स्व. इतवारु मुसहर का 35 वर्षीय पुत्र घुरहू मुसहर है। जबकि जख्मी उसी गांव के निवासी स्व. मुटेरन मुसहर का 30 वर्षीय पुत्र मनु मुसहर है। इधर, दूरभाष पर मृतक के परिजन ने बताया कि वह दोनों खेत में बिचड़ा उखाड़ने गए थे। इस दौरान घुरहू मुसहर वहां रहे बिजली के खंबे में स्पर्श कर जाने के कारण उसकी मौत हो गई। जबकि उसे बचाने के दौरान मनु मुसहर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज स्थानीय सीएचसी में कराया जा रहा है। इसके बाद ग्रामीण इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

संक्षिप्त खबरें

गुरुकुल में गुरुपूर्णिमा धूम धाम से मनाया गया

गया जी। गुरुकुल में गुरुपूर्णिमा बहुत धूम धाम से मनाया गया जहां सबसे पहले पंडित राजेंद्र सिजुआर, राजेश्वर सिंह, गुरुकुल की प्रधानाचार्या सुष्मिता बोस जी ने सभी गुरुजनों को समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की है उसके बाद गुरुकुल के सभी गुरुजनों (पंडित राजेंद्र सिजुआर, मनीष सिन्हा, कुमार रजनीश, राधा रमण एवं सर्वोत्तम कुमार, श्रुति भट्टाचार्या) के चरण पखारे गये तत्पश्चात तिलक लगाकर माल्यार्पण किया गया इसके बाद सभी शिष्यों ने मिलकर सभी गुरुओं को भेंट भी दिए और गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पंडित राजेंद्र सिजुआर जी के आज्ञानुसार कई शिष्यों ने अपनी मधुर वाणी से यहां अपनी हाजिरी भी लगाई एक से एक प्रस्तुति हुई जहां सबसे पहले तबला की प्रस्तुति हुई इसके बाद बच्चों ने शिव भजन एवं गुरु को समर्पित करते हुए भजन की प्रस्तुति दी जिसकी तारीफ करते हुए पंडित राजेंद्र सिजुआर जी ने इस गुरु शिष्य परंपरा की महत्ता भी बताई इस दौरान कई अभिभावक भी मौजूद थे उन्होंने भी बच्चों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद उठाया। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति भी थी (राजेश्वर सिंह, रामनाथ शर्मा, रूपक सिन्हा) प्रस्तुति देने वाले सभी छात्र एवं छात्रा (शिवम कुमार,कनिष्क सिन्हा, खुशी कुमारी, अन्नता सिन्हा, विद्याधीश मेहरवार, अमृतांशु पाण्डेय, उदित कुमार, संगीता कुमारी, ईशान, राजश्री, तान्या बनर्जी एवं समस्त गुरुकुल के शिष्य उपस्थित थे।

गुरु रविदास की प्रतिमा के समक्ष प्रज्वलित किया समरसता दीप

गया जी।गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को भाजपा की ओर से संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान के तहत बाबा खिंह रविदास धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। संत गुरु रविदास की प्रतिमा के समक्ष समरसता दीप प्रज्वलित कर सामूहिक आरती की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने सामाजिक समरसता, समानता और आपसी सद्भा-व को मजबूत करने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने कहा कि 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशभर में गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास के समता, सेवा, सामाजिक न्याय, मानवता और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया है। उनके विचार आज भी समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस मौके पर कारू मांझी, कृष्णा मांझी, सुरज, पिंटू चौधरी, बलवीर राम, पंकज कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे हैं।

विकास मंच ने कैदी की मौत, प्रसव की मौत,छात्र की मौत पर निकाला आक्रोश मार्चः मनोज

अरवल। रेल आंदोलन के सूत्रधार अरवल विकास मंच के अध्यक्ष मनोज सिंह यादव के नेतृत्व में अरवल जिले उत्पन्न मुद्दे को आक्रोश मार्च किया गया [1] उत्पाद विभाग के हाजत में बंद अनिल कुशवाहा और टुनटुन महतो का उच्च स्तरीय जांच कराने 25 लाख रुपया मुआवजा देने पीड़ित के परिवार को सरकारी नौकरी देने [2] सदर अस्पताल अरवल की रोशनी देवी के प्रसव के डॉक्टर कि लापरवाही से मृत्यु का उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई करें [3] गुरुकुल निजी विद्यालय में प्रबंधक के लापरवाही से तृतीय क्लास के छात्र की मौत की जांच उच्च स्तरीय कराई जाए [4] नेशनल हाईवे 139 सड़क को फोरलेन बनाया जाए एवं अन्य ज्वलन्त समस्याओं को लेकर अरवल जिला विकास मंच द्वारा अरवल बस स्टैंड से भगत सिंह चौक होते हुए बाबा साहब अंबेडकर प्रतिमा के आगे समाहरणालय तक आक्रोश मार्च निकाल कर जन प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जब तक अरवल जिले उत्पाद विभाग के द्वारा टुनटुन महतो की हत्या का उच्च स्तरीय जांच का प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की जाएगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा, मनोज सिंह यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अरवल जिले में जिला प्रशासन निरंकुश हो गया है जिला प्रशासन के आश्वासन के बाद टुनटुन महतो का शव पटना भेजा गया था 25 लाख मुआवजा स-रकारी नौकरी एवं उच्च स्तरीय जांच की बात हुई थी लेकिन अभी तक इस पर कोई अमल नहीं किया गया सदर अस्पताल में रोशनी देवी की हत्या की जांच अभी तक नहीं बैठाई गई, इसी प्रकार नेशनल हाईवे एनएच 139 के फोरलेन का मामला अभी अधर में लटका हुआ है रेलवे लाइन का सीमांकन प्रारंभ नहीं हुआ है।

गया जंक्शन पर गंगा सतलज एक्सप्रेस में लगी आग
सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, बचा जानमाल

प्रातः किरण संवाददाता

गया। मानपुर गया रेलखंड पर बुधवार की देर रात फिरोजपुरझ धनबाद गंगा सतलज एक्सप्रेस में आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि रेलवे अधिकारियों, आरपीएफ, जीआरपी, इंजीनियरिंग विभाग और अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा रेल हादसा टल गया। घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रात 1:20 बजे मिली आग लगने की सूचना

जानकारी के अनुसार, बुधवार की देर रात करीब 1:20 बजे मानपुर गया रेलखंड पर फिरोजपुरझधनबाद गंगा सतलज एक्सप्रेस के एक कोच से धुआं निकलने की सूचना रेलवे कंट्रोल को मिली। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया और ट्रेन के गया जंक्शन पहुंचते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर

दिया गया।

एस-5 कोच के इलेक्ट्रिक कपलर के पास लगी थी आग

जांच के दौरान पाया गया कि ट्रेन के एस-5 कोच के इलेक्ट्रिक कपलर के पास आग लगी थी। आग फैलने से पहले ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) का उपयोग कर आग पर काबू पा लिया। इसके बाद तकनीकी टीम ने संबंधित हिस्से की गहन जांच की ताकि दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

रेलवे और अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी, रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी तथा अन्य रेलकर्मी मौके पर पहुंच गए। वहीं जिला अग्निशमन विभाग की टीम भी तुरंत गया जंक्शन पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने पूरी सावधानी के साथ आग बुझाने की प्रक्रिया पूरी की और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

यात्रियों में मची अफरा-तफरी, फिर मिली राहत

आग की सूचना मिलते ही ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कई यात्री अपने कोच से बाहर निकल आए। हालांकि रेलवे अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने यात्रियों को शांत कराया तथा बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है। इसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली।

अधिकारियों ने की जांच

घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने मौके पर विस्तृत जांच की। प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रिक कपलर के पास तकनीकी कारण से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञों ने संबंधित उपकरणों की जांच कर आवश्यक मरम्मत की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

इस मौके पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी अमन कुमार सिंह, सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी नवीन सिंह, मोहित कुमार, अग्निक राहुल कुमार, सुजीत कुमार तथा प्रधान अग्निक धर्मेन्द्र पासवान सहित अग्निशमन विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। इसके अलावा आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे रहे।

रौनियार समाज के समाज सेवी स्व नंद किशोर गुप्ता की आयोजित की गई श्रद्धांजलि सभा

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। अखिल भारतीय रौनियार समाज के पूर्व समाजसेवी स्व कौलेशवर प्रसाद गुप्ता के द्वितीय पुत्र के क्षद्धांजली सभा का उनके आवास पर बारहवी दिन क्षद्धांजली सभा का आयोजन किया गया।सुबह मे गया जी के विद्वान पंडित द्वारा पुरी विस्तार से पुजा अर्चना किए है इसके बाद उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किए गये। इसमें गया से ही नही पटना,राची,दुमका, मुंगेर काकीनडा. बंगाल, देवधर,भारत के कयी प्रदेश के लोग समाज सेवी स्व नंद किशोर गुप्ता जो राजेश कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार गुप्ता, विकास कुमार गुप्ता,डोली गुप्ता के पिता एवं अखिल भारतीय रौनियार महासभा महिला पूर्व महासचिव रिना रानी गुप्ता के ससुर थे उनको क्षद्धांजली दिए।इस मौके पर अखिल भारतीय रौनियार महासभा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष भोला गुप्ता ने भाव भरी श्रद्धांजलि अर्पित किए अपने संदेश में कहा कि नंद किशोर गुप्ता को भगवान उनके आत्मा को शांति दे और परिवार वालों को शक्ति प्रदान करे वही भारत के समाज के लिए अपना सबकुछ रौनियार समाज के लिए हमेशा तैयार रहने वाले शिव कुमार गुप्ता ने पटना चलकर श्रद्धांजलि अर्पित करने आए उन्होंने अपने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्व नंदकिशोर गुप्ता एक समाज सेवी का जाना गया जी के साथ बिहार के समाज के लिए अपुर्णीय क्षती है जिसकी भरपाई नही हो सकती है।आगे शिव कुमार गुप्ता ने कहा कि समाज के ऐसे लोगों की आवश्यकता थी जो दुसरे के लिए मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं इनके परिवारों को भगवान शक्ति प्रदान करे भगवान उनको अपने पास रखे, परिवार वालों को उनकी कमी नहीं खले,वही राष्ट्रीय सचिव मुन्ना कुमार गुप्ता ने भी भाव भरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व नंदकिशोर गुप्ता एक समाज के लिए अच्छे व्यक्तित्व और खुशमिजाज व्यक्ति थे।उनके अचानक चला जाना बहुत ही दुखद है।वही अप्सरा होटल पटना के संजय गुप्ता ने शोक संवेदना व्यक्त किए हैं।वही रांची के शिक्षा प्रकोष्ठ संयोजक मनोज कुमार गुप्ता ने स्व नंदकिशोर गुप्ता को भाव भरी श्रद्धांजलि अर्पित किए हैं शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मै गया जी आते थे कभी भी बेटा बेटा करके ही प्यार दिया करते थे।इनके जाना हम सबो के लिए बहुत बढी दुखद है।इनको भगवान अपने पास रखे और परिवार जनो को इनका आशिर्वाद हमेशा मिलते रहे,वही पूर्व सिवल सर्जन डॉ के के गुप्ता इनके छोटे भाई ने भी बहुत बढा दुख है।हमेशा बबुआ करके बुलाने वाले और मार्गदर्शन करने वाले भाई का जाना हमारे लिए बढी छती है।इस समारोह में दिलिप कुमार गुप्ता राची,सचिन्नाद प्रसाद गुप्ता मुंगेर, राकेश कुमार गुप्ता,डोली कुमारी गुप्ता, रुपक सिन्हा पत्रकार,अजय कुमार गुप्ता,विवेक कुमार गुप्ता,रिना गुप्ता, बालमुकुंद गुप्ता, राहुल महाजन, रोहित कुमार गुप्ता आनंदी माई मंदिर,विवेक कुमार पत्रकार, डा रामानुज पत्रकार, अर्जुन प्रसाद गुप्ता,मनिष कुमार गुप्ता,बबलु गुप्ता राकेश, मनोज कुमार गुप्ता, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, महिला समिति गया कि रिना गुप्ता, गोपाल गुप्ता आदि थे।

निगमा मोनेस्ट्री बोधगया में मथुरा उपकेन्द्र-गया द्वारा गुरु पूर्णिमा पर आयोजित हुअ रामाश्रम सत्संग

प्रातः किरण संवाददाता

गया निगमा मोनेस्ट्री बोधगया मे रामाश्रम सत्संग, मथुरा उपकेन्द्र-गया द्वारा गुरु पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर आयोजित अध्यात्मिक सत्संग समारोह परम पूज्य डा० ऋषि कुमार ह्लमुकुल आचार्य, रामाश्रम सत्संग मथुरा के सानिध्य में भजन, प्रवचन व ध्यान के साथ प्रसाद अर्पण के बाद समापन हुआ, डेहरी ऑन सोन के आर्चाय, पूज्य रतन लाल शर्मा जी भी मंच पर उपस्थित रहे। पूज्य मुकुल भैया जी अपने प्रवचन में गुरु पूर्णिमा व गुरु की महिमा को विस्तार से बताये है व सभी सत्संगियों को आशीर्वाद दिये साथ ही देशवासियों की मंगलमय की कामना के लिए गुरु महाराज से प्रार्थना की सब पर दया करे,कृपा करें।

सत्संगियो की ठहरने और खाना की व्यवस्था निगमा मोनेस्ट्री मे ही किया गया है। इस कार्यक्रम में मगध प्रमण्डल व बिहार राज्य से हजारो हजार की संख्या में श्रद्धालु आये हुए है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूज्य मुकुल भैया जी के निर्देशन में कार्यर्यालय मे-लक्ष्मण जी, निशुजी, रूबीजी, विनोद कुमार, छोटु प्रसाद, मनोज कुमार, पशुराम तिवारी, साहित्य मे लवकुराजी, कामता प्रसाद, ए० पी० वर्मा, विनिता वर्मा, रमेश वर्मा, रीता श्रीवास्तव, पंडाल लाईट एण्ड साउण्ड में- डी० एस० वघेल, अरविन्द कुमार, प्रसाद में दिपक जोशी, अनिल सिन्हा, दीप कुमारी, नितु कुमारी सिन्हा, पवन कुमार, जितेन्द्र कुमार भोजनालय में आनन्द स्वरूप करण, अजय सिंह, पप्पु सिंह आवास में-बी० बी० सिंह, अशोक कुमार, अनिरुद्ध सिंह, शंकर उपाध्याय आदि थे।

गया-पटना रेलखंड पर गुरुवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत, रेल थाना ने की पहचान की करने की अपील

गया जी।गया-पटना रेलखंड पर गुरुवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई है। जिसकी पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना की सूचना मिलते ही गया रेल थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है। शव को बरामद किया है।गया रेल थानाध्यक्ष शिव कुमार ने बताया कि चंदौती थाना की सूचना पर टीम को घटनास्थल भेजा गया है। शव को बरामद किया गया है। मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष है। उन्होंने बताया कि मृतक के पास से कुछ ऐसा नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद उसकी पहचान के शव को नियमानुसार सुरक्षित रखा जाएगा। आम लोगों से इनकी पहचान करने की अपील की गई।

बारुण में एफएलएन का एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के बारुण प्रखंड स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र बारुण में कक्षा 4 से 8 तक के बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान और टीचिंग ऐट द राइट लेवल के तहत प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रखंड के सभी 17 संकुलों से चयनित शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, नीरज कुमार ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहां कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त कौशल और रणनीतियों को केवल कक्षाओं तक सीमित न रखें, बल्कि इसे सही मायने में धरातल पर उतारें ताकि हर बच्चे को इसका सीधा लाभ मिल सके। प्रखंड लेखापाल कुश कुमार ने कहा कि जो बच्चे हिंदी और गणित जैसे मूलभूत विषयों में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। उनको रचनात्मक तकनीकों के माध्यम से उनमें सीखने के प्रति नई रुचि और सकारात्मक बदलाव आएगा। शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के दौरान प्रथम एजुकेशन की डॉली कुमारी ने एफ एल एन एवं टीचिंग ऐट द राइट लेवल की कार्यपद्धति, शिक्षण गतिविधियों और बच्चों के स्तरानुसार अध्यापन की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। इस पर शिक्षण में सुशीला कुमारी, सुषमा कुमारी, अनुपम कुमार, सुनीता कुमारी, कविता पाल, सावित्री कुमारी, अंशिका श्रीवास्तव, सूर्य देव कुमार, आकांक्षा कुमारी सिंह, रॉकी कुमार, नैन्सी रुहेला, अचला कुमारी, अनुज कुमार पटेल, पियूष कुमार पाण्डेय, जय प्रकाश, आदर्श पटेल, खुश्बू कुमारी और सुधीर यादव शामिल थे। 31 जुलाई से संकुल स्तर पर दी जाने वाली ट्रेनिंग में के लिए मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया गया। मास्टर ट्रेनर संकुलाधीन विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। जिसमें प्राथमिक विद्यालय से एक एक हिंदी एवं गणित शिक्षक हिस्सा लेंगे जबकि मध्य विद्यालय से भी 1-1 हिंदी एवं गणित शिक्षकों की सहभागिता होगी।

श्रावण मास की तैयारियों का गया जंक्शन पर रेल अधिकारियों ने लिया जायजा

- वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन ने सुरक्षा, यात्री सुविधाओं और कांवरिया व्यवस्था का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। श्रावण मास में कांवरियों की सम्भावित बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गया जंक्शन पर तैयारियां तेज कर दी हैं। पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन ने गया जंक्शन का विस्तृत निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर, प्लेटफार्मों तथा यात्रियों के आवागमन की व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि श्रावण मास में गया और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु

सुल्तानगंज के लिए रवाना होते हैं। ऐसे में गया जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक रहती है। इसे देखते हुए रेलवे द्वारा विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि कांवरियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने स्टेशन पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, टिकट काउंटर, पूछताछ केंद्र तथा प्रतीक्षालय की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रावण मास के दौरान सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध रहें और यात्रियों को त्वरित सहायता प्रदान की जाए।उन्होंने आरपीएफ, जीआरपी तथा रेलवे के अन्य अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की। भीड़ नियंत्रण, प्लेटफार्मों पर निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने तथा ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

रेलवे अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि श्रावण मास के दौरान गया जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी।

नीट के बाद अब सही कॉलेज चुनने की बारी, 1 व 2 अगस्त को लगेगा निःशुल्क मेडिकल काउंसलिंग कैंप

प्रातः किरण संवाददाता

गयाजी। नीट-यूजी में सफल हुए विद्यार्थियों और एमबीबीएस में नामांकन की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। एडमिशन प्रक्रिया से जुड़ी उलझनों को दूर करने के उद्देश्य से रिलायंस इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज की ओर से 1 और 2 अगस्त को दो दिवसीय निःशुल्क मेडिकल काउंसलिंग कैंप आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाले इस कैंप में विद्यार्थियों और अभिभावकों को एमबीबीएस प्रवेश से जुड़ी हर महत्वपूर्ण जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी।

संस्थान के अनुसार कैंप में भारत के सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों के अलावा नेपाल, बांग्लादेश, रूस, चीन, फिलीपींस, किर्गिस्तान समेत कई देशों में एमबीबीएस की पढ़ाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को कॉलेज चयन, काउंसलिंग प्रक्रिया, फीस, पात्रता, दस्तावेज और प्रवेश की पूरी प्रक्रिया सरल तरीके से समझाई जाएगी।

कैंप की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि अनुभवी काउंसलर प्रत्येक विद्यार्थी की नीट रैंक, श्रेणी और उपलब्ध विकल्पों के अनुसार व्यक्तिगत काउंसलिंग करेंगे। साथ ही छात्रवृत्ति, भविष्य की संभावनाओं, मेडिकल करियर और विदेश में पढ़ाई से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों का भी समाधान किया जाएगा। यह निःशुल्क मेडिकल काउंसलिंग कैंप व्हाइट हाउस रोड नंबर-5, यूनिवर्सल डेंटल क्लिनिक के समीप स्थित रिलायंस इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज, गया में आयोजित होगा।

संस्थान के निदेशक जावेद सलीम ने बताया कि हर वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी सही जानकारी के अभाव में बेहतर अवसर खो देते हैं। इसी उद्देश्य से यह निःशुल्क काउंसलिंग कैंप आयोजित किया जा रहा है, ताकि अभ्यर्थी बिना किसी भ्रम के सही मेडिकल कॉलेज और सही विकल्प का चयन कर सकें। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों की टीम भारत और विदेश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, छात्रवृत्ति और करियर की संभावनाओं से जुड़ी हर जानकारी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने सभी नीट अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों से इस निःशुल्क काउंसलिंग कैंप का लाभ उठाने की अपील की है।

मगध विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ चुनाव (2026-27) संपन्न, डॉ. अनुज कुमार तरुण बने अध्यक्ष

बोधगया।मगध विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ (सत्र 2026-27) का चुनाव विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। प्राप्त चुनाव परिणामों के अनुसार, अध्यक्ष पद पर डॉ. अनुज कुमार तरुण ने भारी अंतर से जीत दर्ज की है।मतदान प्रक्रिया में डॉ. तरुण को 89 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी डॉ. हरि बाबू बोड्डू को 18 मतों से संतोष करना पड़ा, तथा दो मत निरस्त घोषित किए गए। इसी प्रकार, संयुक्त सचिव के पद पर डॉ. अमर किशोर ने 99 मत प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की, वहीं उनके खिलाफ खड़े डॉ. सौरव कुमार को मात्र 8 मत प्राप्त हुए और यहाँ भी दो मत निरस्त हुए।

चुनाव प्रक्रिया में कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर प्रत्याशियों का निर्वाचन निर्विरोध रूप से भी हुआ है।

मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से असाध्य रोगों के इलाज में मिल रही बड़ी राहत : प्रकाश राम पटवा

(गया जी)जनता दल (यू) व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ, गया के जिला अध्यक्ष सह नागरिक परिषद, गया के उपाध्यक्ष प्रकाश राम पटवा ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष आर्थिक रूप से कमजोर एवं गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी योजना है। प्रकाश राम पटवा ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के अंतर्गत कैंसर, हृदय रोग, किडनी फेलियर एवं किडनी प्रत्यारोपण, लिवर की गंभीर बीमारी, ब्रेन ट्यूमर, न्यूरो सर्जरी, जन्मजात हृदय रोग, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया सहित अन्य चिन्हित असाध्य एवं जीवनरक्षक उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सहायता राशि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सीधे अस्पताल को उपलब्ध कराई जाती है, जिससे मरीज एवं उनके परिवार पर आर्थिक बोझ कम होता है।उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में बिहार सरकार ने इस योजना को और अधिक जनहितकारी बनाते हुए पात्र परिवारों की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख से बढ़ाकर 4 लाख करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस फैसले से राज्य के हजारों निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ी राहत मिलेगी ।

उत्कृष्ट योगदान पर सम्मानित होने पर लोगों ने जताया हर्ष,दी बधाई

- बिहार परिवहन विभाग ने गया के एमवीआई सुनील कुमार सिंह को किया सम्मानित
- राजस्व संग्रह में उत्कृष्ट सेवा पर मिला सम्मान सामाजिक व राजनीतिक संगठनों ने जताई खुशी

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए गया जिला परिवहन कार्यालय के मोटर वाहन निरीक्षक सुनील कुमार सिंह को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। विभाग ने उनके कुशल नेतृत्व, प्रभावी कार्यशैली और विभागीय राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए यह सम्मान दिया है। परिवहन विभाग द्वारा जारी प्रशस्ति-पत्र में कहा गया है कि उन्होंने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एमवीआई सुनील कुमार सिंह को मिले इस सम्मान पर भाजपा जिला सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद यादव, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष दीपक पांडेय, स्वाभिमान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेंद्र नारायण, फुटपाथ वेंडर संघ के जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार पांडेय, वरीय युवा सामाजिक कार्यकर्ता संजय सिंह चंद्रवंशी, उमेश प्रसाद, तथा सुनील कुमार चंद्रवंशी सहित कई लोगों ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी कार्यकुशलता, ईमानदारी और जिम्मेदारी का परिणाम है तथा इससे अन्य अधिकारियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।सम्मान प्राप्त करने के बाद सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए प्रेरणास्रोत है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली इंडियन नोलेज सिस्टम पर सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन एवं इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

गया जी।मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के राजनीति विज्ञान विभाग एवं एनईपी सेल के संयुक्त तत्वावधान में ह्लभारतीय ज्ञान प्रणाली पर सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन एवं इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया है।कार्यक्रम की शुरूआत औपचारिक दीप प्रज्वलन एवं स्वागत सत्कार से हुई है ।प्रो. अंजनी कुमार घोष, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग व पाठ्यक्रम संयोजक द्वारा स्वागत भाषण की प्रस्तुति दी गई है।इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सीमा पटेल, प्राचार्य, जीबीएम कॉलेज, गया एवं यूजीसी मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहीं हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली, नई शिक्षा नीति) तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध विरासत से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह, सहायक प्राध्यापक एवं एनईपी समन्वयक ने कोर्स का परिचय प्रस्तुत किया तथा इसकी रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी।

डीडीयू मंडल में कई कर्मचारियों का हुआ तबादला, गया के मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक बने पूर्व सीएसजी लाल बाबू

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।पूर्व मध्य रेल के डीडीयू रेल मंडल में ट्रैफिक विभाग अंतर्गत कई कर्मचारियों का तबादला कर दिया गया है। जिसमें गया जंक्शन के वाणिज्य पर्यवेक्षक(सामान्य) के पद पर सेवा दे चुके लाल बाबू को गया का मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक बनाया गया है। जबकि एक और सीएसजी रहे सीटीआई लोकेश कुमार को गया गुड्स में तबादला कर दिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों की मानें तो इस तबादले की सूची में 44 रेलकर्मियों के नाम हैं, जिन्हें इधर से उधर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुग्रह नारायण रोड जंक्शन के चीफ बुकिंग सुपरवाइजर लाल बाबू को गया आरक्षण कार्यालय का मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक बनाया गया है। जबकि गया जंक्शन पर इस पद पर सेवा दे रहे मो. मसूद अख्तर को गया में चीफ बुकिंग सुपरवाइजर रंजीत कुमार के अधीन कार्य करने की जिम्मेवारी दी गई है। गया जंक्शन के सीआरएस विनोद कुमार का तबादला सासाराम स्टेशन पर कर दिया गया है। जबकि सीआरएस अनुराग कुमार को गया टिकट बुकिंग कार्यालय में योगदान करने का आदेश जारी किया गया है। वहीं रिजर्वेशन क्लर्क विकास कुमार सिन्हा को गया जंक्शन से डेहरी-ऑन-सोन जंक्शन के टिकट बुकिंग कार्यालय भेजा गया है।

इसी तबादले के आदेश के अनुसार गया के सीबीएस-कम-टिकट बुकिंग क्लर्क गौतम कुमार का तबादला गुरारू स्टेशन के लिए किया गया है। सीआरएस अमन कुमार को रफीगंज, राम विनय सिंह सीआरएस गया को गया जंक्शन के पार्सल ऑफिस में किया गया है। गुड्स गया में पदस्थापित मृत्युंजय कुमार का तबादला सोननगर मालगोदाम (गुड्स) के लिए किया गया है। इसी प्रकार रिजर्वेशन क्लर्क सुनील कुमार को रफीगंज से गया जंक्शन का रिजर्वेशन क्लर्क के पद पर तबादला किया गया है। वहीं डेहरी-ऑन-सोन के सीआरएस का तबादला गया के पार्सल कार्यालय में कर दिया गया है।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि यह तबादला एक सामान्य प्रक्रिया के तहत की गई है।

पितृपक्ष मेला-2026 के आधिकारिक लोगों निर्माण प्रतियोगिता के टॉप-10 प्रतिभागियों को जिला पदाधिकारी ने किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।पितृपक्ष मेला-2026 के लिए आधिकारिक लोगो के चयन हेतु जिला प्रशासन, गया द्वारा आयोजित लोगो निर्माण प्रतियोगिता के अंतर्गत प्राप्त प्रविष्टियों में से आज सर्वश्रेष्ठ टॉप-10 लोगो का चयन किया गया। इस अवसर पर समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी, गया श्री शशांक शुभंकर ने चयनित प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उत्कृष्ट एवं सृजनात्मक प्रयासों की सराहना की है।

जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि पितृपक्ष मेला केवल गया की पहचान ही नहीं, बल्कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन के लिए स्थानीय प्रतिभाओं की सहभागिता से आधिकारिक लोगो का निर्माण कराया जाना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि बच्चों की रचनात्मक सोच एवं कलात्मक अभिव्यक्ति ने इस प्रतियोगिता को विशेष बना दिया है।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी अपनी प्रतिभा का निरंतर विकास करने तथा विभिन्न रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों का योगदान सराहनीय है और चयनित टॉप-10 प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं सृजनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।चयनित टॉप-10 प्रतिभागियों में से1. गौरव कुमार2. संतोष कुमार3. कुमारी वैष्णवी, अनुग्रह कन्या उच्च विद्यालय, गया।4. सहजेब कलाम, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बिरहुत, बोधगया।5. निशा रानी, झिकटिया उच्च विद्यालय, बोधगया।6. मृत्युंजय विश्वकर्मा7. अनीश कुमार, महावीर इंटर विद्यालय, गया।

8. चाहत वत्स, संन्यास आश्रम श्याम बाबू स्कूल, मुफस्सिल, मानपुर, गया।9. रमेश कुमार (वी के)10. रंजीत कुमारइस कार्यक्रम के दौरान चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किए जाने के साथ ही उनके द्वारा तैयार किए गए लोगो का भी अवलोकन किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि चयनित प्रविष्टियों में से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पितृपक्ष मेला-2026 के आधिकारिक लोगो का अंतिम चयन किया जाएगा।इस अवसर पर सहायक समाहर्ता, अपर जिला दंडाधिकारी, विधि व्यवस्था, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सहित अन्य प्रतियोगिता से जुड़े निर्णायक मंडल के सदस्य, प्रतिभागी छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बाघ के हमले के बाद वन विभाग अलर्ट, घटनास्थल पर वनकर्मी तैनात

बगहा। बिसहा गांव के समीप बाघ के हमले की घटना के बाद वन विभाग ने पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है। घटना के बाद घटनास्थल और आसपास के इलाके में वनकर्मियों की तैनाती कर दी गई है तथा लोगों से जंगल और घटनास्थल की ओर नहीं जाने की अपील की गई है। वाल्मीकिनगर वन प्रक्षेत्र के रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद से ही लगातार माइकिंग कर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा था। वन विभाग की ओर से लोगों से जंगल के किनारे अकेले नहीं जाने और विशेष सावधानी बरतने की अपील की जा रही थी। रेंजर ने बताया कि एहतियात के तौर पर वनकर्मी जुनैद आलम को पहले से ही घटनास्थल के आसपास तैनात किया गया था। जैसे ही बाघ ने 65 वर्षीय अकलु यादव पर हमला किया और उनकी चीख-पुकार सुनाई दी, जुनैद आलम तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर घायल को सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि फिलहाल घटनास्थल पर वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है तथा लोगों से अपील की गई है कि वे अनावश्यक रूप से घटनास्थल या जंगल की ओर न जाएं और किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

मंगलपुर पुल पर आवागमन हुआ बहाल, वाहनों की आवाजाही शुरू

बेतिया। गंडक नदी पर स्थित मंगलपुर पुल पर मरम्मत कार्य पूर्ण होने के उपरांत पुल से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पुनः बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही पुल पर यातायात व्यवस्था सामान्य हो गई है। अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर श्री विकास कुमार ने बताया कि मंगलपुर पुल पर आवश्यक मरम्मत कार्य को लेकर दिनांक 30 जुलाई 2026 को प्रातः से पुल पर वाहनों का आवागमन बंद किया गया था। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद अब पुल को यातायात के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुल से आवागमन प्रारंभ होने के बाद गोपालगंज की ओर जाने वाले वाहन चालक एवं आमजन पुनः मंगलपुर पुल के माध्यम से आवागमन कर सकते हैं। मझरगावा चौक से जगदीशपुर की ओर किया गया यातायात डायवर्जन भी समाप्त कर दिया गया है।

पांच दिनों से ठप पेयजल आपूर्ति, ई-टाइप कॉलोनी में मचा हाहाकार

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित जल संसाधन विभाग की ई-टाइप कॉलोनी में पिछले पांच दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप होने से लोगों के सामने गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। भीषण गर्मी के बीच जलनल योजना और गंडक प्रोजेक्ट के वाटर सप्लाई प्लांट दोनों के बंद होने से कॉलोनी के सैकड़ों परिवार बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। जानकारी के अनुसार, जलनल योजना के मोटर में स्टार्टिंग संबंधी खराबी आ गई है, जबकि गंडक प्रोजेक्ट के पीएचईडी वाटर प्लांट का मोटर भी कई दिनों से जला हुआ है। दोनों योजनाएं बंद रहने के कारण पूरी कॉलोनी में जलापूर्ति ठप हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से संबंधित विभाग को सूचना देने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ई-टाइप कॉलोनी छोटी पहाड़ी पर बसी हुई है, जहां बड़ी आबादी निवास करती है। पथरीली जमीन होने के कारण यहां निजी चापाकल या अन्य वैकल्पिक जल स्रोत भी उपलब्ध नहीं हैं, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

नीलाम पत्र वादों के त्वरित निष्पादन एवं राजस्व वसूली में तेजी लाएं: आयुक्त

- सप्ताह में कम-से-कम तीन दिन कोर्ट कार्य करें नीलाम पत्र पदाधिकारी
- प्रतिमाह न्यूनतम 50 मामलों के निष्पादन का लक्ष्य

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर श्री गिरिवर दयाल सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में नीलाम पत्र वादों के निष्पादन एवं राजस्व वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त ने लंबित नीलाम पत्र वादों के त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन के साथ-साथ राजस्व वसूली में तेजी लाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। समीक्षा के क्रम में आयुक्त ने कहा कि लंबित नीलाम पत्र वादों के निष्पादन में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए मिशन मोड में कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित करने तथा बड़े एवं पुराने बकायेदारों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि नीलाम पत्र पदाधिकारी सप्ताह में कम-से-कम तीन दिन नियमित रूप से कोर्ट कार्य करें तथा प्रत्येक पदाधिकारी के लिए प्रतिमाह न्यूनतम 50 नीलाम पत्र वादों के निष्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप मामलों के निष्पादन की नियमित समीक्षा करने तथा प्रगति में अपेक्षित तेजी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से सबसे पुराने लंबित मामलों एवं बड़े बकायेदारों के विरुद्ध प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, लंबित वारंटों के त्वरित निष्पादन के लिए पुलिस विभाग से आवश्यक सहयोग प्राप्त करने तथा नीलाम पत्र एवं पुलिस विभाग के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। आयुक्त ने कहा कि राजस्व वसूली प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित बकाया राशि की वसूली के लिए प्रभावी एवं ठोस कार्रवाई करें। उन्होंने कोर्ट फी, तलवाना राशि, बॉडी वारंट के प्रभावी अनुपालन तथा वारंटों के निष्पादन की भी नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री तरनजोत सिंह ने आयुक्त को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों का प्रभावी एवं समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को लंबित नीलाम पत्र वादों के निष्पादन एवं राजस्व वसूली में तेजी लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। बैठक में नीलाम पत्र वादों के निष्पादन की वर्तमान स्थिति, लंबित मामलों, कोर्ट फी, तलवाना राशि, बॉडी वारंट के अनुपालन, वारंटों के निष्पादन, साप्ताहिक समीक्षा बैठक एवं राजस्व वसूली सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से की मुलाकात, वाल्मीकिनगर आने का दिया निमंत्रण

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। वाल्मीकिनगर के पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पटना में शिष्टाचार मुलाकात कर क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को वाल्मीकिनगर आने का सादर आमंत्रण भी दिया। मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक ने वाल्मीकिनगर के समग्र विकास, आधारभूत संरचना को मजबूत करने तथा क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वाल्मीकिनगर पर्यटन, पर्यावरण और सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण विशेष महत्व रखता है, इसलिए यहां विकास योजनाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़े भाई के समान मार्गदर्शन देने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में वाल्मीकिनगर के विकास के लिए रखी गई मजबूत नींव को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारेगी। बैठक में क्षेत्र की सड़क, पर्यटन, आधारभूत सुविधाओं तथा अन्य विकास कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर धीरेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को वाल्मीकिनगर आने का औपचारिक निमंत्रण दिया, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार करते हुए शीघ्र ही वाल्मीकिनगर दौरे पर आने का आश्वासन दिया।

सुनसरी में तनाव कम, कर्फ्यू जारी सुरक्षा निगरानी अब भी कड़ी

प्रात: किरण संवाददाता

नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल के सुनसरी जिले के देवानगंज में रविवार रात से शुरू हुआ तनाव सोमवार और मंगलवार को हिंसक रूप ले लेने के बाद बुधवार को अब उल्लेखनीय रूप से शांत रहा। हालांकि, कर्फ्यू आदेश अभी भी प्रभावी है तथा पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक सुदृढ़ कर दी गई है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार से स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। मंगलवार रात तक बाजार क्षेत्र में तनाव और झड़पों की घटनाएं होती रहीं, लेकिन बुधवार पूरे दिन कोई बड़ी अप्रिय घटना सामने नहीं आई। नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाली सेना की व्यापक तैनाती के बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है। कर्फ्यू लागू रहने के कारण आम नागरिकों के एकत्र होने, जुलूस निकालने तथा अनावश्यक आवाजाही पर प्रतिबंध जारी है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित सहसचिव भूपेन्द्र थापा के नेतृत्व वाली जांच समिति बुधवार को पहली बार घटनास्थल पहुंची और मौके का निरीक्षण किया। समिति ने स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए तथा आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। मंगलवार को भी समिति के घटनास्थल जाने की तैयारी थी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच तनाव के कारण यह संभव नहीं हो सका था। इससे पहले समिति ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती गोलीबारी के घायलों के बयान भी दर्ज किए थे। घटनास्थल पर पहुंची जांच समिति को स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए ज्ञापन भी सौंपा। तनाव अन्य क्षेत्रों में फैलने की आशंका को देखते हुए राजनीतिक दल भी सक्रिय हो गए हैं। काठमांडू में आयोजित सर्वदलीय बैठक के निर्णय के अनुसार देवानगंज और हरिनगर गांवपालिकाओं में सर्वदलीय बैठक कर सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए संयुक्त अपील जारी करने का निर्णय लिया गया है।

विश्व प्रसिद्ध सोमेश्वर धाम श्रवणी मेले का डीएम-एसपी एवं महंत ने किया उदघाटन

प्रात: किरण संवाददाता

अरेराज। पूर्वी चंपारण के अरेराज स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा सोमेश्वर धाम में लगने वाले श्रावणी मेला-2026 का स्थानीय विधायक राजू तिवारी, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव , पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, अपर समाहर्ता मुकेश मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, मंदिर के महंत रविशंकर गिरी एवं मुख्य पार्षद नगर पंचायत, अमितेश कुमार पाण्डेय के द्वारा संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर विधायक एवं जिलाधिकारी के द्वारा संपूर्ण जिला वासियों को शुभकामना दी गई एवं जिले की प्रगति एवं उन्नति की कामना की गई।

इस अवसर पर मेले में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज, डीसीएलआर अरेराज,प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। वही विधायक, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर बाबा सोमेश्वर नाथ जी का दर्शन करते हुए पूजा अर्चना की।

बाबा सोमेश्वर नाथ धाम में आयोजित श्रावणी मेला को लेकर अरेराज पहुंच डीएम-एसपी ने किया संबोधन

प्रात: किरण संवाददाता

अरेराज। बाबा सोमेश्वर नाथ धाम में आयोजित श्रावणी मेला के सफल संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की संयुक्त ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में सोमेश्वर नाथ धाम में आयोजित श्रावणी मेला में आप सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, यह आपके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी अपने कर्तव्य का सम्यक निर्वहन करेंगे ताकि इस पवित्र माह में जलाभिषेक करने अथवा मेला घूमने आए श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मंदिर परिसर एवं मंदिर के फुलवारी में मुख्य नियंत्रण कक्ष बनाया गया है जहां तीन पाली में पदाधिकारी एवं कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है सभी लोग निर्धारित समय अवधि में मुस्तादी से अपने कार्यों को संपन्न करेंगे। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार एवं मंदिर मार्ग पर चिन्हित कल 12 स्थलों पर तीन पाली में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी भी मुस्तैदी से अपने कर्तव्य का पालन करेंगे। मेला परिसर के लिए 17 गश्ती की दल बनाया गया है। यह भी तीन पाली में है। गश्ती दल के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी भी अपनी बेहतर सेवा देंगे ताकि मेला में आए हुए लोग अपने साथ अच्छी यादों को लेकर वापस लौटे। मेला क्षेत्र में चिन्हित कुल 11 स्थानों पर अलग से प्रतिनियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया की सभी प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी एवं कर्मी/बल समय से अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित होकर अपनी सेवाएं देंगे। इसमें किसी तरह की कोताही अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी एवं ऐसा पाया जाने पर दंडित भी किया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को नियमित रूप से प्रतिनियुक्ति कर्मियों की उपस्थिति की वाचन जांच करने का निर्देश दिया गया।

नगरपरिषद के सफाईकर्मी हड़ताल पर उतरे, सफाई व्यवस्था चरमराई

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। बिहार के शहरों की सफाई, जलापूर्ति और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। 30 जुलाई से प्रदेश भर के नगर निकाय कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। बिहार लोकल बॉडीज इम्प्लाईज फेडरेशनह्व और बिहार राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ (एक्टू) के संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने इस आर-पार की लड़ाई काऐलान कर दिया है। दैनिक वेतनभोगी, संविदा, आउटसोर्सिंग और ठेका कर्मचारियों का कहना है कि सरकार से कई दौर की बातचीत के बाद भी उनकी जायज मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में उनकी रीढ़ की हड्डी जैसी भूमिका है, लेकिन उनकी अपनी जिंदगी उपेक्षा और अनिश्चितता के अंधेरे में गुजर रही है।

विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर 47वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रक्सौल, मानव तस्करी रोधी इकाई, नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल, हरैया थाना, रक्सौल थाना, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, स्वच्छ संस्था रक्सौल, एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन, अफनता नेपाल संस्था तथा आशीष सामाजिक संस्था, नेपाल के संयुक्त तत्वावधान में पनटोका गांव में मानव व्यापार के विरुद्ध जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों को मानव तस्करी के प्रति जागरूक करते हुए इससे बचाव एवं रोकथाम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। रैली में सैकड़ों स्कूली छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने जो मानव व्यापार कराएगा, जेल की हवा खाएगा, बच्चों की मुस्कान, देश की शान तथा मानव व्यापार मुक्त भारत हमारा संकल्प जैसे नारों के माध्यम से पूरे गांव में जागरूकता का संदेश प्रसारित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहायक कमांडेंट दिनकर कुमार त्रिपाठी ने कहा कि मानव व्यापार एक गंभीर सामाजिक अपराध है, जिसकी रोकथाम केवल सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि अथवा मानव तस्करी से संबंधित सूचना तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चम्पारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने मानव व्यापार के कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा बाल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किसी भी बच्चे के शोषण, तस्करी अथवा संकट की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112 तथा प्रयास हेल्पलाइन 9289692023 पर तत्काल सूचना देकर सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर 47वीं वाहिनी एसएसबी के इंस्पेक्टर कोमल सिंह, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम के सहायक उप निरीक्षक खेमराज, अरविंद द्विवेदी, शालिनी जोशी एवं कामनी, हरैया थाना की उप निरीक्षक बिट्टू कुमारी एवं उनकी टीम, रक्सौल थाना के पुलिसकर्मी, एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन के शिवपूजन कुमार, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के राज गुप्ता, अभिषेक कुमार, उमेश कुमार श्रीवास्तव, किरण वर्मा एवं आशीष कुमार, स्वच्छ संस्था के रंजीत सिंह एवं साबरा खातून सहित अन्य अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, सरपंच, वार्ड सदस्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

वाल्मीकिनगर में वन्यजीव अपराध निवारण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के वाल्मीकिनगर वन सभागार में गुरुवार से वन्यजीव अपराध निवारण विषय पर दो दिवसीय वाइल्डलाइफ क्राइम प्रिवेंशन ट्रेनिंग (रिफ्रेशर मॉड्यूल-बी) 2026 का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई) द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार के सहयोग तथा आईएनएल के समर्थन से किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन वीटीआर प्रमंडल-दो के उप निदेशक सह प्रमंडलीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) विकास अहलावत ने किया। उन्होंने कहा कि वन्यजीव अपराधों की रोकथाम में प्रशिक्षित और दक्ष वनकर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाते हैं। प्रशिक्षण में वीटीआर के पांच वन प्रक्षेत्र पदाधिकारियों के अलावा सभी आठ वन क्षेत्रों से कुल 23 वनपाल एवं वनरक्षी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, वन्यजीव अपराधों की विवेचना, साक्ष्य संकलन, अभियोजन प्रक्रिया तथा न्यायालयीन मामलों से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जा रही है।

समाधान समारोह-2026 के तहत 21 से 23 अगस्त तक सर्वोच्च न्यायालय में विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। सहभागी न्याय तथा न्याय की घर-घर तक पहुंच की संकल्पना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रव्यापी स्तर पर मध्यस्थता एवं विवादों के सामंजस्यपूर्ण समाधान के लिए समाधान समारोह-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का शुभारंभ 21 अप्रैल 2026 को किया गया है तथा इसका समापन 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों का त्वरित एवं प्रभावी निपटारा सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से पक्षकारों को आपसी सहमति से विवादों के समाधान का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं सहभागी बनाया जा सके।इस संबंध में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिम चम्पारण, बेतिया श्री अमरेन्द्र कुमार राज ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को समाधान समारोह-2026 के तहत विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पहल 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो चुकी है तथा इसके माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में लंबित ऐसे मामलों का निस्तारण किया जाएगा, जिनमें पक्षकार आपसी सहमति से विवाद का समाधान करने के इच्छुक हैं। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता एवं सुलह के माध्यम से विवादों का समाधान न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विशेष लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ-साथ समय एवं संसाधनों की बचत भी होगी। उन्होंने संबंधित पक्षकारों से अपील की कि यदि उनका मामला माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है और वे आपसी सहमति से उसका समाधान चाहते हैं, तो इस विशेष लोक अदालत के माध्यम से विवाद के सौहार्दपूर्ण निपटारे का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

दो अलग-अलग पोखरों से दो विशालकाय मगरमच्छों का सफल रेस्क्यू, गंडक नदी में सुरक्षित छोड़ा गया

- बांसगांव असानी और यमुनापुर गांव में वन विभाग की त्वरित कार्रवाई, घंटों की मशक्कत के बाद दोनों मगरमच्छों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास में किया गया रिलीज

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के वन विभाग ने 29 जुलाई 2026 को दो अलग-अलग स्थानों पर रेस्क्यू अभियान चलाकर दो विशालकाय मगरमच्छों को सुरक्षित पकड़कर गंडक नदी में छोड़ दिया। दोनों मगरमच्छ आबादी वाले क्षेत्रों के पोखरों में पहुंच गए थे, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से संभावित हादसे को टाल दिया गया और लोगों ने राहत की सांस ली।पहली घटना बांसगांव असानी स्थित सरकारी पोखरे की है, जहां मगरमच्छ देखे जाने की सूचना मिलते ही रेंजर श्रीमान मलाकार के निर्देश पर फॉरेस्टर के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। वनरक्षी विक्की कुमार सहित अन्य कर्मियों ने पोखरे की गहराई में छिपे विशालकाय मगरमच्छ को कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद उसे गंडक नदी में छोड़ दिया गया। वहीं दूसरी घटना यमुनापुर गांव में रामनंदन यादव (पिता- कमल प्रसाद यादव) के निजी पोखरे की है। यहां भी मगरमच्छ पहुंचने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सुरक्षित रेस्क्यू अभियान चलाकर मगरमच्छ को पकड़ लिया। बाद में उसे भी उसके प्राकृतिक आवास गंडक नदी में छोड़ दिया गया। रेंजर श्रीमान मलाकार ने बताया कि बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण मगरमच्छ कई बार बहकर आसपास के पोखरों और जलाशयों तक पहुंच जाते हैं।

बकरी चरा रहे वृद्ध पर बाघ का हमला, गंभीर हालत में बगहा अनुमंडल अस्पताल रेफर

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से सटे बिसहा गांव के पास गुरुवार को बाघ के हमले में एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल बगहा रेफर किया गया है। वन विभाग ने घटना की पुष्टि करते हुए मौके पर निगरानी टीम तैनात कर दी है। जानकारी के अनुसार बिसहा गांव निवासी 65 वर्षीय अकलु यादव हाथी मलखनता पुल के पास खेत के समीप बकरी चरा रहे थे। इसी दौरान जंगल की ओर से निकले एक बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में अकलु यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की चीख-पुकार और बाघ की दहाड़ सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़ पड़े। गांव नजदीक होने के कारण देखते ही देखते दर्जनों लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। लोगों की आहट और शोर सुनकर बाघ वीटीआर के जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने तत्काल घायल अकलु यादव को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल, बगहा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर सत्यम कुमार और फॉरेस्टर आशीष कुमार वनकर्मियों की टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया तथा अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल लिया और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। रेंजर सत्यम कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटनास्थल पर वन विभाग की टीम तैनात कर दी गई है और बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

वेंडिंग जोन के लिए नगर निगम की पहल को मिली मंजूरी, हजारी पशुमेला मैदान के दो स्थानों की सरकारी जमीन चिन्हित: गरिमा

- नगर निगम बोर्ड से पारित अपने प्रस्ताव पर सहमति प्रदान करने से अमल का रास्ता साफ हो जाने पर महापौर ने जताया जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम क्षेत्र की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर अनधिकृत रूप से दुकानें लगाकर आवागमन बाधित करने की समस्या के स्थायी समाधान के लिए वेंडिंग जोन बनाने की अनुमति मिल गई है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम प्रशासन की बड़ी पहल सफल हो गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि उनके प्रस्ताव पर नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित वेंडिंग जोन निर्माण योजना के तहत सदर अंचल कार्यालय ने हजारी पशुमेला मैदान स्थित दो सरकारी भूखंडों को वेंडिंग जोन के लिए उपयुक्त बताते हुए नगर आयुक्त को सहमति पत्र भेज दिया है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि अंचल अधिकारी द्वारा भेजे पत्र में स्पष्ट किया गया है कि चयनित दोनों भूखंड बिहार सरकार की बकास्त भूमि हैं, जिन्हें वेंडिंग जोन के निर्माण के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। पत्र के अनुसार पहला भूखंड प्रखंड कार्यालय के सामने तथा दूसरा हरिवाटिका शिव मंदिर के समीप स्थित है। दोनों स्थलों का सीमांकन, खाता, खेसरा, मौजा और एक-एक एकड़ से भी अधिक रकबा का विवरण भी पत्र में अंकित किया गया है। महापौर ने कहा कि नगर निगम लंबे समय से शहर के फुटपाथों और मुख्य सड़कों पर बेतरतीब ढंग से लगने वाली दुकानों के कारण उत्पन्न जाम और आम नागरिकों की परेशानी का स्थायी समाधान तलाश रहा था। अब वेंडिंग जोन बनने से सैकड़ों छोटे दुकानदारों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान पर कारोबार करने का अवसर मिलेगा, वहीं सड़कें अतिक्रमण मुक्त होकर यातायात भी सुगम होगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन अब वेंडिंग जोन के निर्माण और आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास की प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाएगा, ताकि शहर में व्यवस्थित व्यापार व्यवस्था स्थापित हो सके और नागरिकों के साथ-साथ फुटपाथी दुकानदारों को भी इसका सीधा लाभ मिल सके। इसके साथ ही नगर निगम बोर्ड से बीते वर्ष ही पारित अपने प्रस्ताव पर सहमति प्रदान करने से वेंडिंग जोन बनाने का रास्ता साफ हो जाने को लेकर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक कृतज्ञता और आभार जताया है।

संक्षिप्त खबरें

पीएचडी मंत्री संजय कुमार सिंह ने कांवड़िया पथ पर जर्मन हैंगर टेंट का किया उदघाटन

भागलपुर सुल्तानगंज। पीएचडी मंत्री संजय कुमार सिंह ने श्रावणी मेला को लेकर कांवड़िया पथ के कमराय चौक के पास जर्मन हैंगर सेवा शिविर का उदघाटन फिता काट कर किये/इस मौके भाजपा नेता रवि कुमार सुमन उर्फ अरुण मंडल, पूर्व नगर उपसभापति मनोज यादव,नगर प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोहम्मद नसीम , पियूष कुमार सहित इत्यादि एनडीए कार्यकर्ता व पीएचडी पदाधिकारियों ने बुके व अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया/इस दौरान पीएचडी मंत्री ने जर्मन हैंगर टेंट में ठहरे हुए कांवड़ियों से सुविधाएं के बारे में पूछताछ करने पर सभी कांवड़ियों ने अच्छी व्यवस्था की बात कही/इस मौके पर पीएचडी मंत्री ने मिडिया से बातचीत करते हुए बताया कि इस बार कांवड़िया की सुविधाओं के लिए पीएचडी विभाग के अधिकारियों के द्वारा जगह जगह जर्मन हैंगर टेंट लगाया गया है और कहा कि शुद्ध पानी, चापाकल,शौचालय, झरना भी लगाये गये है/ कांवड़ियों की सुविधा के लिए विशेष ख्याल रखा गया है,और कहा कि कहीं कहीं कमी है तो उसे भी एक से दो दिन के अन्दर दुर कर लिये जाएंगे की बात कही/इस मौके पर दर्जनों एनडीए कार्यकर्ता एवं विकास के अधिकारी भी मौजूद थे।

फरार वारंटियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, पांच गिरफ्तार

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। हवेली खड़गपुर थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर फरार चल रहे वारंटियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार सभी वारंटियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।गिरफ्तार वारंटियों में मोहम्मद अतलमश (रौशन नगर), मोहम्मद आरजू (रौशन नगर), भीम कुमार (तुलसीपुर), इंद्रदेव शर्मा (कौशलपुर) तथा सरूण पासवान (रमनकाबाद) शामिल हैं। थाना पुलिस ने बताया कि सभी के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी था और वे फरार चल रहे थे। अभियान के तहत सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आपसी विवाद में मारपीट, छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के नयन बिगहा गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने छह लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। इस संबंध में घायल महिला इजावा देवी के आवेदन पर गांव के ही बिल्ला यादव समेत कुल छह नामजद आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।पीड़िता ने पुलिस को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि आपसी विवाद के दौरान आरोपितों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजनों की मदद से उन्होंने शेरघाटी थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई और आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की।मामले की गंभीरता को देखते हुए शेरघाटी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी तथ्यों की पड़ताल कर रही है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है।

श्रावणी मेला के पहले दिन लाखों कांवड़िया ने उत्तरवाहिनी गंगा में लगाई डुबकी

हर हर महादेव, बोल बम के जयकारे से अजगैविनाथ मंदिर सहित पुरा शहर हुआ गुंजायमान

■ डीएम, एसपी ने मेला क्षेत्र का किये निरक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर सुल्तानगंज। श्रावणी मेला शुरू होते ही , ट्रेफिक नियमों में बदलाव,और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये है,इसको डीएम अलंकृता पाण्डेय, एसएसपी प्रमोद कुमार यादव ने नमामि गंगा घाट, अजगैविनाथ गंगा घाट, कांवड़िया धर्मशाला, धांधी बेलारी कांवड़िया सेवा शिविर सहित अन्य मेला क्षेत्र का निरक्षण कर जायजा लिये है/आपको बताते चलें कि आज विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के पहले दिन अजगैविनाथ धाम से लाखों कांवरिया ने गंगा जल भर कर हर हर महादेव के जयकारे लगाकर बैधनाथ धाम के लिए पैदल व वाहन से रवाना हो रहे हैं/ खासकर बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल,असम,नेपाल, राजस्थान के हजारों की हजारों संख्या में अजगैविनाथ गंगा घाट, नमामि गंगा घाट पहुंचकर उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर गंगा जल लेकर पुरोहित द्वारा पूजा पाठ करते हुए हर हर महादेव, बोल बम के जयकारों के साथ नाचते झुमते हुए पैदल व वाहन से बाबा भोलेनाथ के दरबार बैधनाथ धाम के लिए रवाना हो रहे हैं, जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश पर जगह जगह पुलिस बल, महिला पुलिस बल लगाते हुए कांवड़िया मार्ग में बड़ी वाहनों एवं छोटी वाहनों को वर्जित कर दिया गया/अगर कोई ऐसा करता है तो उस पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी, और मेला क्षेत्र में कोई वाहन प्रवेश करते हैं तो उसे सुल्तानगंज थाना से परमीशन लेने की बात कही है/जिला प्रशासन द्वारा फोरलेन में बड़ी वाहनों एवं छोटी वाहनों का दबाव बढ जाने से फोरलेन में पहले श्रावणी मेला के दिन घंटों जाम की समस्या से कांवड़िया परेशानी का सामना करना पड़ रहा है/इस ओर जिला प्रशासन का ध्यान नहीं जाने पर फोरलेन में कांवड़िया वाहनों परेशानी व सड़क दुघटना का भी शिकार हो सकते हैं/नगर परिषद सुल्तानगंज के द्वारा गंगा घाट से लेकर पुरे शहर में युद्ध स्तर से साफ सफाई अभियान लगातार चलाये जा रहे है/पीएचडी विभाग के द्वारा भी पुरे मेला क्षेत्र में शुद्ध पानी, शौचालय का प्रयाप्त व्यवस्था की गई है

भारत निर्वाचन आयोग का निर्देश निर्वाचन साक्षरता को मिले बढ़ावा

■ मुंगेर में चलाया जाएगा मतदाता जागरूकता अभियान : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला स्कूल, मुंगेर में निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला स्कूल, मॉडल स्कूल, टाउन हॉल स्कूल, बैजनाथ उच्च विद्यालय एवं बालिका उच्च विद्यालय, माधोपुर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को भारत में निर्वाचन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका एवं कार्यप्रणाली, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, मतदान की विधि, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कार्यप्रणाली तथा मतगणना की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया को सरल एवं रोचक ढंग से समझाने के लिए विभिन्न जागरूकता संबंधी वीडियो भी प्रदर्शित किए गए। साथ ही, सभागार में डेमो मतदान (ट्रृ ड्रइइल्ल्) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर मतदान प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने निर्वाचन संबंधी विभिन्न विषयों पर जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे तथा मतदान प्रक्रिया के प्रति गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने पात्रता प्राप्त होने पर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने तथा भविष्य में मतदान कर लोकतंत्र को सशक्त बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त, मुंगेर, उप निर्वाचन पदाधिकारी, मुंगेर तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर, मुंगेर उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जागरूक युवा ही सशक्त लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर से ही निर्वाचन संबंधी ज्ञान विकसित करना, उन्हें जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना तथा भविष्य के मतदाताओं को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ना था। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

एनएच-333 पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी, हादसे का बढ़ा खतरा

लोहची में सड़क किनारे अतिक्रमण और खुले में पशु कटाई से राहगीर परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर। राष्ट्रीय राजमार्ग-333 पर सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। लोहची सहित कई स्थानों पर एनएच किनारे लगाए गए लोहे के सुरक्षा घेरों के बाहर अतिक्रमण कर दुकानें संचालित की जा रही हैं। वहीं, लोहची में सड़क किनारे खुलेआम बकरे और खस्सी की कटाई किए जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, एनएच-333 पर लोहची, शामपुर, धपरी और शिवपुर लौगाय सहित कई स्थानों पर सड़क सुरक्षा के मद्देनजर लोहे के सुरक्षा घेरे लगाए गए हैं। इसके बावजूद लोहची में कई फुटकर दुकानदारों ने सुरक्षा घेरों से बाहर सड़क की ओर अपनी दुकानें बढ़ाकर अतिक्रमण कर लिया है। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो गई है और वाहनों के आवागमन में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लोहची में संचालित दो-तीन मांस की दुकानों पर प्रतिदिन सुबह करीब छह बजे से 11 बजे तक सड़क किनारे ही बकरे और खस्सी की कटाई की जाती है। कटाई के दौरान सड़क पर खून और अन्य अवशेष फैलने से राहगीरों को परेशानी होती है। कई बार वाहनों को भी सड़क के दूसरे हिस्से से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे आमने-सामने टक्कर और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि एनएच-333 पर लगातार वाहनों का आवागमन रहता है। ऐसे में सड़क किनारे अतिक्रमण और पशुओं की कटाई जैसी गतिविधियां कभी भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती हैं। लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने तथा सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। समाजसेवी ईशु यादव, पंकज यादव और राकेश चंद्र सिन्हा ने भी प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि एनएच के सुरक्षा घेरों के बाहर अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों तथा सड़क किनारे पशुओं की कटाई करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात व्यवस्था सुचारु होने के साथ संभावित दुर्घटनाओं पर भी रोक लगाई जा सकेगी।

डीएम ने माताओं के गर्भधारण पूर्व देखरेख विषयक कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। महिलाओं एवं भावी माताओं के बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित मातृत्व तथा स्वस्थ शिशु के जन्म को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को संग्रहालय सभागार, मुंगेर में गर्भधारण पूर्व देखभाल विषयक कार्यशाला का शुभारंभ जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की राज्य स्तर पर पहली बार शुरूआत की जा रही है, जिसमें मुंगेर एवं बेगूसराय जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को गर्भधारण से पूर्व आवश्यक स्वास्थ्य जांच, पोषण, जीवनशैली, मानसिक स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि प्रत्येक महिला स्वस्थ अवस्था में गर्भधारण कर सके तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। कार्यशाला में अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ. राजू, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी जपायगो डॉ. राकेश कुमार झा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक फैजान अशरफी, प्रोग्राम पदाधिकारी, जपायगो निगार कौसर, जपायगो के डॉ आनंद सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्वस्थ समाज की आधारशिला स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु होते हैं। यदि महिलाओं को गर्भधारण से पहले ही आवश्यक चिकित्सीय परामर्श, संतुलित पोषण, एनीमिया की जांच एवं उपचार, टीकाकरण तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए तो गर्भावस्था के दौरान होने वाली अनेक जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता लाने का एक व्यापक अभियान है, जिसमें सभी संबंधित विभागों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों को निर्देश दिया कि इस अभियान को जिले के सभी प्रखंडों एवं स्वास्थ्य संस्थानों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर विवाह योग्य युवतियों एवं नवविवाहित दंपतियों को गर्भधारण पूर्व देखभाल के महत्व की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस पहल का लाभ उठा सकें।

गुरु पूर्णिमा पर निकली भव्य पालकी शोभायात्रा भक्ति और श्रद्धा से सराबोर रहा पकवलिया

सीवान/दारौंदा (पकवलिया): श्रद्धेय गुरुदेव डॉ. चन्द्र भानु सतपथी जी की प्रेरणा से श्री गुरु भागवत घर, पकवलिया में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निकाली गई श्री गुरु भागवत पालकी शोभायात्रा में पकवलिया समेत आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

पूरे क्षेत्र में दिनभर आध्यात्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण बना रहा।कार्यक्रम की शुरूआत गुरु-पूजन एवं श्री गुरु भागवत के सामूहिक पाठ से हुई। इसके बाद भजन-कीर्तन और सामूहिक गायन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने गुरु-तत्त्व के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। पालकी शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति-गीत गाते हुए पूरे गांव का भ्रमण करते रहे। समापन पर महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।आयोजकों ने बताया कि 6 दिसंबर 2022 को श्रद्धेय डॉ. चन्द्र भानु सतपथी जी ने श्री गुरु भागवत घर का विधिवत उद्घाटन किया था। उसी अवसर पर नीम के पवित्र वृक्ष का रोपण भी किया गया था।

उद्घाटन समारोह में सांसद मनोज तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही थी और उनके भजन-गायन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया था। उस ऐतिहासिक कार्यक्रम में तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की थी।

श्री गुरु भागवत घर आज धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां प्रतिदिन श्री गुरु भागवत का पाठ तथा प्रत्येक रविवार को सामूहिक गायन और विचार-चर्चा का आयोजन होता है। रामनवमी, गुरु पूर्णिमा और स्थापना दिवस जैसे अवसरों पर नियमित रूप से भव्य पालकी शोभायात्राएं भी निकाली जाती हैं।

संस्थान से लगभग 50 बच्चे नियमित रूप से जुड़े हैं, जो ह्यश्री गुरु भागवत में निबद्ध माता-पिता स्तवक का गायन करने के साथ संगीत का प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, भंडारा, शाल एवं कंबल वितरण तथा जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता जैसे सेवा कार्य भी निरंतर संचालित किए जा रहे हैं।

इसी सेवा और संस्कार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्री विक्रम कमल एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा पकवलिया में ह्यगुरुजी श्री सी.बी. सतपथी स्कूलह्ण की स्थापना का कार्य भी शुरू किया गया है। 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर विद्यालय का भूमि पूजन संपन्न हुआ था।

सिरसाव नवका टोला के पास गड्ढे में गिरी कार, चालक सुरक्षित

सीवान/दरौंदा थाना क्षेत्र के सिरसाव नवका टोला के समीप गुरुवार को एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में जा गिरी। हालांकि इस हादसे में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और कार चालक सुरक्षित बच गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार महाराजगंज की ओर से दरौंदा आ रही थी, जबकि एक टेंपो दरौंदा से महाराजगंज की ओर जा रहा था। आमने-सामने आने के दौरान दोनों वाहनों को बचाने के प्रयास में कार चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे कार सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में जा गिरी।दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए।स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी दरौंदा थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कार को गड्ढे से बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है तथा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जलजमाव से राहत के लिए नाले का अस्थाई निकासी करेगा प्रशासन

बरसात में जलजमाव की समस्या से परेशान ग्रामीणों के आवेदन के आलोक में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सदर कुमार सौरभ ने नौवागढ़ी दक्षिणी पंचायत के बजरंगबली नगर का निरीक्षण किया।ग्रामीणों ने बताया कि नाले पर अतिक्रमण कर लिए जाने के कारण बारिश में गांव में भारी जलजमाव हो जाता है। इससे कई तरह की बीमारियां फैलने का डर बना रहता है। ग्रामीणों गीता प्रसाद और सुभाष मंडल ने पदाधिकारी को समस्या से अवगत कराया।ग्रामीणों की मांग है कि नाले का अस्थाई निकासी बजरंगबली नगर गांव से होते हुए हाई स्कूल की दीवार तोड़कर किया जाए, ताकि लोगों को जलजमाव से मुक्ति मिल सके।मौके पर पहुंचे प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी कुमार सौरभ ने ग्रामीणों से बातचीत कर नाले के अस्थाई निकासी के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समस्या के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिव पप्पू कुमार, कनीय अभियंता नंदनी कुमारी सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि ग्रामीणों को जलजमाव से राहत दिलाने के लिए जल्द ही नाले का अस्थाई निकासी कराया जाएगा।

मारपीट मामले में एक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के बड़की भुईटोली मोहल्ले में मारपीट की घटना को लेकर शेरघाटी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस संबंध में बड़की भुईटोली निवासी राजकुमार दास ने अपने ही मोहल्ले के निवासी बजेन्द्र मांझी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है।दर्ज आवेदन में राजकुमार दास ने आरोप लगाया है कि आपसी विवाद के दौरान बजेन्द्र मांझी ने उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित ने शेरघाटी थाना पहुंचकर पुलिस को मामले की जानकारी दी और आरोपित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की।शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के कारणों और परिस्थितियों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि राजकुमार दास के आवेदन पर बजेन्द्र मांझी के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

वाराणसी-औरंगाबाद एनएच-2 टोलवे ने चलाया 7-दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान

औरंगाबाद। वाराणसी-औरंगाबाद एनएच-2 टोलवे प्राइवेट लिमिटेड ने अपने हाईवे कॉरिडोर पर 13 से 19 जुलाई तक सप्ताहभर का ह्यसड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों को बढ़ावा देना था।देश में बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए चलाए गए इस अभियान के तहत टोल प्लाजा पर जागरूकता बैनर लगाए गए और ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर हाईवे पर संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान वाहनों पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए तथा अवैध पार्किंग को हटाकर यातायात सुचारु किया गया।स्वास्थ्य जांच शिविरः डाफी टोल प्लाजा पर आयोजित निःशुल्क शिविर में 177 से अधिक ट्रक चालकों और यात्रियों की स्वास्थ्य जांच की गई।स्कूली जागरूकताः भावी पीढ़ी को यातायात नियमों और सुरक्षित सड़क उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यार्थियों के साथ विशेष सत्र आयोजित किए गए।मॉक ड्रिल आपातकालीन तैयारियों और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखने के लिए डाफी, मोहनिया और सासाराम टोल प्लाजा पर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ।रोडिस इंडिया के हेड ऑफ ऑपरेशंस अश्विनी शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा श्अल्ठ की प्राथमिकता है और कंपनी यात्रियों के लिए एक सुरक्षित कॉरिडोर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महर्षि वेदव्यास जयंती एवं गुरु पूर्णिमा श्रद्धापूर्वक संपन्न

औरंगाबाद। सरस्वती शिशु मंदिर, औरंगाबाद (बिहार) में महर्षि वेदव्यास जयंती (गुरु पूर्णिमा) श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात महर्षि वेदव्यास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार कौशिक जी, उपप्रधानाचार्य श्री संजय कुमार सिंह जी तथा जयंती प्रमुख आचार्य मदनजीत सिन्हा जी , कन्या भारती प्रधानमंत्री बहन नंदिनी राज पुरोहित एवं समस्त आचार्य दीदी जी, भैया बहनोंकी गरिमामयी उपस्थिति रही।

डंपर-ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत, चालक गंभीर घायल

■ एक घंटे तक एनएच-531 पर बाधित रहा यातायात, क्रेन से हटाए गए क्षतिग्रस्त वाहन

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। छपराझ्रसीवान एनएच-531 मुख्य सड़क पर दरौंदा थाना क्षेत्र के मछौता गांव के समीप बुधवार की रात करीब नौ बजे डंपर और ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना भयावह था कि दोनों भारी वाहनों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर धंस गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटना में डंपर का चालक केबिन के अंदर बुरी तरह फंस गया, जबकि ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद डंपर चालक दर्द से कराहता रहा, लेकिन केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसे बाहर निकालना काफी मुश्किल था। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने काफी देर तक अथक प्रयास कर भारी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला।

घटना की सूचना श्रीराम फाइनेंस कंपनी के मैनेजर रितेश कुमार सिंह ने तत्काल स्थानीय थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया।दुर्घटना के कारण छपराझ्र सीवान मुख्य सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में ऑल-न्यू हिलक्स किया लॉन्च, शुरूआती कीमत रूपए 31.99 लाख होगी

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्लीः टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारतीय बाजार में अपनी दमदार पिकअप ऑल-न्यू हिलक्स लॉन्च करने की घोषणा की है। सूमो कॉन्सेप्ट से प्रेरित इसके साइबर सूमो डिजाइन में चौड़ा ग्रिल और मस्कुलर लुक दिया गया है।

कंपनी ने इसे 2.8-लीटर इर6 फेज 2 डीजल इंजन के साथ पेश किया है, जो 204 ढर की पावर और 500 ठे का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और 80-लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है। ऑफ-रोडिंग को बेहतर बनाने के लिए इसमें ल4 और छ4 रेंज वाला 4हऊ सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक डिफरेंशियल लॉक और डाउनहिल असिस्ट कंट्रोल (ऊअउ) जैसे फीचर्स शामिल हैं।

इसके केबिन में 12.3-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7-इंच कॉम्बिनेशन मीटर, ⸝-कनेक्ट टेक्नोलॉजी और 8-स्पीकर ऑडियो सिस्टम दिया गया है। सुरक्षा के लिहाज से गाड़ी में 7 एयरबैग्स, ढंल्लङ्गं१ॅ श्रीं६ टङ्गल्ल३ङ्ग१, श्रउ, अइर, और ळढटर जैसे फीचर्स दिए गए हैं।यह वाहन तीन वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा। इसकी शुरूआती कीमत 3,199,000 (एक्स-शोरूम) रखी गई है। गाड़ी की बुकिंग 28 जुलाई 2026 से शुरू हो चुकी है, जबकि इसकी डिलीवरी अगस्त के दूसरे सप्ताह से शुरू की जाएगी।

19 वें दिन मोतिहारी जिला में मुख्यालय के कचहरी चौक पर एक दिवसीय वित्तरहित शिक्षा नीति समाप्ति के लिए हुआ आन्दोलन

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। गुरुवार को मोतिहारी जिला के कचहरी चौक पर बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल कमिटी के बैनर तले वित्तरहित शिक्षा नीति समाप्ति को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।

बिहार प्रदेश सेवादल के मुख्य संगठक अध्यक्ष डॉ संजय यादव ने कहा कि हमारी प्रमुख मांगे वित्तरहित शिक्षा नीति तत्काल समाप्त की जाये । वित्तरहित डिग्री कॉलेज इंटर कालेजों एवं अन्य वित्तरहित शिक्षा केन्द्रों को समायोजित किया जाये।

शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को वेतनमान। सेवानिवृत्त शिक्षकों को पेंशन एवं सेवानिवृत्त लाभ दिया जाये। दिवंगत शिक्षकों के परिवारों के आश्रितों को समाजिक सुरक्षा।

प्रखंड स्तरीय डिग्री कॉलेज योजना से पहले संचालित वित्तरहित महाविद्यालयों को प्राथमिकता दी जाये। मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश दयाल ने कहा कि बिहार में लगभग 1200 वित्तरहित माध्यमिक विद्यालय इंटर कालेज हैं, सैकड़ों डिग्री कॉलेज वित्तरहित है जिससे लगभग 85000 शिक्षक विगत 40 वर्षों से सड़कों पर हैं।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि विगत 19 वें दिन मोतिहारी जिला में यह आन्दोलन पहुंचा है आने वाले 24 अगस्त को कफन दो या वित्तरहित शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों को स्थापित करों कार्यक्रम के साथ समापन किया जायेगा।

भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ बाणभट्ट महोत्सव

औरंगाबाद। शहर स्थित सम्राट अशोक सभागार में जनेश्वर विकास केंद्र एवं महोत्सव परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बाणभट्ट महोत्सव भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य लालमोहन शास्त्री, गिरिराज महाराज, वरिष्ठ साहित्यकार सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. संजीव नारायण सिंह, खादिम ग्राम उद्योग के पूर्व अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, भाजपा नेता अनिल आर्य, विनोद सिंह एवं प्रो. रामाधार सिंह सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। आचार्य लालमोहन शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महोत्सव का विधिवत शुभारंभ कराया। बाणभट्ट पर लिखी हुई जीवनी परिचय की पुस्तक का विमोचन किया गया।कार्यक्रम संयोजक लालदेव प्रसाद, सहसंयोजक सुरेंद्र सिंह, वरिष्ठ कवि लवकुश प्रसाद, जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष रामजी सिंह, खेल कौशल के संयोजक वीरेंद्र सिंह एवं कला कौशल मंच के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव सहित आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। लोक गायक धर्मेंद्र यादव ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं साहित्य प्रेमियों का स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य लालमोहन शास्त्री ने कहा कि महाकवि बाणभट्ट संस्कृत साहित्य के महान विद्वान और यशस्वी रचनाकार थे। उनकी कालजयी कृतियां कादंबरी और हर्षचरित संस्कृत साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं। उनके साहित्य और व्यक्तित्व का व्यापक प्रचार-प्रसार नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और समृद्ध साहित्यिक परंपरा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कहा कि मान्यता के अनुसार महाकवि बाणभट्ट का जन्म हसपुरा प्रखंड के पीरू गांव में हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

राशन कार्ड एवं प्रमाण-पत्र बनाने में आम लोगों को मिलेगी राहत, जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा भी होगी मान्य

नीमचक बथानी। अनुमंडल पदाधिकारी केशव आनंद की अध्यक्षता में आयोजित अनुश्रवण समिति की बैठक में मोहम्मद औरंगजेब ने राशन कार्ड तथा जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण-पत्र बनवाने में भूमि रसीद ऐवखतियान की अनिवार्यता से आम लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया। बैठक में बताया गया कि जिला परिषद सदस्य, प्रमुख, मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा के आधार पर भी जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी, जिससे आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

आर्यसमाज, मानपुर का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न

गया जी। आर्य समाज मंदिर मानपुर गयाजी का चुनाव विशेष रूप से आमंत्रित नरेश चन्द्र आर्य, चुनाव पदाधिकारी, अशोक आर्य चुनाव पर्यवेक्षक, एवं आचार्य संजय सत्यार्थी की उपस्थिति में शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। चुनाव के परिणामों की घोषणा भी कर दी गयी। सर्वसम्मति विनोद कुमार आर्य आर्यसमाज मानपुर के प्रधान, जय प्रकाश आर्य मंत्री, राज किशोर प्रसाद कोषाध्यक्ष एवं प्यारचंद कुमार मोहन अंकेक्षक पद के लिए चुन लिए गये हैं। उप प्रधान के रूप में सुषमा आर्या एवं शीला आर्या तथा उप मंत्री के रूप में किरण आर्या एवं इन्द्र देव दिवाकीर्ति को दायित्व सौंपे गये हैं। आर्य वीर दल के अधिष्ठाता के रूप में प्रेम कुमार आर्य का चयन किया गया है। आर्यसमाज मानपुर के संरक्षक के रूप में बच्चू लाल आर्य एवं सत्येन्द्र कुमार आर्य अपनी भूमिका निभाएंगे। नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों ने आर्य समाज मंदिर, मानपुर, गया के विकास के लिए तन, मन, और धन से मिलकर कार्य करने का शपथ लिया। इस अवसर पर उपस्थित आर्यसमाज की वरिष्ठ सदस्या दुर्गेश नंदिनी, प्रतिभा आर्या सहित उपस्थित समस्त आर्यसमाज मानपुर परिवार ने हर्ष जताते हुए नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

चोरी के मामले में फरार बर्तन दुकानदार गिरफ्तार

आरा/सहार। सहार थाना पुलिस द्वारा चोरी के मामले में फरार दुकानदार को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी नारायणपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव स्थित उसके घर से बुधवार को की गयी। उसके पास से चोरी के बर्तन, चांदी का एक जोड़ा पायल, सोने का एक चेन एवं एक सोने का कान की फुल बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी नारायणपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी दशरथ प्रसाद का पुत्र सह कमलेश प्रसाद है। वह अपने घर में ही बर्तन की दुकान चलाता है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस नोट जारी कर दी। बता दें कि बीते 14 जुलाई सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी सह प्रोफेसर सत्येंद्र शर्मा के बंद घर का ताला तोड़ कर चोरों ने जेवर समेत लाखों रुपए का सामान उड़ा ले गए थे। इसके बाद ग्रामीण द्वारा सूचना प्राप्त होने पर प्रो. सत्येंद्र शर्मा के द्वारा स्थानीय थाना में 15 जुलाई को गांव के ही दो-तीन लोगों को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अनुसंधान के क्रम में उक्त आरोपी का नाम आया था। इस संबंध में थाना के अपर थानाध्यक्ष सुधांशु कुमार ने बताया कि चोरों द्वारा चोरी किया गया सामान कमलेश प्रसाद को बचा गया था। पूछताछ के दौरान उसके निशानदेही पर चोरी के जेवर एवं अन्य सामान को बरामद किया गया।

मुंबई जाने के लिए घर से निकले असम के युवक की आरा के पास ट्रेन से गिरकर मौत

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कोईलवर एवं कुलहड़िया स्टेशन के बीच ट्रेन से गिरकर असम निवासी एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक असम के तामूलपुर जिला के कमूलपुर थाना क्षेत्र के चंदनपुर गांव निवासी स्व. नागेंद्र दास का पुत्र निरंजन दास है। इधर, दूरभाष पर बात करने पर मृतक के परिजन ने बताया कि वह मंगलवार को ट्रेन द्वारा मुंबई जाने के लिए घर से निकला था। इसी बीच ट्रेन से गिरकर उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को रेल थाना ले आई। इसके बाद रेल पुलिस द्वारा इसकी सूचना उसके परिजनों को मिली। सूचना पाकर परिजन गुरुवार को रेल थाना पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। तब परिजन शव को दाह-संस्कार के लिए वापस असम ले गए।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने संत रविदास जन्मस्थली के पवित्र कलश की स्थापना की

जयघोष से गूंजा महावीर मंदिर परिसर

■ संत रविदास का समता और मानवता का संदेश बिहार के गांव-गांव तक पहुंचाएगी भाजपा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। भाजपा द्वारा संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में काशी (वाराणसी) से निकाली गई पवित्र कलश एवं रथ यात्रा का गुरुवार को बिहार में भव्य स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संत रविदास जी की जन्मस्थली से रवाना की गई पवित्र मिट्टी से भरा कलश आज पटना पहुँचा। भाजपा

के प्रदेश महामंत्री राजेश झा के नेतृत्व में यह यात्रा मोहनिया के चांदनी चौक (अंबेडकर प्रतिमा) से बिहार में प्रवेश करने के बाद रामगढ़, बक्सर, आरा और पटना ग्रामीण होते हुए शाम को पटना महानगर पहुंची। पटना जंक्शन स्थित प्रसिद्ध महावीर मंदिर में यात्रा का अंतिम पड़ाव हुआ, जहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पवित्र कलश को श्रद्धापूर्वक अपने सिर पर धारण कर मंदिर परिसर स्थित संत रविदास प्रतिमा स्थल तक पहुंचाया और विधिवत उसकी स्थापना की। कार्यक्रम में संगठन महामंत्री भीखू भाई दालसनिया, मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व मंत्री मंगल पांडेय, पूर्व मंत्री जनक राम, प्रदेश महामंत्री प्रीति शेखर, विधायक सुजीत पासवान, विधायक संगीता राम, विधान पार्षद संजय मयूख, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिभूषण ठाकुर बचौल, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, अनामिका पासवान, डॉ सुग्रीव सहित प्रदेश के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने बताया कि काशी स्थित संत रविदास जी की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी से भरा यह कलश अब बिहार के सभी जिलों और गांवों तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा के कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि इस पवित्र कलश को लेकर पूरे प्रदेश में सामाजिक समरसता, समानता और संत रविदास जी के विचारों का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे।

प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया केंद्रीय कारा का निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। प्रभारी प्रघान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया शशिकांत ओझा एवं सचिव अरविंद कुमार दास ने बुधवार को पर्यवेक्षक गृह, बाल गृह, एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का निरीक्षण किया है।. इस मौके पर इन सभी जगहो की विशेष रूप से निरीक्षण कर वहां के अधिकारियों के साथ विचार विमर्श कर वहां की कमियों की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।. इस मौके पर ग्रामीण एसपी, दिव्यांजलि जायसवाल, नैना, एडीसीपीयु अभय कुमार, डॉक्टर शैलेश कुमार मौके पर उपस्थित थे. प्रभारी प्रघान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष शशिकांत ओझा, सी जी एम .प्रकाश कुमार राय एवं सचिव अरविंद कुमार दास जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया ने केंद्रीय कारा में लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया. जहां आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. इस मौके पर जेल सुपरीटेंडेंट अरुण पासवान एवं जेलर सत्यजीत कुमार, डिप्टी चीफ लीगल काउंसिल के के पाठक व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारी विकास कुमार, हारून रशीद ऋतिक कुमार उपस्थित थे.

पितृपक्ष मेला 2026 की तैयारियों में कोई कमी नहीं रहे, तीर्थयात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए : डॉ. प्रेम कुमार

■ डॉ प्रेम कुमार ने जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त द्वारा पितृ पक्ष मेला की तैयारी कार्य की सराहना की ह

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को गया जिला अतिथि गृह सभागार में नगर आयुक्त एवं नगर निगम के पदाधिकारियों के साथ विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2026 की तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में पितृपक्ष मेला क्षेत्र में सड़क, नाली, विद्युत व्यवस्था, चापाकल, सफाई, शौचालय, पेयजल, पहुंच पथ एवं अन्य जनसुविधाओं की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई है।

इस बैठक में पितृपक्ष मेला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में तालाबों एवं पिंडदान वेदियों की नियमित सफाई, गया कॉलेज खेल परिसर, केंदुई बस स्टैंड एवं टेंट सिटी तक पहुंच पथ के निर्माण, सिकड़िया मोड़ बस स्टैंड पर जनसुविधाओं की बहाली, गया शहर के प्रमुख प्रवेश द्वारों के निर्माण तथा नगर क्षेत्र में विकसित किए जा रहे वर्टिकल गार्डन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गया जी का पितृपक्ष मेला विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आयोजन है, जहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अपने पितरों के पिंडदान एवं तर्पण के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में तीर्थयात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि मेला प्रारंभ होने से पूर्व सभी सड़कों, नालियों, घाटों, तालाबों, वेदियों, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, सफाई एवं अन्य नागरिक सुविधाओं को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस बैठक में नगर निगम के पदाधिकारियों ने बताया कि शहर के प्रमुख प्रवेश द्वारों का निर्माण सिकड़िया मोड़, सीताकुंड एवं कंडी नवादा के समीप कराया जाएगा, जिसके लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। साथ ही शहर को हरित एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए 50 स्थलों पर वर्टिकल गार्डन विकसित करने हेतु स्थानों का चयन कर लिया गया है तथा इसकी निविदा प्रक्रिया जारी है। वर्तमान में जिला अतिथि गृह एवं एटी गेट संख्या-5 के समीप वर्टिकल गार्डन विकसित किया जा चुका है।

पदाधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि पितृपक्ष मेला क्षेत्र की कुल 54 पिंडदान वेदियों की सफाई का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है तथा सभी प्रमुख तालाबों की भी नियमित साफ-सफाई कराई जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि पितृपक्ष मेला 2026 के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया है। इसके तहत विकास कुमार को स्वच्छता कोषांग, जितेंद्र कुमार को स्वास्थ्य कोषांग, राजनंदन गांधी को पथ एवं नाली कोषांग तथा मोहन कुमार को विद्युत कोषांग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

शेरघाटी को मिली नई मिठाई की सौगात मगध टेस्टी स्वीट्स का शुभारंभ

■ मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने रिबन काटकर किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

शेरघाटी:शहर के गोलबाजार स्थित रमना मोड़ के समीप बुधवार को मगध टेस्टी स्वीट्स का शुभारंभ भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने रिबन काटकर किया है। उद्घाटन के साथ ही लोगों ने नई मिठाई दुकान को शुभकामनाएं दीं और बेहतर गुणवत्ता की उम्मीद जताई है।

भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर नए प्रतिष्ठानों की शुरूआत रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ शहर की आर्थिक गतिविधियों को भी गति देती है। मुझे

विश्वास है कि मगध टेस्टी स्वीट्स अपने बेहतर स्वाद, गुणवत्ता और ग्राहकों के विश्वास के बल पर शेरघाटी में अलग पहचान बनाएगा।

वहीं, प्रोपराइटर संतोष कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास ग्राहकों को शुद्धता, गुणवत्ता और उचित मूल्य पर स्वादिष्ट मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। ग्राहकों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी होगी और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर दुकान के प्रोपराइटर संतोष कुमार, बबलू सिंह, सुबोध कुमार, नारायण प्रसाद अग्रवाल, डॉक्टर अभिषेक मिश्रा अजीत सिंह, महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, अरुण चंद्रवंशी, सैयद मनमुन, रूपेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, विनोद सिंह अरविंद कुमार, राजू चंद्रवंशी, सुनील अग्रवाल, संजय तायल पिंटू कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं।

लाइनेश्वर महादेव शिव मंदिर का विकास कर पर्यटन स्थल के रूप में इसकी पहचान दिलाई जाएगी : चित्तरंजन

■ चिंटू भईया ने वजीरगंज के पूरा हॉल्ट स्थित लाइनेश्वर महादेव मंदिर में श्रावणी मेले का दीप जलाकर किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

वजीरगंज। वजीरगंज प्रखंड के पूरा हॉल्ट स्थित लाइनेश्वर महादेव शिव मंदिर में गुरुवार को सावन माह के पहले दिन श्रावणी मेले का भव्य उद्घाटन हुआ। मेले का उद्घाटन वजीरगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह युवा नेता चित्तरंजन कुमार उर्फ चिंटू भईया ने दीप प्रज्वलित कर किया।विदित हो कि लाइनेश्वर महादेव शिव मंदिर में स्थापित शिवलिंग की महिमा अपरम्पार है। मान्यता है कि यहाँ दर्शन मात्र से ही भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं।उद्घाटन के मौके पर चिंटू भईया ने

कहा कि लाइनेश्वर महादेव शिव मंदिर को विकास एवं पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलाई जाएगी। सरकार से मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए पहल की जाएगी।सावन शुरू होते ही मंदिर में जलाभिषेक करने वाले महिला-पुरुष भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। पूरा परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा।श्रावणी मेला उद्घाटन के अवसर पर मिशन पब्लिक स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।इस मौके पर समाजसेवी कमला प्रसाद सिंह, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, नगर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अमर शंकर उर्फ काका जी, पुरोहित गोपाल शरण जी, सेवानिवृत प्रधानाध्यापक रवींद्रनाथ सिंह उर्फ बाटो बाबू* सहित सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद थे।

बिहिया के युवाओं ने माँ महथीन मैदान को बचाने अथवा वैकल्पिक खेल मैदान उपलब्ध कराने की उठाई मांग

प्रात: किरण संवाददाता

बिहिया, भोजपुर। बिहिया प्रखंड के युवाओं, छात्रों, अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने अनुमंडल पदाधिकारी, जगदीशपुर को आवेदन सौंपकर माँ महथीन मैदान को खेल एवं सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखने अथवा इसके बदले एक समुचित वैकल्पिक खेल मैदान उपलब्ध कराने की मांग की है।आवेदन में कहा गया है कि माँ महथीन मैदान वर्षों से स्थानीय बच्चों, युवाओं एवं खिलाड़ियों के लिए खेलकूद, दौड़, शारीरिक व्यायाम तथा सेना, पुलिस एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक तैयारी का प्रमुख केंद्र रहा है। यह मैदान केवल खेल का स्थल नहीं, बल्कि सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण केंद्र है।आवेदकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि उक्त भूमि का हस्तांतरण बीडा (इक्अऊअ) के माध्यम से किया जा चुका है और वहाँ निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यदि यह मैदान समाप्त हो जाता है, तो बिहिया के हजारों बच्चों और युवाओं के पास खेल एवं शारीरिक अभ्यास के लिए कोई सार्वजनिक मैदान उपलब्ध नहीं रहेगा।युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि यदि संभव हो तो माँ महथीन मैदान को खेल मैदान के रूप में सुरक्षित रखा जाए। यदि ऐसा संभव नहीं है, तो बिहिया नगर अथवा प्रखंड क्षेत्र में तत्काल समुचित आकार का वैकल्पिक सार्वजनिक खेल मैदान उपलब्ध कराया जाए तथा भविष्य में बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए स्थायी खेल परिसर विकसित किया जाए।आवेदकों ने कहा कि खेल का अधिकार बच्चों एवं युवाओं के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास से जुड़ा है। इसलिए यह केवल एक भूमि का मामला नहीं, बल्कि बिहिया के वर्तमान और भविष्य से जुड़ा जनहित का महत्वपूर्ण विषय है।

समावेशी शिक्षा से ही संवरेगा हर बच्चे का भविष्य थीम के निमित्त अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी 31 को

औरंगाबाद। शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार बारूण प्रखंड के सभी राजकीय, प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में 31 जुलाई 2026 को एक विशेष ‘अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी’ का आयोजन किया जा रहा है। इस बार संगोष्ठी की मुख्य थीम ‘समावेशी शिक्षाः हमारा हर बच्चा महत्वपूर्ण’ रखी गई है।संगोष्ठी के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने प्रखंड के सभी प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा है कि इस विशेष संगोष्ठी में पोषक क्षेत्र के अभिभावकों की शत-प्रतिशत सहभागिता हर हाल में सुनिश्चित कराएं, ताकि शिक्षा के इस महत्वपूर्ण अभियान का लाभ सीधे बच्चों तक पहुँच सके।प्रखंड साधन सेवी ने प्रखंड के समस्त अभिभावकों से पुरजोर अपील की है कि वे कल अपने-अपने बच्चों के विद्यालयों में आयोजित इस संगोष्ठी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

प्रजापति समाज ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई राजा दक्ष प्रजापति की जयंती

दाउदनगर (औरंगाबाद)। बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति, प्रखंड इकाई दाउदनगर, औरंगाबाद के तत्वावधान में राजा दक्ष प्रजापति जी की जयंती जसो वाटिका, बारूण रोड स्थित प्रखंड अध्यक्ष विनोद प्रजापति के आवास पर श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाई गई।कार्यक्रम का शुभारंभ राजा दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर किया गया। उपस्थित समाजजनों ने उनके आदर्शों एवं समाज के उत्थान में उनके योगदान को स्मरण करते हुए समाज में शिक्षा, संगठन, एकता एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। प्रजापति समाज के लोग राजा दक्ष प्रजापति जी के वंशज माने जाते हैं जो शास्त्रों में भी वर्णित है।इस अवसर पर समिति के सचिव गुप्तेश्वर प्रजापति, कोषाध्यक्ष लौकेश प्रजापति, संरक्षक लालबहादुर प्रजापति, संयोजक अजय प्रजापति, अनुमंडलीय अध्यक्ष श्रीकृष्णा प्रजापति, सुनील प्रजापति, एल महेन्द्र प्रजापति, चन्दन प्रजापति, राजू प्रजापति (पेंटर), धर्मेंद्र प्रजापति, राजदेव प्रजापति, धीरेन्द्र प्रजापति, उपेन्द्र प्रजापति सहित प्रजापति समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभा में वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति का आधार शिक्षा, संगठन और आपसी सहयोग है। सभी सदस्यों ने युवाओं को समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।

10 साल पुराने जानलेवा हमला मामले में दो दोषी करार, तीन आरोपित साक्ष्य के अभाव में बरी

बगहा। बगहा व्यवहार न्यायालय के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने चौतरवा थाना कांड संख्या 100/2016 से जुड़े बहुचर्चित मारपीट एवं जानलेवा हमला मामले में दो आरोपितों को दोषी करार दिया है। अदालत ने प्रमोद प्रसाद एवं बिल्लू प्रसाद उर्फ राहुल कुमार को विभिन्न धाराओं में दोषी मानते हुए सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 6 अगस्त 2026 की तिथि निर्धारित की है।वहीं, मामले के अन्य आरोपित कौशल्या देवी, गुड्डू प्रसाद उर्फ राजकुमार तथा मुखी देवी उर्फ प्रियंका देवी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया। अपर लोक अभियोजक मन्नु राव ने बताया कि इन तीनों आरोपितों के बरी किए जाने के फैसले के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील दायर की जाएगी।मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से सात गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। न्यायालय के समक्ष चिकित्सीय साक्ष्य, जख्म प्रतिवेदन, प्राथमिकी, गिरफ्तारी से संबंधित दस्तावेज तथा अन्य अभिलेख प्रस्तुत किए गए। बचाव पक्ष ने आरोपों से इनकार किया, लेकिन उपलब्ध साक्ष्यों एवं गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने प्रमोद प्रसाद और बिल्लू प्रसाद उर्फ राहुल कुमार को दोषी करार दिया।अब इस मामले में दोनों दोषियों की सजा पर अंतिम फैसला 6 अगस्त 2026 को सुनाया जाएगा।

एकमा में पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान, 13 चालकों से 17,500 जुर्माना वसूला गया

एकमा। एकमा थाना पुलिस ने गुरुवार को वाहन जांच अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 13 वाहन चालकों से कुल 17,500 रुपये जुमार्ना वसूला। यह अभियान छपराझ्रसिवान मुख्य मार्ग पर एकमा परसा मोड़ के समीप थानाध्यक्ष राम बालक यादव के नेतृत्व में चलाया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीकरण प्रमाणपत्र, बीमा, हेलमेट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की सघन जांच की। जिन वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं मिले या जिन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन किया, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 17,500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

लूटे गए कैमरे का पैसा नहीं देने पर हुई थी चंदन यादव की हत्या

■ हत्या के मामले में प्राथमिकी अभियुक्त धीरज कुमार मिश्रा समेत दो दिल्ली से गिरफ्तार

■ नगर थाना पुलिस टीम को मिली उपलब्धि

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। नवादा थाना क्षेत्र के श्री टोला मोहल्ला निवासी चंदन यादव की हत्या लूटे गए कैमरा का पैसा नहीं देने को लेकर हुई थी। इस बात का खुलासा हत्याकांड में फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हुआ। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी सोमवार को दिल्ली से हुई। इसकी जानकारी सदर एसडीपीओ वन राजकुमार साह ने गुरुवार को प्रेस बयान जारी कर दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कारनामेपुर थाना के सोनबरसा गांव निवासी स्व. विनय मिश्रा का पुत्र राकेश कुमार मिश्रा उर्फ धीरज मिश्रा एवं नवादा थाना क्षेत्र के न्यू करमन टोला मोहल्ला निवासी युगेश्वर यादव का पुत्र प्रकाश कुमार उर्फ ओमप्रकाश है। उन्होंने बताया कि 25 जून 2026 को धरहरा मुसहर टोली के समीप चंदन यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतक के पिता नवादा थाना क्षेत्र के श्री टोला निवासी विजय यादव द्वारा नगर थाना पुलिस के समक्ष बयान देकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।जिसमें उसमें राकेश कुमार मिश्रा उर्फ धीरज मिश्रा को नामजद व तीन अज्ञात को आरोपित बनाया गया था। जांच एवं अनुसंधान के क्रम में पुलिस टीम दिल्ली पहुंची। 27 जुलाई को पुलिस टीम ने राकेश कुमार मिश्रा उर्फ धीरज मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने न्यू करमन टोला निवासी प्रकाश यादव उर्फ ओम प्रकाश यादव, ऋषिराज उर्फ डीजे एवं बिट्टू का नाम बताया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकाश यादव उर्फ ओम प्रकाश यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। जबकि ऋषि राज उर्फ डीजे एवं बिट्टू सिंह फरार चल रहे थे। गिरफ्तार राकेश कुमार मिश्रा उर्फ धीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि कुछ दिन पहले उन लोगों ने एक कैमरा लूटा था, जिसे चंदन यादव को 20 हजार रुपये में बेचा था। जब चंदन यादव से पैसे की मांग की गई, तो उसने महज 2 हजार रुपए ही दिया। इसी को लेकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जयपुर के चतुर्वेद वेद-विद्यापीठ में आयोजित हुआ डॉ अनिल सुलभ का व्याख्यान, हुए सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। वेदों के संरक्षण में भारतीय ऋषियों और विप्रों का बलिदान अविस्मरणीय है। सहस्त्राब्दियों तक भारत के विप्रजन अपनी समस्त सुख-सुविधाओं का त्याग कर नित्य वेदों के गायन की साधना की और आने वाली असंख्य पीढ़ियों को इस कार्य और वेदों के रक्षण के लिए बलिदान की प्रेरणा दी। इन विप्रों ने वेदों को कंठस्थ किया और आनेवाली पीढ़ियों को इन्हें सौपते आए। जिन्होंने चारों वेदों को आद्योपान्त नियमित क्रम से कंठस्थ किया, उन्हें चतुर्वेदी, जिन्होंने तीन वेदों को कंठस्थ किए उन्हें ‘त्रिवेदी’, दो को कंठस्थ करने वालों को

‘द्विवेदी’ तथा एक वेद को कंठस्थ करने वालों को ‘वेदी’ की उपाधि दी गई। वेदों में विश्व का समस्त ज्ञान और विज्ञान है। इसलिए वेदों का प्रचार और उसका अनुसरण देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आंदोलन है, जिसे सभी प्रकार से बल दिया जाना चाहिए। वेद-पाठशालाओं की संख्या बढ़ानी चाहिए। संस्कृत और वेद सभी विद्यालयों में पढ़ाई जानी चाहिए। इससे भारत आध्यात्मिक और वैज्ञानिक रूप से समृद्ध होगा। तभी मानव जाति में मानवीय गुणों का विकास होगा। यह बातें विगत संध्या जयपुर के सांगानेर में स्थापित सुप्रसिद्ध गोशाला श्री पिंजरापोल गोशाला परिसर में, प्राचीन गुरुकुल पद्धति से संचालित गोविन्द देव चतुर्वेद वेद विद्यापीठ में बटुकों को संबोधित करते हुए, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। इस अवसर पर विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने वेद-ऋचाओं का पाठकर डा सुलभ को सम्मानित किया। आरंभ में, व्याख्यान की संयोजिका और भारत स्काउट ऐंड गाइड फेलोशिप की राष्ट्रीय महासचिव सीमा राठी ने डा सुलभ का राजस्थानी वंदन-वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। राठी ने विद्यापीठ के आचार्य श्री नितिन द्विवेदी एवं सभी बटुक विद्यार्थियों से डा सुलभ का परिचय कराया और आशीर्वचन के लिए आग्रह किया। आश्रम-परंपरा के अनुरूप निर्मित कुटियों में विद्यार्थी रहते हैं और वेदाध्ययन सहित यज्ञ आदि कर्म करते हैं।

अत्यंत शांत और दिव्य वातावरण में चलाए जा रहे इस वेद-विद्यापीठ के लिए डा सुलभ ने संस्थापक डा गोविन्द देव गिरि जी एवं विद्यालय परिवार की प्रशंसा की। इस अवसर पर जयपुर जिला स्काउट एंड गाइड फैलोशिप की सचिव पूजा मंत्री, कोषाध्यक्ष सोनू झंवर सह-सचिव हर्ष राठी- सह सचिव, दाता-सदस्य कंचन लता झंवर तथा आयशा समेत सभी आश्रमी बटुक उपस्थित थे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496